सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

शनिवार, 09 मई, 2026 | लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 125, पेज 12, 3.50 रुपये | www.facebook.com/volepaper | voiceoflucknow@gmail.com | www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 516 अंकों की गिरावट

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सेंसेक्स करीब 516 अंक टूटकर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 150 अंक की गिरावट आई। } 10

एकता की डोर से बंधा है भारत : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत का हर हिस्सा पवित्र है और वह एक ऐसी एकता की डोर से जुड़ा है जो भौगोलिक की सीमाओं से परे है। } 12

आईएसआई से जुड़े मॉड्यूल ने उगले कई राज

दिल्ली के मंदिर व ढाबे, यूपी के थानों व कई सैन्य शिविर पर हमले की थी योजना

एजेंसी

दिल्ली। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कथित तौर पर शहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े गुर्गों के माध्यम से दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत राजमार्ग पर एक लोकप्रिय ढाबे और हरियाणा में एक सैन्य शिविर पर हमले कराने की साजिश रची थी। उत्तर प्रदेश के कुछ पुलिस थाने भी हिट लिस्ट में शामिल थे। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, इन बातों का खुलासा दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0 के तहत कई राज्यों से गिरफ्तार किए गए मॉड्यूल के नौ कथित गुर्गों से पूछताछ के दौरान हुआ। सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने पाया कि एक आरोपी ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर की टोह ली थी और सोशल मीडिया के माध्यम से परिसर की तस्वीरें पाकिस्तान स्थित आकाओं को भेजी थीं। उन्होंने कहा कि मॉड्यूल ने मंदिर में तैनात पुलिस कर्मियों और अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाने और दहशत फैलाने व व्यवधान पैदा करने के लिए कथित तौर पर गोलीबारी करने की साज़िश रची थी। सूत्रों ने यह भी बताया कि बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने के इरादे से दिल्ली-सोनीपत राजमार्ग पर एक लोकप्रिय ढाबे पर ग्रेनेड हमला करने का काम ...शेष पृष्ठ 10 पर

सीएम योगी ने पैतृक गांव में 'हरि विष्णु पंचदेव मंदिर' की प्राण प्रतिष्ठा की

ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापित की गयीं प्रतिमाएं

विशेष संवाददाता

लखनऊ/उत्तराखण्ड। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उत्तराखंड के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में नवनिर्मित 'हरि विष्णु पंचदेव मंदिर' में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की। सीएम योगी गुरुवार को हेलीकॉप्टर से अपने गांव पहुंचे थे, जहां ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया था। उन्होंने गुरुवार की रात अपने पैतृक आवास पर बिताई और स्थानीय 'जागर' (जागरण) अनुष्ठान में भाग लिया। शुक्रवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान विष्णु, गणेश, शंकर, मां दुर्गा और हनुमान जी की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। इस आध्यात्मिक यात्रा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने जिम का उद्घाटन भी किया।

योगी आदित्यनाथ जब अपने गांव पहुंचे, तो वह एक मुख्यमंत्री नहीं बल्कि उस मिट्टी के बेटे के रूप में नजर आए। गुरुवार की रात बेहद

भावुक रही, जब उन्होंने अपने पुराने घर में समय बिताया. पहाड़ों की ठंडी हवाओं के बीच रातभर देवताओं के आह्वान की परंपरा 'जागर' का आयोजन हुआ। सीएम योगी ने न केवल इस धार्मिक उत्सव में हिस्सा लिया, बल्कि ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी बातें भी सुनीं। बच्चों के साथ उनकी आत्मीय बातचीत ने सबका दिल जीत लिया। नवनिर्मित 'हरि विष्णु पंचदेव मंदिर' की दिव्यता देखते ही बनती है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां भगवान विष्णु के साथ प्रथम पूज्य गणेश, महादेव, आदि शक्ति मां दुर्गा और संकटमोचन हनुमान जी की मूर्तियां एक साथ स्थापित की गई हैं। शुक्रवार सुबह मंदिर की घंटियों और वैदिक मंत्रों की गूंज के बीच योगी ने पूर्ण श्रद्धा के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें आसपास के दर्जनों गांवों के लोग शामिल हुए। इस दौरे का एक और दिलचस्प नजारा पौड़ी के महायोगी ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

लखनऊ में चलेगी ड्राइवरलेस मेट्रो ट्रेन

लखनऊ। मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के लिए अहम कदम उठाते हुए 15 अत्याधुनिक ट्रेन सेट और सिग्ननलिंग सिस्टम के डिजाइन और निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। ट्रेनों को इस तरह तैयार किया जाएगा कि इनमें तेज रफ्तार, बेहतर सुरक्षा और यात्रियों के लिए अधिक आराम व उन्नत यात्री सुविधा मिल सके। रोलिंग स्टॉक यानि मेट्रो ट्रेन में कई आधुनिक तकनीकों को शामिल किया जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन देश की उन्नत व अत्याधुनिक मेट्रो प्रणालियों में से एक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ट्रेनें अनअटेंडेड ट्रेन ऑपरेशन मोड पर संचालित होंगी, जिससे उनका संचालन पूरी तरह ड्राइवरलेस होगा। यूटीओ मोड एक आधुनिक ड्राइवरलेस प्रणाली है, जिसमें ट्रेनें कम्युनिकेशन-बेस्ड ट्रेन कंट्रोल जैसी उन्नत तकनीक की मदद से स्वतः चलती हैं, रुकती हैं और अपनी गति नियंत्रित करती हैं।

लखनऊ : सेप्टिक टैंक में उतरे दो सफाईकर्मियों की मौत

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर सेप्टिक टैंक की सफाई कर रहे दो मजदूरों की जहरीली गैस से मौत हो गई। पहले एक मजूदर टैंक के अंदर सफाई करने के लिए उतरा। जब काफी देर तक उसकी ओर से कोई आवाज या हलचल नहीं हुई, तो दूसरा मजदूर उसे देखने के लिए टैंक में चला गया। इसके बाद दोनों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम और ग्रामीणों की मदद से दोनों मजदूरों को अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर माल थाना क्षेत्र के नवीपनाह गांव की है।

बंगाल के नये मुख्यमंत्री होंगे शुभेंदु अधिकारी

आज लेंगे शपथ, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की औपचारिक घोषणा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार शाम राज्यपाल आर एन रवि से मुलाकात की और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली पहली सरकार बनाने का दावा पेश किया। अधिकारी भाजपा की प्रदेश इकाई के दिलीप घोष, लॉकेट चटर्जी और तापस रॉय सहित कई शीर्ष नेताओं के साथ लोकभवन पहुंचे।

इससे पहले अधिकारी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। हाल में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 सीट में से 207 सीट जीतकर विजय पताका फहराई, जबकि तृणमूल कांग्रेस केवल 80 सीट पर सिमट गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, शीर्ष केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा शासित राज्यों के लगभग 20 मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में शनिवार को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक भव्य समारोह में अधिकारी और उनकी मंत्रिपरिषद का शपथग्रहण होगा। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किए गए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि

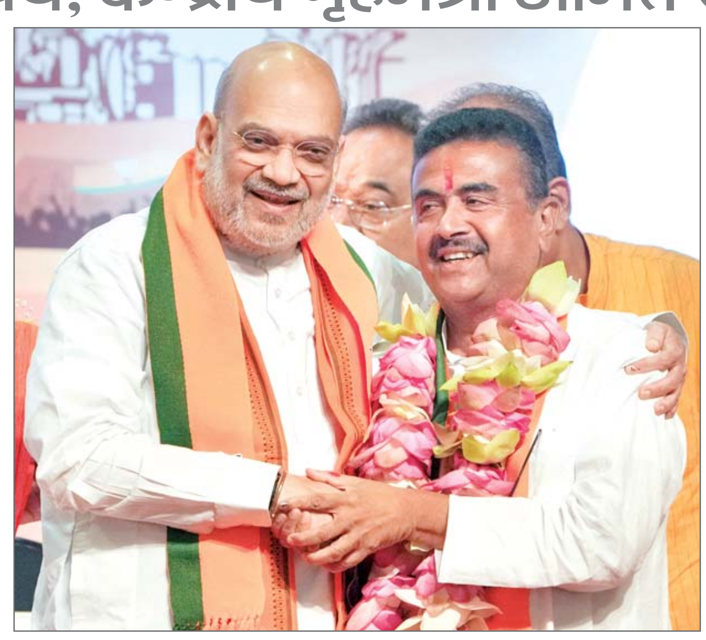

राज्य में नई और पहली भाजपा सरकार पार्टी के चुनाव घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करेगी और लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पार्टी विधायकों को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि बंगाल में डर का माहौल खत्म हो गया है और राज्य अब भरोसे के दौर की ओर बढ़ेगा। पार्टी विधायकों और समर्थकों की ज़ोरदार तालियों के बीच अधिकारी ने कहा, 'भय अब खत्म हो गया है और जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है, भरोसा आ गया है। इससे पहले अधिकारी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे उनके पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। अधिकारी ने कहा बंगाल की जनता ने हमें ऐतिहासिक ...शेष पृष्ठ 10 पर

बंगाल में अब घुसपैठ असंभव : शाह

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल का नेता और मुख्यमंत्री पद का चेहरा चुने जाने की घोषणा करने के बाद कहा कि राज्य में घुसपैठ और मवेशियों की तस्करी नामुमकिन हो जाएगी। यहां भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि बंगाल में भारी जीत सिर्फ संगठन का विस्तार या विचारधारा की पुष्टि नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक बहाली से जुड़ा जनादेश है। उन्होंने कहा यह जीत हमारे संगठन के विस्तार या विचारधारा की पुष्टि के बारे में नहीं है, बल्कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा में सबसे बड़ी कमी को ठीक करने के बारे में है, अब पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और गो-तस्करी नामुमकिन हो जाएगी। पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस शासन पर तीखा हमला करते हुए, शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के 15 साल के शासन के दौरान राज्य में प्रशासन का राजनीतिकरण और राजनीति का अपराधीकरण हुआ था। उन्होंने कहा भाजपा के शासन के दौरान, न तो प्रशासन का राजनीतिकरण होगा, न ही राजनीति का अपराधीकरण होगा। शाह ने पश्चिम बंगाल में नव निर्वाचित विधायकों की एकमत से मंज़ूरी का हवाला देते हुए अधिकारी को भाजपा विधायक दल का नेता घोषित किया। शाह ने कहा विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। आठ ...शेष पृष्ठ 10 पर

तमिलनाडु : विजय आज लेंगे सीएम पद की शपथ

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके के अध्यक्ष चंद्रशेखर जोसफ विजय ने वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद शुक्रवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से लोक भवन में मुलाकात ...शेष पृष्ठ 10 पर

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप टैरिफ किया निरस्त

राष्ट्रपति के 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को बताया अवैध

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने देश के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस को एक और झटका देते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को अवैध और कानून द्वारा अनधिकृत करार देते हुए खारिज कर दिया है।

ट्रंप द्वारा पहले लगाए गए व्यापक शुल्कों को खारिज करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी को भारत सहित सभी देशों पर 150 दिनों के लिए ये नए शुल्क लगाए गए थे। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) शुल्क लगाने की

अनुमति नहीं देता। अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने बृहस्पतिवार को सुनाए फैसले में कहा कि ट्रंप ने 10 प्रतिशत शुल्क लगाने के लिए 1974 के व्यापार अधिनियम के जिन प्रावधानों का इस्तेमाल किया, वे केवल भुगतान संतुलन संकट की स्थिति में ही प्रभावी हो सकते हैं। अदालत ने एक के मुकाबले दो के बहुमत से कहा कि ट्रंप ने उस शुल्क अधिकार का अतिक्रमण किया जो संसद ने राष्ट्रपति को कानून के तहत दिया है। बहुमत ने अपने फैसले में कहा कि ये शुल्क ...शेष पृष्ठ 10 पर

बुलंदशहर : एक्सीडेंट में पांच लोगों की मौत

बुलंदशहर (उप्र)। बुलंदशहर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में शुक्रवार को सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार हादसे के बाद सभी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तम कुमार (45), उनकी पत्नी उर्मिला (40) और बच्चे निशान्त (आठ), दिशा (छह) एवं अनायरा (छह) के रूप में हुई है जो धमैडा कीरत गांव के निवासी थे। उन्होंने कहा कि उत्तम कुमार किसी से मोटरसाइकिल लेकर खुर्जा गए थे और लौटते समय रास्ते में यह हादसा हो गया। एसएसपी के ...शेष पृष्ठ 10 पर

हिमालयी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा का नया अध्याय शुरू

चारधाम यात्रा को सुरक्षित व सुगम बनाने को प्रयत्नशील : धामी

प्रमुख संवाददाता

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)। उच्च हिमालयी क्षेत्र श्री केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के लिए चिकित्सा सुविधाओं की दिशा में एक नया अध्याय शुरू हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा निर्मित अत्याधुनिक अस्पताल का लोकार्पण किया। इस अस्पताल का संचालन स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि केदारनाथ जैसे दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत होना समय की आवश्यकता है। ऊंचाई, मौसम में अचानक बदलाव और ऑक्सीजन की कमी जैसी

परिस्थितियों के कारण यात्रियों को कई बार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह अस्पताल आपातकालीन चिकित्सा, प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य परामर्श जैसी सुविधाओं के माध्यम से बड़ी राहत प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चारधाम यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य शिविरों, डॉक्टरों, एम्बुलेंस सेवाओं, ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम और मेडिकल टीमों की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी परिस्थिति में श्रद्धालुओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ उत्तराखंड के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे को तेजी से मजबूत किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से लाखों लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है, जबकि दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों तक आधुनिक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। साथ ही मेडिकल ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	40.00 डिसे.
न्यूनतम	:	26.00 डिसे.

भीतर पढ़ें

- संग्रहालयों के जरिए सहेजी जा रही प्रदेश की विरासत (पृष्ठ-02)
- आज और कल होगी प्रवक्ता संवर्ग भर्ती परीक्षा (पृष्ठ-02)
- रुपया 25 पैसे चढ़कर 94.47 प्रति डॉलर पर (पृष्ठ-10)
- निर्माण उपकरण की बिकी वित्त दो प्रतिशत घटी (पृष्ठ-10)
- एयरइंडिया ने उठाए खर्च घटाने के कदम (पृष्ठ-10)

विशेष खबर — उत्तर प्रदेश में 2012 से 2017 के बीच प्रतिदिन हुए 19 दंगे

सपा सरकार में 25 हजार से अधिक हुए दंगे

विशेष संवाददाता

लखनऊ। कभी दंगा प्रदेश के नाम से चर्चित रहा उत्तर प्रदेश अब कानून व्यवस्था के मामले में नई पहचान बना रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में प्रतिदिन

योगी राज में नौ वर्षों से प्रदेश में शांति

औसतन 19 दंगे दर्ज होते थे, लेकिन वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ।

सरकार का दावा है कि इस दौरान कुछ असामाजिक तत्वों की ओर से माहौल बिगाड़ने और दंगा भड़काने की कोशिशें जरूर की गईं, लेकिन पुलिस और प्रशासन की सख्ती के चलते ऐसे प्रयास सफल नहीं हो सके। संवेदनशील

इलाकों में लगातार निगरानी, त्वरित पुलिस कार्रवाई और खुफिया तंत्र की सक्रियता के कारण स्थिति को समय रहते नियंत्रित किया गया। प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत होने का असर अपराध के अन्य मामलों में भी दिखाई दे रहा है। एनसीआरबी की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में फिरौती के लिए अपहरण का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ। कभी व्यापारियों और कारोबारियों के लिए चिंता का विषय रहने वाला यह अपराध अब पूरी तरह नियंत्रण में बताया जा रहा है। सरकार का कहना है कि बेहतर कानून व्यवस्था के कारण प्रदेश में निवेश का माहौल मजबूत हुआ है और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। वहीं राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी उत्तर प्रदेश की बदली हुई छवि को लेकर चर्चा हो रही है। वर्ष 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में हर दिन अपहरण की 33 घटनाएं दर्ज की गईं। एनसीआरबी की वर्ष 2024 रिपोर्ट के अनुसार फिरौती के लिए अपहरण के मामले में उत्तर प्रदेश की अपराध दर (क्राइम रेट) शून्य दर्ज की गई है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश इस मामले में सबसे बेहतर स्थिति में दिखाई देता है। रिपोर्ट के अनुसार नगालैंड में यह अपराध दर 0.7, मणिपुर ...शेष पृष्ठ 10 पर

यूपी में स्वास्थ्य विभाग पर बड़ी कार्रवाई, पांच डॉक्टर बर्खास्त

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के लापरवाह डॉक्टरों पर की बर्खास्तगी, तबादले और वेतनवृद्धियां रोकी गई हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अपर मुख्य सचिव को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सीएमओ समेत 16 अफसरों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई

उनका कहना है कि नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर के पंजीकरण और नवीनीकरण प्रक्रिया में खेल करने वालों पर शिकंजा कसा गया है। अम्बेडकर नगर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल एवं डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय वर्मा पर निजी ...शेष पृष्ठ 10 पर

स्टांप तथा पंजीयन विभाग के तीन कर्मचारी निलंबित

लखनऊ। स्टांप तथा पंजीयन विभाग में कार्यरत तीन कार्मिकों को कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोपों में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए कार्मिकों में रवि प्रकाश वर्मा उप निबन्धक सदर प्रथम बरेली, तोषक राजन राजपूत कनिष्ठ सहायक निबन्धन, कार्यालय उप निबन्धक सदर प्रथम बरेली तथा शिवम मिश्रा तत्कालीन कनिष्ठ सहायक निबन्धन, कार्यालय उप निबन्धक सदर प्रथम बरेली, सम्प्रति कार्यालय उप निबन्धन सदर ...शेष पृष्ठ 10 पर

न्यूज़ीलैंड तकनीक से बढ़ेगा गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन

मधुमक्खी पालकों को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण, निर्यात को भी बढ़ावा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार ने नई पहल शुरू की है। भारत और न्यूजीलैण्ड के मध्य शहद उत्पादन एवं निर्यात क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण(एपीडा) तथा न्यूजीलैण्ड सरकार की ओर से संयुक्त रूप से हनी एक्शन प्लान पर कार्य किया जा रहा है। शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से न्यूजीलैंड के शहद उत्पादन एवं प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर तकनीकी सहयोग और आधुनिक प्रशिक्षण की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बी.एल. मीणा, अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने किया। टीम में न्यूजीलैंड के कृषि और मधुमक्खी पालन विशेषज्ञ शामिल रहे, जिन्होंने प्रदेश में शहद उत्पादन की व्यापक संभावनाओं पर अपने अनुभव साझा किए।

प्रतिनिधिमंडल ने रायबरेली और बाराबंकी जनपदों का भ्रमण कर स्थानीय

- **रायबरेली में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हनी जल्द होगा शुरू**

मधुमक्खी पालकों से संवाद किया और प्रदेश में गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन की संभावनाओं का अध्ययन किया।

विशेषज्ञों ने बताया कि न्यूजीलैंड में शहद उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और रोग प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक विकसित की गई है, जिसका लाभ उत्तर प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को दिया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से व्यापारिक और तकनीकी सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए मधुमक्खी पालन को एक मजबूत व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारियों और शहद उत्पादन से जुड़े उद्यमियों को विशेष प्रशिक्षण के लिए न्यूजीलैंड भेजने की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से प्रदेश में निर्यात योग्य शहद उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

बैठक के बाद खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में विभागीय अधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा भी हुई, जिसमें न्यूजीलैंड की आधुनिक शहद उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। योजना के अंतर्गत न्यूजीलैण्ड उच्चायोग के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश का भ्रमण कर शहद उत्पादन, प्रसंस्करण एवं निर्यात से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल में ईशान जयवर्धन, प्रमुख सलाहकार-व्यापार योजना कार्यान्वयन एवं एमपीआई टीम प्रमुख, बायरन पीटर टेलर, मधुमक्खी पालन तकनीकी प्रबंधक, मेलानी फिलिप्स, कृषि सलाहकार एनजेडएचसी, प्रियम अरोरा तथा सुश्री सुदेशना रे शामिल रहीं।

इसके उपरांत शुक्रवार को उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह से उनके आवास पर प्रतिनिधिमंडल की भेंटवार्ता हुई। बैठक के दौरान मंत्री ने निर्देश दिए कि रायबरेली में निमार्णाधीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हनी के कार्य को शीघ्र पूर्ण कर उसे जल्द संचालित किया जाए। साथ ही बाराबंकी के प्रगतिशील मधुमक्खी पालक निमित्त सिंह मधुमक्खीवाला को 02 जून से 14 जून 2026 तक न्यूजीलैण्ड भेजकर आधुनिक तकनीकों एवं वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश भी दिए गए।

गांव की महिलाएं अब तकनीक के जरिए करेंगी दूध का कारोबार

विशेष संवाददाता (vol)

- **लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली, अमेठी समेत 10 जिलों की महिलाएं बनेंगी हाईटेक**
- **गुणवत्ता से लेकर भुगतान तक, अब हर जानकारी रहेगी मोबाइल पर**

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम अब तकनीक के नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। अवध क्षेत्र और आसपास के 10 जिलों में कार्यरत ह्यसामर्थ्य दुग्ध उत्पादक कंपनी के जरिए ग्रामीण महिलाएं अब आधुनिक तकनीक और मोबाइल एप के माध्यम से दुग्ध उत्पादन, संग्रह और भुगतान व्यवस्था को संचालित कर सकेंगी। इस पहल से प्रतिदिन चार लाख लीटर से अधिक दूध के व्यापार को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है।

योगी सरकार के कार्यकाल में गांव की महिलाओं के लिए तैयार किया गया पारदर्शी दुग्ध नेटवर्क अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई ताकत बनता जा रहा है। अवध और आसपास के जिलों में सवा लाख से अधिक महिलाओं को इससे जोड़ा जा चुका है, जिनके हाथों में अब केवल दुग्ध उत्पादन ही नहीं बल्कि तकनीकी प्रबंधन की जिम्मेदारी भी होगी। सामर्थ्य दुग्ध उत्पादक कंपनी द्वारा गांव गांव दुग्ध संग्रह केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां किसानों के यहां से दूध को उचित मूल्य पर खरीदा जा रहा है। इसे महिलाएं ही संचालित करती हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला है, वहीं पशुपालकों को भी बाजार की अनिश्चितताओं से राहत मिली है। योगी सरकार की प्राथमिकता केवल खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि भुगतान व्यवस्था को भी पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है। महिला किसानों को महीने में तीन बार, दस-दस दिन के अंतराल पर सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान किया जाता है। इससे बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हो गई है। लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली, अमेठी सुल्तानपुर, बाराबंकी, उन्नाव, प्रतापगढ़ कानपुर नगर और फतेहपुर में ग्रामीण महिलाओं का विशाल नेटवर्क तैयार किया गया है। दुग्ध कारोबार को पूरी तरह डिजिटल बनाने के लिए ह्यसामर्थ्य साथीह्न नाम से मोबाइल एप शुरू किया गया है। इस एप के जरिए दुग्ध उत्पादकों को रियल टाइम दूध बिक्री, भुगतान, गुणवत्ता जांच और अन्य आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

ग्रामीण महिलाओं को तकनीक से जोड़ना केवल सुविधा नहीं बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण का बड़ा माध्यम है। इसी उद्देश्य से गांव स्तर पर महिलाओं को डिजिटल प्रशिक्षण और तकनीकी जागरूकता भी की जा रही है। दूध की गुणवत्ता जांच से लेकर पैसे के भुगतान तक पूरी प्रक्रिया तकनीक आधारित होने से दुग्ध उत्पादकों का भरोसा तेजी से बढ़ा है। ग्रामीण महिलाएं अब केवल पशुपालन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डेटा, भुगतान और डिजिटल रिकॉर्ड की निगरानी भी स्वयं कर रहीं हैं।

स्वगणना के प्रचार-प्रसार के लिए ग्राम स्तर तक चलेगा जागरूकता अभियान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश सरकार जनगणना- 2027 को पारदर्शी, तकनीक आधारित और सटीक बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। इसी क्रम में शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री नरेन्द्र कश्यप के सरकारी आवास पर जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने स्वगणना कर अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

स्वगणना की इस पहल से नागरिकों को अपनी और अपने परिवार की जानकारी जनगणना पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से दर्ज करने का अवसर मिलेगा। इसको लेकर प्रदेशवासियों से अपील की गई है कि वह जनगणना-2027 में उत्साहपूर्वक भाग लें और स्वगणना प्रक्रिया को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य डेटा संकलन की प्रक्रिया को तेज करना और त्रुटिहीन एवं सटीक आंकड़े प्राप्त करना है। जनगणना-2027 के प्रथम चरण यानी स्वगणना प्रक्रिया में डेटा सुरक्षा

- **डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के सभी मानकों के पालन का भरोसा**

और गोपनीयता के सभी मानकों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। स्वगणना की 15 दिनों की अवधि पूर्ण होने के बाद 22 मई से औपचारिक मकान सूचीकरण का कार्य शुरू किया जाएगा। स्वगणना-2027 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए योगी सरकार प्रदेश स्तर से लेकर जिला और ग्राम स्तर तक जागरूकता अभियान चलाएगी। साथ ही नागरिकों की सुविधा के लिए हेल्पडेस्क और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने के लिए भी कहा गया है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री नरेंद्र कश्यप ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेशानुसार अपने-अपने स्तर पर इस कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

साथ ही अधिक से अधिक नागरिकों को इसमें सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करें। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि जनगणना 2027 के माध्यम से स्वगणना प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी। इससे प्राप्त आंकड़े राज्य की विकासपरक योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में अत्यन्त सहायक सिद्ध होंगे।

संग्रहालयों के जरिए सहेजी जा रही प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत

लखनऊ। प्रदेश सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी क्रम में संस्कृति विभाग के अधीन संचालित पांच राज्य संग्रहालयों के निर्माण और सुदृढ़ीकरण कार्य पूरे कर जनता को समर्पित कर दिया गया है, जबकि तीन अन्य परियोजनाओं के कार्य तेजी से अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। इन संग्रहालयों में प्रदेश की गौरवशाली परंपरा, पुरातात्विक महत्व की वस्तुएं और दुर्लभ मूर्तियां संरक्षित की गईं हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास और संस्कृति से जुड़ सकेंगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बीते पांच वर्षों में राज्य संग्रहालयों के विकास के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ उसे आधुनिक स्वरूप देने का कार्य कर रही है। राज्य संग्रहालय लखनऊ में 2483.05 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय का उद्घाटन 4 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जा चुका है। यह संग्रहालय आम लोगों और विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा अवधी गैलरी (नवाबी कला) के सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण का कार्य भी 171.80 लाख रुपये की लागत से पूरा करा लिया गया है।

आज और कल होगी प्रवक्ता संवर्ग भर्ती परीक्षा

624 पदों के लिए 4.64 लाख से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

विशेष संवाददाता (vol)

प्रयागराज/लखनऊ। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के तत्वावधान में प्रवक्ता संवर्ग के 18 विषयों के कुल 624 पदों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 09 एवं 10 मई को किया जाएगा। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी, जिसमें कुल 4,64,605 पंजीकृत अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने 17 जिलों के 319 परीक्षा केंद्रों की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा संबंधी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा केंद्रों के सभी कक्षों एवं महत्वपूर्ण स्थलों को एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों से आच्छादित कर जिला कंट्रोल रूम तथा आयोग के अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से जोड़ा गया है। आयोग द्वारा सभी केंद्रों की कनेक्टिविटी का सफल परीक्षण भी कर लिया गया है।

- **17 जिलों के 319 परीक्षा केंद्रों पर पूरी हुई तैयारियां, एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी में होगी परीक्षा**
- **अफवाहों से बचें, आयोग की वेबसाइट और आधिकारिक एक्स हैंडल पर करें भरोसा**

आयोग की ओर से परीक्षा के सघन देखरेख के लिए प्रत्येक जिले में एक-एक प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं निगरानी टीमें लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करेंगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास निषेधाज्ञा लागू रहेगी तथा पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वाले व्यक्तियों एवं नकल माफियाओं के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

09 मई को प्रथम पाली में भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, इतिहास एवं शिक्षाशास्त्र सहित 06 विषयों तथा द्वितीय पाली में अंग्रेजी, कृषि, वाणिज्य एवं समाजशास्त्र सहित 04 विषयों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं 10 मई को प्रथम पाली में नागरिक शास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, संस्कृत एवं मनोविज्ञान सहित 05 विषयों तथा द्वितीय पाली में रसायन विज्ञान, भूगोल, हिन्दी एवं कला सहित 04 विषयों की परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन सहित किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। साथ ही एआई तकनीक की सहायता से ऐसे संदिग्ध अभ्यर्थियों की पहचान की गई है, जिन्होंने एक ही नाम से अलग-अलग फोटो के साथ अथवा एक ही फोटो के साथ अलग-अलग नामों से आवेदन किया है। ऐसे परीक्षार्थियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोग द्वारा अभिनव प्रयोग के रूप में लखनऊ मंडल के 10 परीक्षा केंद्रों पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक पाली की परीक्षा समाप्त होने के तुरंत बाद अभ्यर्थियों द्वारा प्रयुक्त ओएमआर उत्तर पत्रकों की स्कैनिंग परीक्षा कक्ष में ही कक्ष निरीक्षकों एवं परीक्षार्थियों की उपस्थिति में की जाएगी। स्कैन डाटा को तत्काल सुरक्षित किया जाएगा, जिसका आवश्यकता पड़ने पर मूल ओएमआर से मिलान किया जा सकेगा। आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने सभी अभ्यर्थियों से समय से परीक्षा केंद्र पर पहुंचने एवं प्रवेश पत्र में अंकित निर्देशों का अक्षरशः पालन करने की अपील की है।

उन्होंने अभ्यर्थियों से किसी भी अफवाह अथवा भ्रामक सूचना से बचने तथा आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा है। परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वाले अनुचित साधनों के प्रयोग पर उप्र सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल अर्थव्यवस्था को नयी गति देगा डेटा सेंटर पार्क

प्रदेश को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने ग्रेटर नोएडा स्थित यॉटा डेटा सेंटर पार्क का दौरा कर वहां विकसित अत्याधुनिक डिजिटल अवसंरचना एवं परिचालन व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर मंत्री का स्वागत यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आईएएस हिमांशु कौशिक की ओर से किया गया।

दौरे के दौरान मंत्री को यॉटा डेटा सेंटर पार्क की प्रमुख उपलब्धियों, तकनीकी क्षमताओं एवं उत्तर प्रदेश की डिजिटल अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। यॉटा नेतृत्व ने बताया कि कंपनी उत्तर प्रदेश में अपने परिचालन एवं निवेश का तेजी से विस्तार कर रही है तथा 125 मेगावाट स्थापित क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। यह परियोजना प्रदेश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। माननीय मंत्री ने बड़े पैमाने पर संचालित डेटा सेंटरों की विद्युत एवं जल आवश्यकताओं तथा उनसे संबंधित चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा एवं यूपीएलसी के प्रबंध निदेशक हिमांशु कौशिक ने ग्रेटर नोएडा स्थित एलजी इलेक्ट्रानिक्स प्लांट के विनिर्माण परिसर का दौरा किया। इस दौरान कंपनी के अधिकारियों ने मंत्री को इकाई की उत्पादन क्षमता, तकनीकी उन्नयन, निवेश योजनाओं तथा स्थानीयकरण प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। कंपनी अधिकारियों ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी-2020 (प्रथम संशोधन-2022) के अंतर्गत लगभग 900 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है, जिसमें से अब तक लगभग 800 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। यह निवेश आधुनिक मशीनरी, ऑटोमेशन, पीसीबी लाइन, कंप्रेसर निर्माण तथा उत्पादन क्षमता विस्तार जैसे क्षेत्रों में किया गया है। वर्तमान में एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन एवं कंप्रेसर सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है और वर्तमान में इकाई में लगभग 3,220 कर्मचारियों को रोजगार प्राप्त है।

मानसून से पहले नदियों व बड़े नालों की बढ़ाई जा रही जलधारण क्षमता

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार बाढ़ नियंत्रण और प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए बड़े बदलाव कर रही है। सरकार बाढ़ नियंत्रण की पारंपरिक विधियों की जगह कुछ नए तरीके अपना रही है, जिससे करोड़ों रुपये की बचत होगी। साथ ही बाढ़ नियंत्रण के लिए किसानों की जमीनों का बार-बार अधिग्रहण नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों में नए तरीकों से लगभग 40.72 लाख हेक्टेयर भूमि को सुरक्षित किया और 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को इससे फायदा मिला। इसके बाद बाढ़ नियंत्रण के नए तरीकों को विस्तार देने की तैयारी चल रही है। अब तक बाढ़ नियंत्रण और प्रबंधन के लिए पत्थर की बड़ी मेड़, गैबियन दीवारें (लोहे की तार के बक्सों में पत्थर की दीवार), बड़े-बड़े बांध और तटबंध बनाने का ध्यान दिया जा रहा था। वहीं दूसरे तरीके में कई जगहों पर संवेदनशील क्षेत्रों में नदी और बड़े नालों से गाद निकालने, कीचड़ हटाने पर ध्यान दिया जा रहा है। ताकि नदी के मार्ग और मोड़ को पानी की अधिक क्षमता वहन करने लायक बनाया जा सके। लखीमपुर खीरी में बाढ़ सुरक्षा परियोजना के तहत इस नए तरीके को अपनाया गया। इंजीनियरों ने नदी की क्षमता बढ़ाने के लिए गाद निकाली, जिस पर महज 22 करोड़ रुपये खर्च हुए। पहले यहीं बाढ़ नियंत्रण की तैयारी में 180 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान था। बाराबंकी में एल्गिन ब्रिज के आस-पास और सरयू क्षेत्र में भी नए तरीके से महज 5 करोड़ रुपये का खर्च आया, जिस पर पहले अन्य उपायों के जरिए 115 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान था। इसी क्रम में बाढ़ नियंत्रण से जुड़े विभागों ने इंजीनियरों के साथ मिलकर घाघरा, शारदा और सुहेली नदियों के कई हिस्सों में बड़ा बदलाव किया।

जनहित परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं

जल शक्ति मंत्री ने सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये कड़े निर्देश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुख्यालय के सभागार में विभागीय कार्यों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने कड़े तेवर अपनाते हुए अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि जनहित की परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लेटलतीफी या भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि विभाग की सफलता का एकमात्र पैमाना किसान की संतुष्टि है।

समीक्षा बैठक के दौरान जल शक्ति मंत्री ने कृषि में जल के इष्टतम उपयोग पर जोर देते हुए सभी मुख्य अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक मुख्य अभियंता अपने-अपने संगठन और परिक्षेत्र में वन ड्रॉप मोर क्रॉप (प्रति बूंद अधिक फसल) के सिद्धांत पर आधारित कम से कम एक नई और नवाचारी परियोजना का खाका तैयार करें। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु और घटते जल स्तर के बीच हमें सिंचाई की ऐसी तकनीकें विकसित करनी होंगी जो कम पानी में किसानों को अधिकतम पैदावार दे सकें।

उन्होंने संगठनवार समीक्षा करते हुए मुख्य अभियंताओं से प्रदेश की नहरों, रजबाहों, अल्पिकाओं और साइफन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा मांगा। उन्होंने बैराजों, फीडर और रेगुलेटरों के संचालन में तकनीकी खामियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए और कहा कि फील्ड अफसर स्वयं मौके पर जाकर जल वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करें। आगामी मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर मंत्री जी ने बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील और अति-संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ बचाव के कार्य युद्धस्तर पर पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन परियोजनाओं में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की गुणवत्ता और कार्य की समयबद्धता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी परियोजना में मानक के विपरीत कार्य पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पेंशन मिलने से बुर्जुग महिलाओं के जीवन स्तर में हो रहा सुधार

लखनऊ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में संचालित वृद्धावस्था पेंशन योजना लाखों बुजुर्ग महिलाओं के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। प्रदेश सरकार वर्तमान में 29,23,364 बुजुर्ग महिलाओं को वृद्धापेंशन का लाभ दे रही है। आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय महिलाओं के लिए यह योजना जीवन का मजबूत सहारा साबित हो रही है। योगी सरकार में 1,000 रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाती है। डीबीटी के जरिए हर तिमाही 3,000 रुपये सीधे बैंक खाते में भेजे जाते हैं, नियमित पेंशन मिलने से न केवल उनकी दैनिक जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि उनमें आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की भावना भी मजबूत हुई है।

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वृद्धावस्था पेंशन योजना को पूरी पारदर्शिता के साथ

- **29,23,364 महिलाओं को मिल रही पेंशन, जौनपुर में सबसे ज्यादा 1,00820 महिलाएं**

संचालित किया जा रहा है। पेंशन की धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है और पात्र महिलाओं तक समय पर सहायता पहुंच रही है। योगी सरकार की इस पहल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं को बड़ा आर्थिक संबल मिला है।

प्रदेश में जौनपुर जिला वृद्धावस्था पेंशन योजना का सबसे बड़ा लाभार्थी जिला बनकर उभरा है। यहां 1,00,820 बुजुर्ग महिलाओं को पेंशन का लाभ मिल रहा है। इसके बाद दूसरे स्थान पर आजमगढ़ है, जहां 86,166 महिलाओं को योजना से जोड़ा गया है। वहीं बलिया में 79,160 बुजुर्ग महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही हैं।

अखिलेश ने मेधावियों को दिया लैपटॉप और आईपैड

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर में आईसीएसई बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण टापर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप और आईपैड देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने एचपी चिल्डेज्न्स एकाडमी, गोरखपुर की अक्षिता गुप्ता को 10वीं बोर्ड की परीक्षा में पूरे उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी। अक्षिता गुप्ता ने 99.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। आईसीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा में अनुज कसौधन को 98.5 प्रतिशत अंक मिले है। अनुज कसौधन सेंट जोजेफ हाईस्कूल के छात्र रहे हैं।

आईसीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में सेंट जोजेफ स्कूल गोरखनाथ के छात्र-अनमोल अग्रवाल ने 98.5 प्रतिशत और गौरांग भटेजा ने 98.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इसी विद्यालय की अनुष्का यादव ने 97.25 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। इन सभी को श्री अखिलेश यादव ने सम्मानित करते हुए उनके जीवन में सफलता की कामना की। इस अवसर पर गोरखपुर के पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविन्द दत्त शुक्ल की उपस्थित रहे।

अब बात केवल चुनाव प्रक्रिया की नहीं देश बचाने की है

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा है कि प्रिय देशवासियों, पश्चिम बंगाल आकर चुनाव की महाधांधली और महाबेईमानी के बारे में जानकर ये लगा कि अब बात केवल चुनाव की प्रक्रिया को बचाने की नहीं है, देश को बचाने की है।

अखिलेश यादव ने कहा कि आज देश उन गलत हाथों में चला गया है जो संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण, स्वतंत्रता, समता-समानता, न्याय, गरिमा, देश की एकता-अखंडता, सद्भाव-सौहार्द-बंधुत्व, महिलाओं के मान-सम्मान, युवाओं, किसानों, मजदूरों, शोषित, वंचित, गरीब कुल मिलाकर पीड़ित-पीडीए के वर्तमान व भविष्य के हक और अधिकारों के घोर विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपाई और उनके मुखबिर संगी-साथी आजादी से पहले भी देश के विरोधी थे और आजादी के बाद भी हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों को तोड़कर ये लोग देश की राज-व्यवस्था को नेस्तनाबूद करने पर क्यों आमादा है? उन्होंने कहा कि अब वो निर्णायक समय आ गया है, जब हम सबको मिलकर इन देश विरोधी नकारात्मक ताकतों को हमेशा के लिए हराना होगा, देश को बचाना होगा और देश की नई आजादी के लिए तिरंगा उठाना होगा।

प्राचीनतम तीर्थ नैमिषारण्य को मथुरा वृन्दावन से जोड़ा जाये : अजय पाल

विशेष संवाददाता (vol)

- **विभिन्न जिलों से 8366 नागरिकों व श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री और रेलमंत्री सामूहिक हस्ताक्षरित पत्र भेजकर उठायी मांग**

लखनऊ। प्राचीनतम तीर्थ नैमिषारण्य जहां 88 हजार ऋषियों/मुनियों एक साथ कथा श्रवण की तथा जहां वेदो, पुराणों आदि की रचना हुई ऐसे पावन धाम को जाने के लिए रेलमार्ग की कोई सुविधा न होने से तीर्थ यात्रियों, श्रद्धालुओं को हो रही कठिनाई के निवारण के लिए गठित नैमिषारण्य-मथुरा रेल जोड़ो अभियान समिति, उप्र द्वारा जिलों में चलाया जा रहा अभियान दिन प्रतिदिन जोर पकड़ता जा रहा है।

समिति के महासचिव अजय पाल सिंह सोमवंशी ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में जारी अभियान के क्रम में सीतापुर के भी 556 नागरिकों/श्रद्धालुओं ने भी प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री भारत सरकार को सामूहिक हस्ताक्षरित पत्र भेजकर मांग की है कि देशभर के तीर्थ यात्रियों/श्रद्धालुओं को नैमिषारण्य आने जाने में हो रही कठिनाइयों को देखते हुए नैमिषारण्य से हरदोई होकर फरूर्खाबाद तक मात्र 112 किमी नई रेल लाइन बिछाये जाने की आवश्यकता है।

नैमिष एवं फरूर्खाबाद को रेलमार्ग के जोड़ने से मथुरा वृन्दावन सहित न केवल प्रदेश के सभी पांचों तीर्थ एवं वैश्विक पर्यटन केंद्र (काशी, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, चित्रकूट) आपस में रेलमार्ग से जुड़ जायेगे अपितु देशभर के तीर्थों, पर्यटन केंद्रो से नैमिषारण्य का स्वतः जुड़ाव हो जायेगा तथा भारतीय रेल को भी पूर्वोत्तर राज्यों से चलकर गोरखपुर, सीतापुर नैमिष, फरूर्खाबाद, मथुरा, आगरा, इटावा, होकर पश्चिमी, मध्य एवं दक्षिण के राज्यों को नया रेल-गलियारा (कारिडोर) मिल जायेगा जिससे माल ढुलाई सहित कानपुर एवं लखनऊ दिल्ली के रेलमार्गों का यातायात दबाव कम होने के साथ, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, हाथरस, मथुरा, अलीगढ़, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, आगरा, कन्नौज, इटावा आदि 15 प्रदेश के जिलों की 4.50 करोड़ जनता को आपस के जिलो में आने जाने का रेल यातायात सुलभ हो जायेगा जिससे भारतीय रेलवे को भी अत्यधिक आय होगी।

स्वगणना में गलती होने पर पांच बार मिलेगा सुधार का मौका

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्वगणना के दौरान किसी तरह की गलत होने पर त्रुटियों को पांच बार सुधार जा सकता है। इसके अलावा जनगणना कर्मी के घर पर पहुंचने पर भी पूरा डाटा बदला जा सकेगा। हालांकि घर के मुखिया के नाम में संशोधन की सुविधा नहीं होगी।

यह बात शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय के बाहर झण्डीवाले पार्क में आयोजित स्व जनगणना कार्यों के शुभारंभ के मौके पर जनगणना निदेशक शीतल वर्मा ने कही। इसका शुभारम्भ नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि 7 मई से शुरू हुई स्वगणना प्रक्रिया में लोग 21 मई तक खुद अपने भवन और परिवार का विवरण ऑनलाइन भर सकेंगे। इसके बाद 22 मई से जनगणना कर्मी घर-घर जाकर सत्यापन और गणना का काम शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति से पहले कोई गलती हो गई है तो वह उसे सुधार सकता है। जनगणना कर्मी के सामने भी डाटा में बदलाव कराया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर पूरा विवरण दोबारा भरा जा सकेगा।

निदेशक जनगणना ने स्पष्ट किया कि घर के मुखिया का नाम बेहद सावधानी से भरना होगा, क्योंकि एक बार नाम दर्ज होने के बाद उसमें संशोधन संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उसी व्यक्ति का नाम मुखिया के रूप में लिखा जाए जो वास्तव में परिवार का प्रमुख है। लिंक खोलते ही लोगों को यह जानकारी मिल जाएगी कि कौन-कौन से आंकड़े भरने हैं।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कार्यक्रम में स्व जनगणना कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने मंच से खुद अपने मकान की गणना कर अभियान की शुरुआत की।

महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविन्द राव, अरुण कुमार गुप्त, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, विनय राय ने भी अपने भवनों का विवरण भरा। मंत्री ने कहा कि इस बार जनगणना में दिव्यांगों और जाति से जुड़े आंकड़े भी शामिल किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जनगणना में कोई भी गलत जानकारी न दें। गलत आंकड़े देश की विकास योजनाओं को प्रभावित करेंगे।

एलडीए की टीम पर हमला करने वालों पर एफआईआर

लखनऊ। काकोरी में शुक्रवार को अवैध निर्माण की जांच करने गई लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम पर हमला हो गया। टीम के सदस्यों के साथ अभद्रता और मारपीट की गई। इस मामले में सरकारी कार्य में बाधा डालने और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। यह घटना थाना क्षेत्र के शिवरी चौराहा (मोहान रोड) की है। प्राधिकरण को यहां बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण कार्य की शिकायत मिली थी। इसके बाद प्राधिकरण न्यायालय ने धारा-28क(1) के तहत सीलिंग के आदेश जारी किए थे।

आदेश के अनुपालन में 13 अप्रैल 2026 को संबंधित भवन को सील कर दिया गया था। इसकी निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस को सौंपी गई थी। गुरुवार को प्रवर्तन जोन-3 की टीम, जिसमें प्रदीप कुमार और पीयूष शामिल थे, सील किए गए भवन का निरीक्षण करने और मौके की फोटोग्राफी के लिए पहुंची थी। इसी दौरान निर्माण पक्ष से जुड़े लोगों ने टीम का विरोध शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार, मौके पर मौजूद निराली,

- **सील किए गए भवन का निरीक्षण करने गई थी टीम**

यशु, राहुल, शिवधर्म और अन्य लोगों ने सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्रता की और मारपीट की। आरोप है कि टीम को घेरकर धमकी दी गई कि दोबारा इलाके में आने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए सीलिंग कार्रवाई का भी विरोध किया। घटना के बाद एलडीए टीम की तहरीर पर काकोरी पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट, धमकी देने और सील तोड़ने के प्रयास सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। काकोरी में अवैध निर्माण के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए निरीक्षण करने गयी एलडीए की टीम पर निर्माणकर्ता व उसके साथियों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने कर्मचारियों को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की।

लोकतांत्रिक व्यवस्था से परिचित हुए छात्र

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। देहरादून पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कानपुर के 43 छात्र-छात्राओं एवं 8 शिक्षकों के दल ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षिक भ्रमण किया। ए स्टेप टुवर्ड्स प्रैक्टिकल लर्निंग एंड सिविक अवेयरनेस थीम के अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय परंपराओं एवं शासन प्रणाली की कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने विधानसभा भवन की ऐतिहासिक एवं स्थापत्य विशेषताओं का अवलोकन किया तथा सदन की कार्यप्रणाली, जनप्रतिनिधियों की भूमिका एवं कानून निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने विधानसभा की बैठक व्यवस्था, विभिन्न समितियों की कार्यशैली तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं को भी निकट से समझा।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट भी की। श्री महाना ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए विधानसभा की भूमिका, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संसदीय परंपराओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और विद्यार्थियों को संविधान एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जागरूक होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का संदेश भी दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशीष शुक्ला के नेतृत्व में आए शिक्षकों में अभिषेक कुमार दीक्षित, अनिल कुमार, शैलजा शुक्ला, अनीता मिश्रा, शोभित शर्मा, आकाश सिंह एवं आरना शुक्ला शामिल रहे। शिक्षकों ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों में जागरूकता, नेतृत्व क्षमता एवं नागरिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। विद्यालय प्रबंधन की ओर से कहा गया कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ना भी आवश्यक है। विद्यार्थियों ने विधानसभा भ्रमण को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं यादगार अनुभव बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

विधानसभा अध्यक्ष ने स्वगणना की प्रक्रिया पूरी की : विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने विधानसभा कार्यालय में पोर्टल पर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर स्वगणना की प्रक्रिया पूरी की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की जनगणना महानिदेशक शीतल वर्मा एवं नगर आयुक्त गौरव कुमार की उपस्थिति रही।

केजीएमयू में पांच पहले मरीजों के दिल का प्रत्यारोपण फ्री

विशेष संवाददाता (vol)

- **केजीएमयू की कार्य परिषद में हुआ निर्णय**

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में दिल के प्रत्यारोपण को शुरू करने की दिशा में शुरूआत के पांच मरीजों के दिल के प्रत्यारोपण फ्री किए जाएंगे। यह फैसला केजीएमयू कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया। केजीएमयू की कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद की अध्यक्षता में शुक्रवार को बोर्ड रूम में कार्यपरिषद की बैठक हुई। केजीएमयू के प्रवक्ता डा. केके सिंह के अनुसार केजीएमयू में दिल के प्रत्यारोपण को लेकर पूरी तैयारी है। कॉर्डियो वैस्कुलर थोरैसिक सर्जरी विभाग के पास हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए लाइसेंस है। जरूरी उपकरण व संसाधन भी हैं। डाक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ भी प्रशिक्षित हैं। ब्रेन डेड मरीज से दिल लेकर जरूरतमंद मरीज में प्रत्यारोपित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि करीब तीन महीने पहले दिल के प्रत्यारोपण की कवायद हुई थी। ट्रांसप्लांट से पहले ही मरीज का निधन हो गया था। इस वजह से ट्रांसप्लांट नहीं हो पाया था।

निजी संस्थान में दिल के प्रत्यारोपण पर करीब एक करोड़ रुपये खर्च आता है। वहीं, सरकारी में 12 से 15 लाख रुपये में प्रत्यारोपण हो सकता है। केजीएमयू में अभी दिल के प्रत्यारोपण का शुल्क तय नहीं किया गया है। उन्होंने बताया शुरूआत के पांच दिल के प्रत्यारोपण मुफ्त किए जाएंगे। मरीज से किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। केजीएमयू में शोध को बढ़ावा देने के लिए एनीमल हाउस को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित किया जाएगा। शोध में इस्तेमाल होने वाले पशु पक्षी रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि फार्माकोलॉजी विभाग में एनीमल हाउस है। इसे विकसित करने की दिशा में कवायद शुरू कर दी गई है। दवाओं पर शोध में मदद मिलेगी। अभी चूहे समेत दूसरे जानवर एनीमल हाउस में हैं। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की तमाम समस्याओं का समाधान भी किया गया है। मानकीकरण को लेकर लंबे समय से कर्मचारी मांग कर रहे थे। कार्यपरिषद ने इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है।

एक्सपो में स्वच्छ ऊर्जा, सोलर स्टोरेज व रूफटॉप सोलर पर मंथन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी एनर्जी एक्सपो के दूसरे दिन शुक्रवार को स्वच्छ ऊर्जा, सौर परियोजनाओं, बैटरी स्टोरेज और रूफटॉप सोलर के भविष्य पर व्यापक चर्चा हुई। यूपीपीएचडीसीआईआई (पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज), फर्स्ट व्यू और यूपीनेडा के सहयोग से एक्सपो आयोजित किया गया है। शुक्रवार को भारत के अगले सोलर ग्रोथ मार्केट के निर्माण की दिशा में यूटिलिटी स्केल, सोलर पार्क एवं वित्तीय मॉडल विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में बुंदेलखंड सौर ऊर्जा लिमिटेड के सीईओ ओंकार यादव ने पीएम सूर्य घर योजना सहित विभिन्न सौर योजनाओं में यूपीनेडा की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि एनएचपीसी और अन्य ऊर्जा निकायों के साथ संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से बड़े स्तर पर सोलर पार्क विकसित किए जा रहे हैं। हालांकि, कई परियोजनाओं पर एक साथ कार्य होने से चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि परियोजनाओं के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध हो जाए तो विकास कार्य और अधिक सुगम हो सकते हैं। यूपीपीसीएल के निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) दीपक रायजादा ने कहा कि बिजली की बढ़ती मांग के दौरान ग्रिड पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि दिन में उत्पादित अतिरिक्त सौर ऊर्जा को बैटरी एवं बड़े

स्टोरेज सिस्टम में सुरक्षित रखने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए ताकि पीक आवर्स में बिजली ग्रिड पर दबाव कम किया जा सके। सिगएनर्जी इंडिया के सीईओ अभिलाष बोराना ने कहा कि उनकी कंपनी भारत को स्वच्छ और अधिक कुशल ऊर्जा भविष्य की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। यूपीईआरसी के संयुक्त निदेशक अभिषेक मोजा ने कहा कि रेगुलेटर की भूमिका केवल नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि वह ऊर्जा कंपनियों और अन्य हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने का भी कार्य करता है। उन्होंने बिजली परियोजनाओं की निकासी प्रणाली की स्पष्टता को लेकर चिंता व्यक्त की। पैनल चर्चा के दौरान वक्ताओं ने उत्तर प्रदेश को सौर एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए तेजी से उभरता राज्य बताया। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि ग्राम पंचायतों जैसी विश्वसनीय संस्थाओं के माध्यम से किसानों में सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 2300 इंस्टॉलेशन किए जा रहे हैं। तकनीकी सत्रों के बाद फर्स्टव्यू ग्रुप की ओर से उत्तर प्रदेश ऊर्जा पुरस्कार एवं पीएम सूर्यघर विक्रेता (वेंडर) उत्कृष्टता पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर महेश गुप्ता (सेवानिवृत्त आईएएस), पूर्व अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग तथा अवनीश कुमार सिंह एमएलसी उपस्थित रहे।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करेगा सिगएनर्जी एआई

सिगएनर्जी भारत में अपने एंजॉय ग्रीन एनर्जी विजन के साथ एक नई ऊर्जा क्रांति लाने की तैयारी की है। अभिलाष बोराना, सीईओ, सिगएनर्जी (इंडिया) ने बताया कि भारत जैसे बाजार में, जहां पॉलिथीन ऊर्जा मांग और बिजली के टुकड़े जैसे उदाहरण मौजूद हैं, वहां एआई-सक्षम ऊर्जा प्रबंधन और बैटरी स्टोरेज समाधान बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सिगएनर्जी ने भारत के रेजिडेंसियल, एस्टीमेट एवं इंडिपेंडेंट (सी एंड आई) और यूटिलिटी प्लांट के लिए व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो तैयार किया है। डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क तैयार करने के साथ-साथ अगले साल से भारत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने की भी योजना है।

घर खरीदार पोर्टल पर सीधे दर्ज कर सकेंगे शिकायत

लखनऊ। लखनऊ घर खरीदारों और आवंटियों को राहत देते हुए ने यूपी रेरा ने प्रमोटरों और डेवलपर्स की ओर से वसूले जा रहे अवैध ट्रांसफर शुल्क के खिलाफ ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा शुरू कर दी है। अब आवंटी यूपी रेरा के आधिकारिक पोर्टल पर फॉर्म-एम के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकेंगे। संशोधित नियमों के तहत प्राधिकरण ने स्पष्ट कर दिया है कि आवंटन हस्तांतरण या उत्तराधिकार के मामलों में प्रमोटर अधिकतम कितना ट्रांसफर और प्रोसेसिंग शुल्क ले सकते हैं। यदि कोई प्रमोटर तय सीमा से अधिक शुल्क मांगता है, तो उसके खिलाफ ई-कोर्ट प्रणाली के माध्यम से शिकायत की जा सकती है। संशोधित विनियम 47(सी) के अनुसार, उत्तराधिकारी के मामलों में प्रमोटर नया बिक्री या लीज समझौता नहीं करेंगे, बल्कि मौजूदा समझौते में आवश्यक संशोधन कर रिकॉर्ड अपडेट किया जाएगा। यदि आवंटी की मृत्यु हो जाती है और उत्तराधिकारी परिवार का सदस्य है, तो प्रमोटर अधिकतम 1,000 रुपये तक ही प्रोसेसिंग शुल्क ले सकेगा। वहीं, यदि हस्तांतरण किसी गैर-पारिवारिक सदस्य को किया जाता है, तो अधिकतम 25 हजार रुपये तक प्रोसेसिंग शुल्क लिया जा सकेगा। इसके लिए मृत्यु प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र और अन्य कानूनी वारिसों की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जैसे दस्तावेज जमा करने होंगे। शिकायत के लिए 1,000 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के कर्मचारियों को वेतन न मिलने से परेशान

लखनऊ। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को विगत मार्च माह से मानदेय न मिलने के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश भर के कर्मचारी लगातार मानसिक तनाव में कार्य करने को मजबूर हैं। उत्तर प्रदेश क्षयरोग वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक संघ के अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्र ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कर्मचारियों की पीड़ा से अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि दो माह से वेतन न मिलने से कर्मचारियों के घरों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है।

केजीएमयू में एम्बुलेंस न मिलने से मरीज परेशान

लखनऊ। केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में मरीजों को दूसरे विभागों में शिफ्टिंग व जांच के लिए एम्बुलेंस तक समय पर नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। शुक्रवार को ऑपरेशन से पहले लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग में जांच के लिए रेफर किया गया। ट्रॉमा सेन्टर से मरीज को एम्बुलेंस उपलब्ध करानी थी, इसमें करीब एक घंटे का वक्त लगा। जांच न होने से मरीज का ऑपरेशन टाल दिया गया। गोसाईगंज निवासी विकास झा (35) सड़क हादसे में घायल हो गए। परिवारीजन मरीज को लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने मरीज को भर्ती कर लिया। मरीज को आर्थोपेडिक विभाग में शिफ्ट कर दिया गया। ऑपरेशन से पहले दिल की जांच कराने के लिए मरीज को लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग रेफर किया। मरीज एम्बुलेंस का एक घंटे तक इंतजार करता रहा लेकिन एम्बुलेंस नहीं आयी। समय पर टूडी ईको जांच नहीं हो सकी। ऐसे में मरीज का ऑपरेशन नहीं हो पाया। परिजनों ने बताया कि लारी में समय गुजर जाने के कारण मरीज की जांच नहीं हो सकी। वहीं ट्रामा सेन्टर के पीआरओ के अनुसार पहले की जांच करने के बाद उत्तर दे पाएंगे।

कैंसर संस्थान से 19 करोड़ का बजट वापस

लखनऊ। चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में उपकरणों और फर्नीचर की खरीद के लिए 9 अक्टूबर 2025 को जारी 19 करोड़ रुपये का बजट छह माह तक इस्तेमाल न होने के कारण वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर वापस लौट गया। मरीजों के हितों से जुड़ी इस गंभीर चूक पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने तीखे सवाल किए हैं। शासन ने न केवल टेंडर प्रक्रिया में हुई लेटलतीफी पर जवाब मांगा है, बल्कि जेम पोर्टल के नियमों को दरकिनार कर 'कस्टम बिड' लगाए जाने पर भी रिपोर्ट तलब की है। 22 अप्रैल को भेजे गए नोटिस का 15 दिन बाद भी कोई जवाब न मिलने पर संयुक्त सचिव आनंद कुमार त्रिपाठी ने 7 मई को दोबारा पत्र भेजकर कड़ा स्पष्टीकरण मांगा है। बार-बार रिमाइंडर और शासन की सख्ती के बाद अब संस्थान के गलियारों में खलबली मची हुई है।

अल्फा शिक्षण पद्धति से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी में व्यापक सुधार संभव : डॉ. दिनेश शर्मा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सीएमएस के कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेन्टर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन लीडरशिप सर्किल-5 का शुक्रवार को शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में संदीप सिंह ने कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विद्यालयों को अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति एवं पाथ वे ऑफ लर्निंग जैसी नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना चाहिए, जिससे शिक्षा उद्देश्यपूर्ण, सक्रिय, परिवर्तनकारी एवं समग्र बन सके। उन्होंने देवी संस्थान की संस्थापक डॉ. सुनीता गांधी एवं उनकी माता डॉ. भारती गांधी, जो इस कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक एवं सीएमएस की संस्थापक हैं, द्वारा प्रदान किये जा रहे शैक्षिक नेतृत्व की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश)

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षण पद्धतियां वर्तमान शताब्दी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं। आज की पीढ़ी को अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं खोजने तथा विश्व को उपलब्धियों, प्रगति एवं नवाचार के नये युग की ओर ले जाने के लिए सक्षम बनाना होगा। वैज्ञानिक सोच के साथ-साथ कला एवं संस्कृति, कल्पनाशीलता, साहसिक पहल तथा नवाचार को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। साथ ही, शिक्षा मूल्यपरक, बाल-केंद्रित एवं मानवीय दृष्टिकोण वाली होनी चाहिए।

आविर्भाव दिवस पर एकेटीयू के छात्रों ने दिखायी प्रतिभा

रंगोली में दिखी डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की आभा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का आविर्भाव दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम और छात्रों के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में शुरूआत पौधरोपण से हुई।

आविर्भाव दिवस को मनाते हुए छात्रों के बीच रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज, फॉमेर्सी, मैनेजमेंट के छात्रों ने विभिन्न रंगों के संयोजन से विश्वविद्यालय को आकार दिया। विश्वविद्यालय का आइकॉनिक भवन रंगोली का हिस्सा बना। रंगोली में छात्रों की कलात्मक क्षमता देखने को मिली। इसके बाद छात्र-छात्राओं के बीच खेल

प्रतियोगिता के तहत चेस और कैरम हुआ। जिसमें विभिन्न विषयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा, तकनीकी क्विज, निबंध, भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नाटक, गायन, नृत्य प्रस्तुतिकरण भी किया गया। एफओएपी, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज, फॉर्मेसी एवं मैनेजमेंट के छात्रों ने सामाजिक संदेश देने वाले नाटक, समूह नृत्य, एकल गायन की शानदार और मनमोहक प्रस्तुति दी। इस मौके पर इंट्रा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स टूनामेंट के विजेता और उपविजेता टीम को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अपने 26 वर्षों की यात्रा में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में एक नई पहचान स्थापित किया है। इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में तकनीकी तेजी से बदल रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में नियुक्तियों को लेकर विवाद आया सामने

कर्मचारी परिषद ने सही नियुक्ति पत्र देने के लिए आंदोलन करने की भरी हुंकार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र वितरण के साथ ही नियुक्तियों को लेकर विवाद भी सामने आ गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शुक्रवार को मंथन हॉल में 11 चतुर्थ श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी के मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र सौंपे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे पारदर्शी और मानवीय पहल बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय इतिहास में पहली बार कुलपति ने स्वयं नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं। दूसरी तरफ, लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद ने विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले पर आपत्ति जतायी है। परिषद का आरोप है कि जिन मृतक आश्रितों को उनकी शैक्षिक योग्यता के आधार पर तृतीय श्रेणी पद पर नियुक्त किया जाना चाहिए था, उन्हें चतुर्थ श्रेणी में सेवायोजित किया गया। परिषद के अनुसार मृतक आश्रित नियोजन समिति ने कई अभ्यर्थियों को कनिष्ठ सहायक पद पर नियुक्त करने की संस्तुति दी थी, लेकिन प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव और महामंत्री संजय शुक्ल ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आज जारी आदेश में 11 मृतक आश्रितों को सेवायोजित किए जाने के आदेश में 8 मृतक आश्रितों को चतुर्थ श्रेणी के पद पर सेवायोजित किए जाने का आदेश जारी किया गया है, जिनको पूर्व में मृतक आश्रित नियोजन समिति द्वारा तृतीय श्रेणी के पद पर सेवायोजित किए जाने की संस्तुति प्रदान की गई थी। जो अत्यंत ही खेदजनक और संबंधित मृतक आश्रितों के भविष्य को अंधकारमय करने वाला है। यह मृतक आश्रितों का नियोजन मृतक आश्रित सेवा नियमावली 1974 (यथा संशोधित -2014) एवं उ.प्र. शासन कार्मिक अनुभाग-2 द्वारा जारी अधिसूचना संख्याः 01/2025/6/12/13/ 141/ 47-का-2-2024/टीसी चतुर्थ (क्क) 29 सितम्बर, 2025 में वार्णित प्रविधानों के अन्तर्गत किया गया है। जिसमें स्पष्ट उल्लेख है कि यह नियमावली जारी होने की तिथि से लागू होगी।

बता दें कि आज जारी आदेश में धीरज सिंह, अर्जित तिवारी, मनीष कश्यप, वली हैदर, विपिन कुमार मिश्रा, संकल्प शीर्ष, अनुपम सिंह, कुलदीप कश्यप, प्रदीप श्रीवास्तव आदि के पिता/अभिभावक कर्मचारी की मृत्यु इस नियमावली के जारी होने से पूर्व हुई थी और इन्ही कर्मचारियों के साथ मृत दो मृतक आश्रितों की नियुक्ति मृत सरकारी सेवा भर्ती नियमावली-1974 (वथा सशोधित-2014) उत्तर प्रदेश सरकार कार्मिक अनुभाग-2 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 6/12/73-2/2022 टीसी-(1) दिनांक 27 दिसम्बर 2022 में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत शैक्षिक योग्यता के अनुरूप अनिता राव एवं तनीशा गौड़ की नियुक्ति कनिष्ठ सहायक के पद पर प्रदान की गयी है। इन कर्मचारियों में धीरज सिंह प्रशासन के इस कर्मचारी विरोधी निर्णय के विरूद्ध उच्च न्यायालय में वाद दाखिल कर चुके है, जिसकी सुनवाई आगामी 12 मई को होनी है।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस सम्बन्ध में पूर्व कुलपति द्वारा गठित समिति द्वारा इन कर्मचारियों के नियुक्ति दिनांक 27 दिसम्बर 2022 को जारी मृतक आश्रित सेवा नियमावली में वर्णित प्राविधानों एवं विधिक अभिमत के आलोक में शैक्षिक योग्यता के अनुरूप कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति करने की संस्तुति प्रदान की गयी थी। लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद प्रशासन के इस कर्मचारी विरोधी निर्णय की निंदा और प्रशासन के साथ मिलकर कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले सत्तालोलूप कर्मचारी नेताओं की घोर भर्त्सना करता है। जो कर्मचारी विरोधी निर्णय के लिए प्रशासन की जय जयकार कर रहें है। कर्मचारी परिषद इनके भविष्य को बचाने के लिये संघर्ष करेगा।

कुलपति ने 12 मृतक आश्रितों को दिये नियुक्ति पत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शुक्रवार को 11 चतुर्थ श्रेणी और एक तृतीय श्रेणी के मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र दिये। लविवि प्रशासन के अनुसार इन नियुक्तियों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मृतक आश्रितों के आवेदन कई वर्षों से लंबित थे। लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को आज न्याय मिला और उनकी पीड़ा का समाधान हुआ। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में वली अहमद (2018), आर्यन कश्यप (2023), अर्जित तिवारी (2024), विपिन कुमार मिश्रा (2024), कुलदीप कश्यप (2022), शिव वाल्मीकि (2025), प्रदीप श्रीवास्तव (2025), तुषार कुमार (2025), अनुपम सिंह (2025), मनीष कश्यप, संकल्प शीर्ष और अनुपम सिंह शामिल हैं। कुलपति प्रो. सैनी ने नियुक्ति पत्र देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील है। मृतक आश्रितों को समय पर अवसर देना हमारी जिम्मेदारी है। यह कदम संस्थान की कार्य संस्कृति को और अधिक मानवीय बनाता है तथा कर्मचारियों में विश्वास और आत्मीयता को मजबूत करता है। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, सभी सहायक कुलसचिव, उपकुलसचिव, लूटा अध्यक्ष प्रो. अनित्य गौरव, महामंत्री प्रो. राम मिलन, समस्त संकायों के डीन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर टीबी मरीजों को गोद लिया

लखनऊ। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा की ओर से शुकव्रार को रेड क्रॉस भवन, कैसरबाग में विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन मानवता में एकता थीम के अंतर्गत उत्साह एवं मानव सेवा की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में करुणा, एकता, स्वैच्छिक सेवा तथा मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रेड क्रॉस आंदोलन के संस्थापक हेनरी ड्यूनेंट के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वक्ताओं ने उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि युद्ध पीड़ितों की पीड़ा को देखकर उनके मन में मानव सेवा का भाव जागृत हुआ, जिससे अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन की स्थापना हुई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है और मानव सेवा सबसे बड़ा कर्तव्य। संस्था द्वारा आपदा राहत, रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता,

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्य लगातार किए जा रहे हैं। कार्यकारिणी समिति सदस्य अनुराग मिश्रा ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था प्राकृतिक आपदाओं, चिकित्सीय आपात स्थितियों एवं सामाजिक संकटों के समय सदैव अग्रणी भूमिका निभाती रही है। वहीं कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता ने संस्था की विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी दी। चेयरमैन ओ. पी. पाठक ने रेड क्रॉस आंदोलन के इतिहास एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते डाला। उप सभापति प्रदेश रेड क्रॉस एवं सचिव लखनऊ जिला शाखा अमरनाथ मिश्रा ने कहा कि समय पर दिया गया फर्स्ट एड कई लोगों का जीवन बचा सकता है।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

बिना सुरक्षा उपकरण के सफाई कर रहे दो मजदूरों की मौत

खबर मिलते ही परिवार में मचा कोहराम, गांव व क्षेत्र में पसरा सन्नाटा

विशेष संवाददाता (vol)

माल-लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर सेप्टिक टैंक की सफाई कर रहे दो मजदूरों की जहरीली गैस से मौत हो गई। पहले एक मजूदर टैंक के अंदर सफाई करने के लिए उतरा। जब काफी देर तक उसकी ओर से कोई आवाज या हलचल नहीं हुई, तो दूसरा मजदूर उसे देखने के लिए टैंक में चला गया। इसके बाद दोनों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम और ग्रामीणों की मदद से दोनों मजदूरों को अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर माल थाना क्षेत्र के नवीपनाह गांव की है। दोनों मजदूरों की पहचान नवीनपनाह गांव के रिंकू और राजेश के रूप में हुई। दोनों मजदूर सेप्टिक टैंक में बेहोशी की हालत में मिले। पुलिस ने मदद से दोनों मजदूरों को सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी के डॉक्टरों ने दोनों मजदूरों को मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि नवीनपनाह गांव के मयंक सिंह के यहां नया सेप्टिक टैंक बना है। शुक्रवार को गांव के ही रिंकू (35) और राजेश (33) सेप्टिक टैंक की सफाई कर रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे रिंकू पहले सेप्टिक टैंक में नीचे गया। करीब 20 मिनट तक अंदर से कोई आवाज या हलचल नहीं हुई तो राजेश उसे देखने के लिए नीचे उतरा। 10 मिनट बाद अंदर से कोई आवाज और हलचल न आने पर मयंक के परिजन और आसपास के लोगों को अनहोनी की आशंका हुई।

सेप्टिक टैंक में दोनों मजदूरों के उतरने के बाद अंदर से कोई आवाज और हलचल नहीं हुई तो काम करा रहा परिवार और आसपास के लोग अनहोनी की आशंका से डर गए। डर की वजह से कोई भी रेस्क्यू के लिए नीचे नहीं उतरा, हालांकि पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से उन्हें अचेत अवस्था में बाहर निकाला। रिंकू के परिवार में पत्नी और राजेश के परिवार में मां-बाप, पत्नी और 2 बच्चे हैं। इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद ने बताया कि सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत हुई है। आशंका है कि टैंक में कोई जहरीली गैस थी, जिसके चलते दोनों मजदूरों की जान चली गई।

सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान बातों का रखें ध्यान : सेप्टिक टैंक की मैनुअल तरीके से सफाई या किसी अन्य कारण से खोलने पर ढक्कन हटाने के बाद करीब आधा घंटा तक इंतजार करना चाहिए। जहरीली गैस है या नहीं, इसकी जांच करने के लिए माचिस की जलती हुई तीली डालकर देखना चाहिए। अगर आग लग जाए तो समझ लें गैस है। मैनहोल को खुला छोड़ने के बाद उसमें पानी का छिड़काव करना चाहिए। टॉर्च लेना जाना भी जरूरी है। सफाई के लिए उतरे कर्मचारी मुंह पर आक्सीजन मास्क और सेफ्टी बेल्ट जरूर लगाएं।

हाईकोर्ट ने विशेष सचिव को किया तलब

- यूपी एक्स-रे टेक्नीशियन सर्विस रूल्स-2024 को बनाने की क्या प्रकिया थी

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ ने यूपी एक्स-रे टेक्नीशियन सर्विस रूल्स-2024 के गठन की प्रक्रिया पर विस्तृत अभिलेख तलब किए हैं। साथ ही कोर्ट ने कार्मिक विभाग के विषेश सचिव या उससे उच्च स्तर के एक अधिकारी को भी तलब किया है। मामले की अगली सुनवायी 13 मई को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति के एस पवार की एकल पीठ ने दिवाकर सिंह की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। सुनवाई के दौरान चिकित्सा स्वास्थ्य एवं सेवा विभाग में तैनात संयुक्त निदेशक सुनील कुमार वर्मा व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित हुए। राज्य सरकार की ओर से पेश अभिलेखों के आधार पर सरकारी अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि वर्ष 2019 में पारित आदेश के अनुपालन में 10 मई 2020 को निर्णय लिया गया था और उसी के तहत नियम बनाए गए।

हालांकि कोर्ट ने पाया कि उपस्थित अधिकारी नियमावली बनाए जाने की पूरी प्रक्रिया से अवगत नहीं हैं। न तो अधिकारी और न ही सरकारी अधिवक्ता यह स्पष्ट कर सके कि नियम बनाते समय किस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई गई। इस पर अदालत ने दो दिन का समय देते हुए निर्देश दिया कि अगली सुनवाई पर कार्मिक विभाग का विशेष सचिव स्तर का अधिकारी समस्त अभिलेखों के साथ उपस्थित हो।

हाईकोर्ट ने अग्रिम नियुक्तियों पर लगायी अंतरिम रोक

- आरओ - एआरओ परीक्षा-2023 में आरक्षण विवाद का मामला

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आरओ - एआरओ भर्ती परीक्षा 2023 में आरक्षण लागू किए जाने को लेकर विवाद मामले अगली सुनवायी तक नई नियुक्तियाँ किए जाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवायी 12 मई को नियत किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने विवेक यादव व अन्य की ओर से दाखिल विशेष अपील पर शुक्रवार को पारित किया है। उक्त अपील में एकल पीठ के 1 फरवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें अपीलार्थियों की याचिका पर उन्हें अंतरिम राहत देने से इंकार कर दिया गया था। अपीलार्थियों की ओर से अधिवक्ता आलोक मिश्रा ने दलील दी कि अपीलार्थी ओबीसी वर्ग से हैं जिन्हें प्रारम्भिक परीक्षा में जो अंक मिले, वे सामान्य श्रेणी से मुख्य परीक्षा के लिए चयनित कम से कम 25 अभ्यर्थियों से अधिक थे। इसके बावजूद अपीलार्थियों को प्रारम्भिक परीक्षा में असफल घोषित कर दिया गया। वहीं याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार व यूपी लोक सेवा आयोग ने कोर्ट को बताया कि उक्त भर्ती परीक्षा के तहत अधिकांश सफल अभ्यर्थियों को नियुक्तियाँ मिल चुकी हैं।

नाली में पड़ा मिला सोफा कारीगर का शव

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में गुरुवार की रात भेड़हन खेडा गांव के पास शराब ठेके के पास एक नाले में सोफा कारीगर का शव मिला। सब्जी बेच कर लौट रहे भाई ने नाले ने शव देख कर घर वालो को सूचना दी। फिर उसे निकाल कर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक सुशांत को सिटी स्थित भेड़हन खेड़ा का रहने वाला पिंटू गौतम (27) पीजीआई स्थित नरपतगंज में सोफे दुकान पर सोफा बनाने का काम करता था।

डेढ़ किलो अफीम के साथ गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 1.426 किलो अफीम बरामद की। आरोपी कई राज्यों में अफीम की सप्लाई करता था और एक किलो के बदले लाखों रुपये वसूलता था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरोह के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। आरोपी को मोहनलालगंज क्षेत्र में राधा स्वामी सत्संग आश्रम से लखनऊ की ओर माधवखेड़ा हनुमान मंदिर के पास पकड़ा गया। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

सड़क किनारे लेटे कुत्ते पर कार चढ़ायी

लखनऊ। रायबरेली रोड स्थित कृष्ण विहार कॉलोनी में एक कार चालक की संवेदनहीनता का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में लाल रंग की कार सड़क किनारे लेटे कुत्ते के ऊपर चढ़ती दिखाई दे रही है। कुत्ता तड़पने लगता है, लेकिन आरोप है कि चालक ने कार रोकने के बाद दोबारा उसी कुत्ते के ऊपर कार चढ़ा दी। कुत्ते के साथ निर्दयता को लेकर क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो देखने के बाद लोगों ने इसे जानबूझकर की गई हरकत बताया है। इस मामले में मासूम फाउंडेशन पशु की डायरेक्टर नेहा जैदी ने पीजीआई थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

छात्राओं व महिलाओं को किया जागरूक

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस टीम ने जागरूकता अभियान चलाकर छात्राओं और महिलाओं को सुरक्षा, कानून और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी। अभियान के दौरान राजकीय सैनिक स्कूल में पहुंची पुलिस टीम ने महिला हेल्पलाइन और सुरक्षा सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। महिला उपनिरीक्षक साधना, उपनिरीक्षक यशवंत सिंह, महिला आरक्षी सविता देवी और सुनीता यादव सहित एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें महिला सुरक्षा से जुड़े अधिकारों के प्रति जागरूक किया। टीम ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं बिना डर 1090, 112, 181, 1076, 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल सहायता ले सकती हैं।

दुकान पर सामान लेने गये युवक पर हमला

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में दुकान पर सामान लेने गए युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने चार लोगों पर धक्का देकर गिराने, डंडों और घूसों से पिटाई करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में थाना बिजनौर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। रहिमाबाद निवासी बाबू लाल रावत पुत्र स्वर्गीय मोहन लाल रावत के अनुसार, वह 6 मई 2026 की रात करीब 9 बजे राठौर जनरल स्टोर पर सामान लेने गए थे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद संचीत यादव उर्फ गोलू, शनि यादव, मनीष कनौजिया और आदित्य कनौजिया ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया और मारा पीटा।

सवारी के विवाद में ऑटो चालक ने किया हमला

लखनऊ। मानकनगर स्थित आरके मैरिज लॉन के पास सवारी के विवाद में दबंग ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक पर चाकू से हमला कर दिया। ताबड़तोड़ वार सीने व हाथ पर लगने से चालक खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ऑटो लेकर भाग निकला। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मानकनगर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पारा के बुद्धेश्वर निवासी 20 वर्षीय शाबान ऑटो चालक है। 7 मई की शाम वे सिंगारनगर स्थित आरके मैरिज लॉन के पास ऑटो में सवारी भर रहा था। इसी दौरान वहां एक ऑटो (यूपी 32 एक्सएन 6041) आया और सवारियां अपने ऑटो में बैठाने लगा। इसी बात पर उनके बीच विवाद हो गया। बात बढ़ने पर ऑटो चालक सूरज ने चाकू निकालकर शाबान पर ताबड़तोड़ वार कर दिया।

बैंक मैनेजर से 5.73 लाख की ठगी का आरोप

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बैंक मैनेजर से लाखों रुपये की ठगी और हीरे जड़ित सोने की अंगूठी हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने डीसीपी दक्षिणी और बिजनौर थाने में तहरीर देकर सौरभ सोनकर के खिलाफ 5.73 लाख की धोखाधडी का मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मन्दाकिनी इनक्लेव, गोल्फ सिटी रोड निवासी सौरभ सोनकर, जो कि इण्डियन ओवरसीज बैंक की बिजनौर रोड शाखा में बैंक मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, ने आरोप लगाया है कि बैंक में खाता होने के कारण उनकी पहचान सरोजनीनगर क्षेत्र निवासी सुनील कुमार वर्मा से हुई थी। तहरीर के अनुसार, सुनील कुमार वर्मा ने अलग-अलग जरूरतों का हवाला देकर सौरभ सोनकर से कुल 5 लाख 73 हजार 50 रुपये उधार ले लिए। पीड़ित का आरोप है कि तीन माह बीत जाने के बाद भी आरोपी ने न तो अंगूठी लौटाई और न ही उधार की रकम वापस की। मांगने पर वह लगातार बहाने बनाता रहा और अब फरार हो गया है।

जीएसटी पंजीकरण का झांसा दे 13 लाख ठगे

लखनऊ। जीएसटी पंजीकरण का झांसा देकर जालसाज ने व्यापारी का झांसा देकर 13.02 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने सीए बनकर पीड़ित को फंसाया। रुपये लेकर जाली रसीदें थमा दी। फजीवाड़े की जानकारी होने पर पीड़ित ने विरोध कर रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने गाली-गलौज कर धमकाया। विभूतिखंड पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मूल रूप से चंदौली निवासी व्यवसायी अंकित कुमार ऐशबाग के मालवीयनगर में रहते हैं। उनकी मुलाकात दिग्विजय ठाकुर निवासी ग्राम मैडी सैय्यद राजा चन्दौली ने खुद को चाटर्ड अकाउंटेंट बताया था और जीएसटी पंजीकरण कराने का वादा किया था।

कार की ठोकर से मामा की मौत, भांजे की हालत नाजुक

- दोनों साइकिल से लौट रहे थे घर, कार चालक फरार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार मामा-भांजे को टक्कर मार दी। हादसे में मामा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भांजा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान कल्याणपुर निवासी रामू कुमार (45) कुमार के रूप में हुई। वह अपने भांजे विजय के साथ गुरुवार रात किसान पथ के पास स्थित एक लॉन से काम खत्म कर साइकिल से घर लौट रहे थे। दोनों वेटर का काम करते थे। तड़के करीब 3 बजे बीकेटी इलाके में किसान पथ के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने साइकिल में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि रामू कुमार सड़क पर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। भांजा विजय उछलकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को लोहिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मृतक रामू कुमार की पत्नी का नाम रामा है। परिवार में चार बेटियां और दो बेटे हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का क्षत-विक्षत शव

लखनऊ। मलिहाबाद के मुजासा फाटक और महमूद नगर रेलवे फाटक के बीच गुरुवार देर रात रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान राजाजीपुरम निवासी राहुल निगम (24) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि लखनऊ से मलिहाबाद जाने वाली रेलवे लाइन पर पोल संख्या 1095/7 और 1095/9 के बीच एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक का शव नग्न अवस्था में रेलवे ट्रैक पर पड़ा था। उसका सिर पूरी तरह कटकर क्षत-विक्षत हो चुका था, जबकि शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। रेलवे ट्रैक से कुछ दूरी पर मृतक का कटा हुआ पैर भी बरामद हुआ।

घटनास्थल के पास आम की नर्सरी के निकट बनी एक झोपड़ी की तलाशी लेने पर पुलिस को तख्त पर रखी काले-हरे रंग की पॉलिथीन मिली, जिसमें मृतक के कपड़े, मोबाइल फोन और घड़ी सुरक्षित रखे थे। तख्त के नीचे जूते और पास में बिना ढक्कन का टिफिन भी बरामद हुआ।

सड़क हादसे में युवक की मौत, साथी घायल

लखनऊ। बीबीडी थाना क्षेत्र में जुग्गौर हाईवे पर गुरुवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि बीबीडी के जुग्गौर गांव के निवासी रमेश यादव के बेटे सुमित कुमार यादव (25) अपने साथी उमेश यादव के साथ गुरुवार रात करीब 9 बजे बाइक से घर लौट रहा था। उसी दौरान जुग्गौर हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सुमित को मृत घोषित कर दिया। उमेश यादव का इलाज चल रहा है। मृतक के भाई पवन कुमार यादव ने बताया कि सुमित पेंटिंग का काम करता था। परिवार में पिता रमेश यादव और तीन भाई हैं।

मिशन वात्सल्य की धनराशि जारी करने में देरी पर हाईकोर्ट नाराज

- कहा, बच्चों से जुड़े मामलों में तात्कालिक समाधान नहीं, स्थायी व्यवस्था जरूरी

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बाल गृहों को मिशन वात्सल्य योजना के तहतधनराशि जारी करने में लगातार हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की है। न्यायालय नेकहा कि बच्चों के कल्याण जैसे संवेदनशील विषयों में न तो तत्परता दिखाई जा रही हैऔर न ही समयबद्ध व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिससे अंततः सबसेअधिक नुकसान इन गृहों में रह रहे बच्चों को उठाना पड़ रहा है। मामले की सुनवायी 27 मई की तिथि नियत की है।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्तिजसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश वर्ष 2008 में अनूप गुप्ता शीर्षक से दर्ज एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।बाल गृहों के बच्चों के हित से जुड़ी उक्त याचिका पर यह पीठ सुनवाई कर रही है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर सेबताया गया कि दृष्टि सामाजिक संस्थान को मिलने वाली एक करोड़रुपये की सहायता प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड की बैठक के बाद ही जारी की जा सकेगी, यहबैठक पहले 27 अप्रैल को प्रस्तावित थी, जिसे अब 12 मई तक स्थगित करदिया गया है। सुनवाई के दौरान न्यायालय को बताया गया कि स्पर्श योजना के तहत नई वित्तीय व्यवस्था लागू की गई है, जिसके अंतर्गत पहले केंद्रीय स्तर पर एकल साइबर ट्रेजरी केमाध्यम से भुगतान किया जा रहा था।

इस पर न्यायालय ने टिप्पणी की कि जब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से शुरू हो चुकाहै, तो बोर्ड की बैठक उससे पहले हो जानी चाहिए थी। न्यायालय नेकहा कि यदि बच्चों के कल्याण हेतु निर्धारित धनराशि समय पर जारी नहीं होती, तो योजना का उद्देश्य ही विफल हो जाता है। न्यायालय नेविशेष रूप से यह भी दर्ज किया कि संस्था संचालक को बच्चों की देखभाल जारी रखने केलिए बाजार से कर्ज लेना पड़ रहा है और अब कर्ज देने वाले भी सहयोग करने कोतैयार नहीं हैं। न्यायालय ने केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय कोनिर्देश दिया है कि भविष्य में बोर्ड बैठकों का आयोजन समय से पहले सुनिश्चित कियाजाए।

स्मृति द्वार पर गलत नाम अंकित करने का आरोप, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में महाराजा मल्हीय सिंह अर्कवंशी की ऐतिहासिक पहचान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शुक्रवार को अखिल भारतीय अर्कवंशी क्षत्रिय महासंघ/ट्रस्ट के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने स्मृति द्वार पर गलत नाम अंकित किए जाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी सिंह अर्कवंशी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मलिहाबाद तहसील के मोहान रोड स्थित महाराजा मल्हीय सिंह अर्कवंशी स्मृति द्वार पर ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर गलत नाम अंकित किया गया है। इसी विवाद के चलते 22 अप्रैल की रात स्मृति द्वार को हटा दिया गया था। इसके बाद 25 अप्रैल से पासी समाज के लोगों ने मलिहाबाद विधायक जयदेवी, सुहेलदेव आर्मी और लखन आर्मी सहित विभिन्न संगठनों के साथ अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया था। प्रशासन द्वारा 30 अप्रैल को पुनः बोर्ड लगाए जाने के बाद धरना समाप्त हुआ था।

इसी मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को अर्कवंशी समाज के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन एसडीएम अंकित कुमार को सौंपा। ज्ञापन में विवादित स्मृति द्वार को हटाकर सही ऐतिहासिक पहचान के साथ नया स्मृति द्वार स्थापित कराने की मांग की गई। साथ ही दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान अर्कवंशी समाज के लोगों ने नारेबाजी की और कुछ देर के लिए मोहान मार्ग जाम कर दिया। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों ने समझा-बुझाकर मार्ग खुलवाया। प्रदर्शन कई घंटे तक चला, जिसके बाद प्रशासन के आश्वासन पर प्रदर्शनकारी शांत हुए।

समीक्षा बैठक में डीजीपी ने मातहतों के कसे पेंच

- कहा जन शिकायतों व आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण, विवेचनाओं के समयबद्ध निष्पादन, जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट (जेडएफडी) व सी-आरटीसी अभियान का कड़ाई से हो पालन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण ने प्रदेश के समस्त जोनल अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस आयुक्त, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उप महानिरीक्षक तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक (प्रभारी जनपद) के साथ ऑनलाइन माध्यम से उच्चस्तरीय अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य रूप से जन शिकायतों एवं आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण, विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन, जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट (जेडएफडी) व सी-आरटीसी अभियान, डूबने से होने वाली दुर्घटनाओं, ई-सम्मन व ई-साक्ष्य के प्रभावी उपयोग तथा अन्य महत्वपूर्ण कानून-व्यवस्था से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

डीजीपी ने क्राइम इन इंडिया 2024 की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश के सकारात्मक परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक अपराध शीर्षक में बेहतर प्रदर्शन अधिकारियों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत एवं समर्पण का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम इसी लगन और परिश्रम के साथ कार्य करती रहेगी, जिससे भविष्य में भी इसी प्रकार के उत्साहजनक परिणाम सामने आते रहें।

अपराध गोष्ठी के मुख्य बिंदु

* पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा जन शिकायतों एवं आईजीआरएस प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए थाना एवं चौकी स्तर पर प्रभावी जनसुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा संवेदनशील घटनाओं में त्वरित कार्रवाई, तथ्यात्मक एवं समयबद्ध मीडिया ब्रीफिंग तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रभावी पर्यवेक्षण करने पर विशेष बल दिया।

* नव नियुक्त 60,000 आरक्षियों का बीट पुलिसिंग, फुट पेट्रोलिंग एवं जन संवाद में अधिकतम उपयोग करने तथा उनके व्यवहारिक प्रशिक्षण, आवास एवं मेस व्यवस्था की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए गए।

* सोशल मीडिया के माध्यम से सीमा पार से युवाओं को दुष्प्रेरित करने वाले आपराधिक नेटवर्क के साथ ही जातिगत वैमनस्यता फैलाने वालों पर सतर्क निगरानी रखने को निर्देशित किया।

* गोकशी, गो-तस्करी, हत्या एवं लूट जैसी गंभीर अपराध की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाने तथा बीट सूचना प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया।

आईपीएल के फर्जी टिकट बेचने वाले चार गिरफ्तार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। आईपीएल का फर्जी टिकट बेचने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से फर्जी मैच टिकट, मोबाइल फोन, ऑनलाइन लेन-देन से संबंधित डिजिटल साक्ष्य एवं घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्त छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी हैं, जो संगठित तरीके से विभिन्न राज्यों में जाकर फर्जी टिकट बेचने का कार्य करते थे। अभियुक्तों द्वारा सोशल मीडिया से ओरिजनल टिकट की फोटो प्राप्त कर 'कोरल ड्रा' एप्लीकेशन के माध्यम से फर्जी टिकट तैयार किये जाते थे।

गिरोह द्वारा असली टिकट की तरह दिखने वाले टिकटों को डिजाइन एवं एडिट कर आमजन को ऊंचे दामों पर बेचा जाता था। गिरोह द्वारा चैट जीपीटी की सहायता से टिकट की साइज एवं पेपर क्वालिटी की जानकारी प्राप्त कर टिकटों को असली जैसा स्वरूप दिया गया। अभियुक्तों द्वारा दर्शकों को असली टिकट बताकर यूपीआई के माध्यम से रुपये प्राप्त किये जाते थे।

अभियुक्तों के कब्जे से फर्जी आईपीएल टिकट, मोबाइल फोन, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन से संबंधित विवरण एवं घटना में प्रयुक्त रिट्ज कार बरामद की गयी है। अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया गया कि इससे पूर्व भी वे दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर मैचों के दौरान टिकट बिक्री के लिए जा चुके हैं। साइबर सेल लखनऊ व थाना सुशांत गोल्फ सिटी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरोह का खुलासा कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्त में आये श्रीकान्त बोरकर (30) पुत्र तुलसीदास बोरकर निवासी 3/35 स्पार्क नगर रिशाली साईं मंदिर चौक थाना नैवई जनपद दुर्ग, छत्तीसगढ़ का कार वॉशिंग व्यवसाय एवं डिजाइनिंग कार्य, शैक्षिक योग्यता स्नातक है। इसी तरह नूतन कुमार साहू (28) पुत्र पारस नाथ साहू निवासी मकान संख्या 58 मरौदा रिशाली थाना नैवई जनपद दुर्ग, छत्तीसगढ़ पेशे से आर्किटेक्ट/डिजाइनर, शैक्षिक योग्यता - सिविल पॉलिटेक्निक है।

राजेन्द्र चौधरी (29) पुत्र स्व0 आधारीलाल चौधरी निवासी 111 मौहारी मरोदा थाना नेवई जनपद दुर्ग, छत्तीसगढ़ पेशे से कार वॉशिंग व्यवसाय, शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट है और विश्वजीत साहू (22) पुत्र विजय साहू निवासी 98 मौधरी मरोदा थाना नेवई जनपद दुर्ग, छत्तीसगढ़ डिजाइनिंग वर्क से जुड़ा है। इसके अलावा फर्जी टिकट एडिटिंग का कार्य करता था। उसकी शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट है।

अधिवक्ता ने गोली मारकर की आत्महत्या

लखनऊ। अलीगंज थाना क्षेत्र में वकील ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अलीगंज इंस्पेक्टर ध्रुव कुमार के अनुसार मामला रात करीब 10:30 बजेका है, जब पुलिस कंट्रोल रूम में अलीगंज सेक्टर-ई निवासी शालिनी सिंह ने सूचना दी कि उनके भाई शैलेंद्र प्रताप सिंह (40) ने खुद को गोली मार ली है। मौके पर पहुंचने पर शैलेंद्र खून से लथपथ पड़े मिले।

जांच में पता चला है कि बृहस्पतिवार रात अधिवक्ता शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कनपटी से पिस्टल सटाकर खुद को गोली मार ली, जिसे मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य जुटाए। इंस्पेक्टर ने बताया कि परिजनों के अनुसार शैलेंद्र की करीब दो वर्ष पहले शादी हुई थी।

टहलने निकली बुजुर्ग महिला को कुत्तों के झुंड ने नोचा

लखनऊ। राजधानी में नगर निगम की लापरवाही के चलते शहर में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर में आये दिन स्ट्रीट कुत्ते आने जाने वालों को अपना शिकार बनाकर घायल कर रहे है जबकि स्ट्रीट कुत्तों के काटने से कई लोगों की मौत भी हो चुकी है।

शुक्रवार की सुबह राजाजीपुरम एफ ब्लाक 3437 निवासी बुजुर्ग महिला मीना सक्सेना 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला रोज की तरह सुबह टहलने निकली जब वह एफ ब्लाक पानी टंकी के पास पहुंची तभी अचानक से आवारा कुत्तों के झुंड में से एक ने पीछे से हमला कर दिया, जिससे वह नीचे गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई, तभी क्षेत्रीय नागरिकों व राहगीरों ने उन्हें उठाया। 108 एम्बोलेन्स से रानी लक्ष्मीबाई चिकित्सालय भिजवाया। इमरजेन्सी में चिकित्साधिकारी डा० आर एस सेंगर ने दाहिने पैर की जाघ पर गहरे घाव के कारण अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण डाक्टर ने रक्तस्राव को रोकने के लिए एक इंजेक्शन लगाकर उक्त महिला को थर्ड डिग्री जख्त होने पर ट्रामा सेंटर के लिए रिफर कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन ट्रामा सेंटर पहुंचे।

अपने किरदार के लिए जौनपुर की भाषा सीखना था चैलेंजिंग : रिंकू धवन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। जल्द ही ऑल राइट टीवी पर आने वाले शो डॉन ऑफ जौनपुर सीजन 2 को लेकर शो की एक्ट्रेस रिंकू धवन ने खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने शो की दमदार कहानी, अपने मजबूत और बेबाक किरदार, जौनपुर की भाषा और लहजे को सीखने में आई चुनौतियों, शूटिंग के मजेदार अनुभवों और पूरी टीम से मिले सहयोग के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि शो के एक्टर विशाल आदित्य सिंह ने उनकी बहुत मदद की।

आप डॉन ऑफ जौनपुर में बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रही हैं. प्रोजेक्ट और अपने किरदार के बारे में क्या कहना चाहेंगी ?

जब मुझे इस शो का ब्रीफ मिला, तभी मेरे अंदर इसे लेकर उत्सुकता जाग गई. फोन पर करीब एक घंटे तक इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत हुई। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़नी शुरू की, तो मैंने तुरंत हमारी डायरेक्टर नंदिता मेहरा को मैसेज किया और कहा, यह तो बम है, यह तो पागलपन है। शो इतना फास्ट पेस्ड है कि कहीं भी हल्का सीन नहीं है। हर पल कुछ ना कुछ हो रहा है। हमने इसके कई सीजन किए हैं। मैंने भले पिछले सीजन में काम नहीं किया, लेकिन मैंने सभी सीजन देखे। मुझे लगा था कि आखिरी सीजन सिर्फ कहानी और हंसी-मजाक से भरा होगा, लेकिन यह तो पूरी तरह धमाकेदार निकला. मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं. जहां तक मेरे किरदार की बात है, तो हमेशा की तरह यह बहुत मजबूत महिला का किरदार है। वह किसी से डरती नहीं है, सामने आकर अपनी बात कहती है, यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

इस शो के लिए आपने किस तरह की तैयारी की ?

मैं यह नहीं कहूंगी कि मैंने कोई फिल्में देखीं या यूट्यूब रेफरेंस लिए। मेरे एक दोस्त हैं जो भागलपुर से हैं. मैंने उनकी मां से भाषा और उच्चारण को लेकर मदद ली. पहले दिन की शूटिंग से पहले मैंने उनसे बात की और पूछा कि यह लहजा कैसे बोलना है, शब्दों का सही उच्चारण क्या होगा। विशाल सिंह ने भी मेरी बहुत मदद की। पहले दिन की रीडिंग में उन्होंने मुझे काफी सपोर्ट किया. उन्होंने मुझे सिखाया कि इस भाषा को कैसे बोलना है। भाषा मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज थी, क्योंकि यह मेरी अपनी भाषा नहीं है। ऐसे में इम्प्रोवाइजेशन करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है. लेकिन पूरी टीम ने हर कदम पर मेरा साथ दिया।

शूटिंग के दौरान कोई खास पल जो आपको याद हो ?

शूटिंग के दौरान सबसे खास बात यही रही कि हमें सांस लेने तक का समय नहीं मिलता था। इतना तेज काम चल रहा था. हम धूप में लगातार शूट कर रहे थे और मेरा रंग तक बदल गया था। मैंने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर से भी मजाक में कहा कि यही मेरा खास पल है, लेकिन सच कहूं तो सेट पर हर दिन कुछ ना कुछ खास था।

दर्शकों को डॉन ऑफ जौनपुर में क्या खास देखने को मिलेगा ?

मुझे हमेशा से अपने दर्शकों का बहुत प्यार और सपोर्ट मिला है. इस शो में भी उन्हें भरपूर एंटरटेनमेंट मिलेगा। मैं बस यही कहना चाहूंगी कि डॉन ऑफ जौनपुर को ऑल राइट टीवी पर जरूर देखें, जैसे आपने हमारे बाकी काम को प्यार दिया, वैसे ही इसे भी ढेर सारा प्यार और सपोर्ट दीजिए।

रामहि ही राम जपन लागी जिभिया...

लखनऊ। आज शुक्रवार को कार्यशाला के आठवें दिन रंजना मिश्रा ने राम जी, हनुमान जी के भजन श्री राम जय राम, रामहि ही राम जपन लागी जिभिया व विवाह गीत बेरिया की बेरि तुही बरजेहु बाबा, पचरा गीत सुमिरिला सरदा भवानी पत राखा महारानी...एवं रटन लागी जिभिया...लोक भजन सिखाई साथ ही जेठ के मंगल के अवसरपर हनुमान जी का भजन भी सिखा रही हैं। जिससे आने वाली पीढ़ी अपनी लोक परंपरा से परिचित हो सके, कार्यशाला में सिखाई जाने वाली विधा है विवाहगीत, बधाई गीत, दादरा, पचरा, सोहर, नकटा, सरिया, लोक भजन इत्यादि। कार्यशाला आनलाइन व ऑफलाइन दोनों प्रकार से हो रही है, जिससे दूर दूर से लोग जुड़े हैं प्रशिक्षुओं में सुनीता चौरसिया, रीना सिंह, कुमकुम मिश्रा, अल्पना श्रीवास्तव, डॉ.सुषमा रस्तोगी, रंजना सिंह, अल्पना श्रीवास्तव, रमा सिंह, आशा तिवारी, सुषमा सक्सेना नवनीता जफा, अनुराधा गुप्ता, अमिता द्विवेदी, भावना शुक्ला, आभा मिश्रा, आभा शुक्ला, सुनीता निगम, रेनुका त्रिपाठी सहित अनेक महिलाये जुडी हैं और जो लोग आगे सीखना चाहते है वो संस्था से संपर्क कर सकते है।

शनि जयंती 16 मई को, शुभ योग में होगी शनिदेव की आराधना

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सूर्यदेव और छाया के पुत्र भगवान शनि का जन्म ज्येष्ठ अमावस्या तिथि पर माना जाता है। इसी कारण हर वर्ष इस तिथि को शनि जयंती के रूप में मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता है कि जब शनि देव प्रसन्न होते हैं, तो अपने भक्तों को हर प्रकार के संकट से बचाते हैं और उनके जीवन में स्थिरता व न्याय का आशीर्वाद देते हैं। खास बात यह है कि इसी दिन वट सावित्री व्रत भी किया जाता है, जिससे इस तिथि का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

शनि जयंती पर सूर्यास्त के बाद शनि देव की पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है। वर्ष 2026 में ज्येष्ठ अमावस्या तिथि 16 मई की सुबह 5 बजकर 11 मिनट से शुरू होकर 17 मई की सुबह 1 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। शनि देव की पूजा के लिए शाम का समय विशेष शुभ माना गया है। इस दिन रात 7 बजकर 5 मिनट से 8 बजकर 23 मिनट तक पूजा का श्रेष्ठ मुहूर्त रहेगा, जिसमें विधि-विधान से पूजा करने पर विशेष लाभ प्राप्त हो सकता है। पंचांग के अनुसार पहली शनिश्चरी अमावस्या 16 मई को पड़ेगी। इस दिन की खास बात यह है कि इसी दिन शनि जयंती भी मनाई जाती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार यह एक बहुत ही दुर्लभ संयोग है कि शनि जयंती और शनि अमावस्या एक ही दिन पड़ें, ऐसा कई दशकों में केवल एक बार होता है।

शनि जयंती की पूजा विधि: शनि जयंती के दिन कुछ विशेष उपाय और अनुष्ठान करने की परंपरा है। सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर पीपल के वृक्ष की जड़ में कच्चा दूध, गंगाजल और स्वच्छ जल अर्पित करना शुभ माना जाता है। इसके बाद पीपल की 11 बार परिक्रमा करनी चाहिए। ऊं शं शनैश्चराय नमः मंत्र का 108 बार जप करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है। इसके साथ ही लोहा, काला तिल, जामुन, तेल और काले जूते जैसी वस्तुओं का दान करना भी लाभकारी माना गया है। शनि देव को न्याय का देवता कहा जाता है, जो हर व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। जो लोग सच्चाई और ईमानदारी के मार्ग पर चलते हैं, उन्हें शनि देव का आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं जिन लोगों पर शनि की कृपा नहीं होती, उन्हें कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता पाने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

दो बार मनाई जाती है शनि जयंती : शनि जयंती साल में दो बार मनाई जाती है। उत्तर भारत में इसे ज्येष्ठ अमावस्या के दिन मनाने की परंपरा है, जो इस वर्ष 16 मई को है। वहीं दक्षिण भारत में शनि जयंती वैशाख अमावस्या के दिन मनाई जाती है। अलग-अलग परंपराओं के बावजूद इस दिन का आध्यात्मिक महत्व समान रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है।

मलमासी जेठ में पड़ेगी दो पूर्णिमा, दो अमावस्या

लखनऊ। भगवान विष्णु को समर्पित अधिमास तो हर चौथे साल आता है लेकिन जेठ में अबकी 27 साल बाद आ रहा है। इसके चलते जेठ के दो महीने होंगे। पहले महीने का पहला पखवाड़ा बीतने के बाद दूसरे जेठ का आगमन 17 मई को होगा। 15 जून को इसके प्रस्थान के बाद पहले जेठ का दूसरा पखवाड़ा आरंभ होगा। दो पूर्णिमा, दो अमावस्या के साथ ही मलमासी जेठ में गुरुपुष्य योग भी दो बार बनेगा।

एक योग मई के अंत और दूसरा जून के पहले सप्ताह में बनेगा। आदर्श सेवा संस्कृत कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. रामनारायण द्विवेदी के अनुसार सनातनी पंचांगों की गणना संतुलित करने के लिए अधिमास की व्यवस्था है। सूर्य वर्ष करीब 365 दिनों का जबकि चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का होता है। हर साल लगभग 11 दिनों का अंतर बनता है। यही अंतर तीन वर्ष में करीब एक महीने हो जाता है। सूर्य और चंद्र वर्ष के इस अंतर को समाप्त करने के लिए हर 32 महीने 16 दिन में एक अतिरिक्त महीना जोड़ दिया जाता है। यही अतिरिक्त महीना अधिक मास, मलमास और पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। अधिमास में सूर्य एक से दूसरी राशि में प्रवेश नहीं करते। ऐसी स्थिति में यह महीना धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है किंतु मांगलिक कार्यों पर अल्पविराम लग जाता है। अधिक मास को शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। इस दौरान शादी-विवाह से जीवन में परेशानियां बढ़ सकती हैं। नए घर में प्रवेश, नींव पूजन या प्रॉपर्टी से जुड़े बड़े फैसले भी इसमें नहीं लेने चाहिए। जनेऊ संस्कार, सगाई, मुंडन आदि भी वर्जित है। नया कारोबार, दुकान या शोरूम खोलने से आर्थिक क्षति की आशंका रहती है। कुल मिलाकर हमारे ग्रंथ इस समय बड़े फैसलों और नई शुरूआत से बचने की सलाह देते हैं। अधिमास में तामसिक भोजन से हर हाल में बचना चाहिए।

अधिमास में दान-पुण्य का विशेष महत्व: ज्योतिषाचार्य के अनुसार अधिमास में दान-पुण्य का विशेष महत्व है। हर व्यक्ति को जरूरतमंद लोगों को अनाज, जल, तिल, वस्त्र और फल का दान अनिवार्य रूप से करना चाहिए। पवित्र जल में स्नान करने से पूर्व घर पर स्नान करके ही जाना उत्तम कहा गया है। यदि जल स्थान तक न जा सकें तो सामान्य जल में गंगाजल मिला कर स्नान करने से भी गंगा स्नान का पुण्य प्राप्त होगा। इस अवधि को भक्ति, साधना और आत्मचिंतन में लगाना श्रेष्ठ माना गया है। भगवत कृपा पाने का यह विशेष अवसर होता है।

इस बार 59 दिनों का होगा ज्येष्ठ माह आने वाले त्योहारों में होगी देरी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। हिंदू पंचांग का तीसरा ज्येष्ठ माह इस वर्ष 59 दिनों का है। इसका कारण तीन वर्ष में एक बार आने वाले भगवान विष्णु का प्रिय अधिकमास के साथ इसका संयोग होना है। इसके चलते ज्येष्ठ माह 2 मई से शुरू होकर 29 जून तक रहेगा। इसके बीच 17 मई से 15 जून तक का समय ज्येष्ठ अधिकमास कहलाएगा। इससे पहले 2023 में श्रावण अधिकमास आया था। अधिकमास के चलते मई के बाद आने वाले 2026 के तीज-त्योहार भी 15 से 20 दिन आगे खिसक गए हैं। मान्यता है कि अधिकमास में किए गए धार्मिक अनुष्ठान का फल कई गुना प्राप्त होता है। इसके चलते इस दौरान मठ-मंदिर और आश्रम में कई आयोजन होंगे। अन्नपूर्णा मंदिर, गीता भवन, इस्कॉन मंदिर में इस अवसर पर विभिन्न आयोजन होंगे। साथ ही इसकी तैयारियां विभिन्न संगठनों द्वारा भी व्यापक स्तर पर की जा रही हैं। ज्योतिर्विद् विनायक चतुर्वेदी के अनुसार, हिंदू पंचांग में अधिकमास का विशेष महत्व है। इस माह को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि वर्ष 2026 के 11 वर्षों बाद 2037 में फिर से ज्येष्ठ अधिक मास होने का संयोग पड़ेगा। इसके पहले वर्ष 1999 में मई-जून माह में ज्येष्ठ अधिकमास पड़ा था। मतलब यह ज्येष्ठ माह 27 वर्षों के बाद आया है।

त्योहारों में देरी: ज्येष्ठ माह के कारण मई से दिसंबर के बीच होने वाले पर्व त्योहारों में पिछले वर्ष की तुलना में देर होगी। पिछले वर्ष रक्षाबंधन अगस्त के दूसरे सप्ताह में हुआ था इस वर्ष यह अगस्त के अंतिम सप्ताह में पड़ रहा है। जन्माष्टमी पिछले साल 16 अगस्त को मनाया गया था। इस वर्ष यह 4 सितंबर को होगा। इस वर्ष दिपावली अक्टूबर की जगह नवंबर माह में मनाया जाएगा।

पंचांग की गणना और अधिकमास का विज्ञान: ऐसा संयोग तीन वर्ष के बाद बनता है। यह माह अचानक प्रारंभ नहीं होता बल्कि पंचांग की गणना के अनुसार जुड़ता है। सौर वर्ष में लगभग 365 जबकि चंद्र वर्ष में करीब 354 दिन होते हैं। इस तरह हर साल 11 दिनों का अंतर बन जाता है। यह अंतर धीरे-धीरे बढ़ते हुए करीब 32 महीने 16 दिन में एक महीने के बराबर हो जाता है। तब पंचांग का एक महीना जोड़ा जाता है। इस अतिरिक्त महीने को पुरुषोत्तम मास कहा जाता है।

मैनिफेस्टेशन की कला पर डॉ. जय मदान ने साझा किया सफलता का मूल मंत्र

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर ने आज एक प्रेरणादायक और बदलाव लाने वाला सेशन, होटल सेंट्रम में आयोजित किया जिसमें प्रसिद्ध ज्योतिषी, मोटिवेशनल स्पीकर और लाइफस्टाइल कोच डॉ जय मदान ने मैनिफेस्टेशन की शक्ति और सकारात्मक सोच के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इंसान जिस चीज पर सबसे अधिक ध्यान केंद्रित करता है, वही उसके जीवन में वास्तविकता के रूप में उभरने लगती है।

जय मदान जो एक लोकप्रिय वास्तु विशेषज्ञ भी हैं, ने बताया कि मैनिफेस्टेशन केवल इच्छाएं व्यक्त करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपने विचारों, भावनाओं और ऊर्जा को सही दिशा में केंद्रित करने की कला है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच और स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति के जीवन में सफलता और अच्छे अवसरों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने मैनिफेस्टेशन का मूल नियम एक सरल अभ्यास के माध्यम से समझाया। जय मदान ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति से 5 सेकंड के भीतर अपने आसपास कोई नीली चीज खोजने के लिए कहा जाए, तो उसका पूरा ध्यान उसी रंग पर केंद्रित हो जाता है। इसके बाद यदि उससे हरी चीजों के बारे में पूछा जाए, तो संभव है कि वह उन्हें याद न कर पाए, क्योंकि उसका दिमाग केवल नीली वस्तुओं को खोजने में व्यस्त था। उन्होंने कहा कि ठीक इसी प्रकार जीवन में भी हमारा मस्तिष्क उसी दिशा में काम करता है, जिस दिशा में हम अपने विचारों और भावनाओं को केंद्रित करते हैं। यदि व्यक्ति लगातार नकारात्मकता, डर या असफलताओं पर ध्यान देता है, तो उसका दिमाग उसी प्रकार के अनुभवों को पहचानने लगता है। वहीं सकारात्मक विचार, आत्मविश्वास और अच्छे परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। जय मदान ने कहा कि मस्तिष्क हमारी मान्यताओं को सही साबित करने के लिए लगातार काम करता है। इसलिए यदि व्यक्ति यह विश्वास रखे कि उसके जीवन में अच्छी चीजें हो रही हैं और आगे भी होंगी, तो वह अपने व्यवहार और ऊर्जा के माध्यम से सकारात्मक परिस्थितियों को आकर्षित करने लगता है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपने लक्ष्यों पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित करें, सकारात्मक सोच बनाए रखें और नकारात्मक मान्यताओं से दूरी बनाएं।

फ्लो लखनऊ की चेयरपर्सन सिमरन साहनी ने बताया कि पिछले एक महीने में इस चैप्टर में 100 से ज्यादा नए सदस्य शामिल हुए हैं, जो इस समुदाय की बढ़ती ताकत और प्रभाव को दशार्ता है। कार्यक्रम का संचालन पल्लवी गुप्ता और इसकी अध्यक्षता अनीशा जैन ने की। कार्यक्रम में पूर्व चेयरपर्सन अंजू नारायण, आरुषि टंडन, वंदिता अग्रवाल और निवेदिता सिंह, मिताली ओसवाल, प्रज्ञा अग्रवाल, अदिति जग्गी रस्तोगी और वसुधा जैन सहित फ्लो 250 से अधिक सदस्य उपस्थित थे।

मंगल 11 को मेष राशि में करेंगे गोचर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ज्योतिष शास्त्र में मंगल को ऊर्जा, साहस, शक्ति और भूमि का कारक माना जाता है। मेष राशि मंगल की अपनी स्वराशि यानि मूल त्रिकोण राशि है। जब मंगल अपने घर में गोचर करते हैं, तो वे अत्यंत शक्तिशाली और सकारात्मक फल देने की स्थिति में होते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, 11 मई 2026 को दोपहर में 12:47 बजे मंगल मेष राशि में एंटर करेंगे। मेष राशि में मंगल का यह गोचर मुख्य रूप से कुछ राशियों के लिए अत्यंत शुभ और भाग्यशाली रहने वाला है।

मेष राशि: मंगल आपकी ही राशि के स्वामी हैं और लग्न भाव में गोचर करेंगे, यह आपके लिए रुचक महापुरुष योग जैसा फल देगा। आपके साहस और आत्मविश्वास में जबरदस्त वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आप एक लीडर के रूप में उभरेंगे। आपके निर्णय सटीक साबित होंगे। शारीरिक ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा और पुरानी बीमारियों में सुधार होगा।

मिथुन राशि : मिथुन राशि वालों के लिए मंगल का गोचर ग्यारहवें भाव (लाभ भाव) में होगा, जो बहुत ही फलदायी माना जाता है। आय के नए स्रोत बनेंगे और पुराने निवेश से मुनाफा मिल सकता है। आपकी लंबे समय से रुकी हुई कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है। नए प्रभावशाली लोगों से मित्रता होगी जो भविष्य में आपके काम आएंगे।

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों के लिए मंगल नौवें भाव (भाग्य भाव) में गोचर करेंगे। मंगल और सूर्य की मित्रता के कारण यह समय स्वर्ण काल की तरह साबित हो सकता है। आपके अटके हुए काम अपने आप बनने लगेंगे। धर्म-कर्म या व्यापार के सिलसिले में की गई लंबी दूरी की यात्रा सुखद और लाभप्रद रहेगी। पिता या गुरुजनों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राशि : धनु राशि के लिए मंगल का गोचर पांचवें भाव में होगा, जो संतान, बुद्धि और प्रेम का स्थान है। छात्रों के लिए यह समय बहुत अच्छा है, एकाग्रता बढ़ेगी। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। अगर आप रचनात्मक क्षेत्र में हैं, तो आपको विशेष पहचान मिलेगी।

त्याग बलिदान और धर्म पालन की कथा देख भाव विभोर हुए दर्शक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। जी जे एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स लखनऊ द्वारा आज शुक्रवार को स्थानीय रवींद्रालय में नाटक मैं तुझ में का मंचन किया गया। आलोक श्रीवास्तव की परिकल्पना, संगीत और प्रस्तुति निर्देशन और ललित सिंह पोखरिया द्वारा लिखी गई तथा रामायण के कई संस्करणों पर शोध कर इस प्रस्तुति के माध्यम से राम को मयार्दापुरुषोत्तम बनाने में अपने संस्कारों से राम को पूरित करने वाली महिला पात्रों का सटीक चित्रण किया गया। कौशल्या, कैकई, सुमित्रा, शबरी, मंदोदरी, उर्मिला और सीता के त्याग बलिदान और धर्म पालन की कथाएँ भाव विभोर कर गईं। भाव प्रधान गीतों और नृत्य के माध्यम से किरदारों के प्रमुख संदेश को बेहद खूबसूरती से रेखांकित किया गया। नाटक में अर्चना शुक्ला, अपूर्वा श्रीवास्तव, स्तुति अवस्थी, डॉ रुपाली श्रीवास्तव, नैना चंद्रा, माधवी निगम और सिमरन अवस्थी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई। भाव विभोर दर्शक इस प्रस्तुति के दौरान कई बार भावुक भी हुए क्योंकि हमेशा इस प्रकार की प्रस्तुतियां भक्ति भाव से समृद्ध होती है किंतु ये प्रस्तुति इस मायने में अनूठी रही जो रामायण से महिलाओं की आंतरिक व मानसिक दशा का खूबसूरत चित्रण करती है। प्रस्तुति के इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित सुश्री आरुषि के साथ साथ डॉ संजय श्रीवास्तव, डॉ नकुल सिन्हा, डॉ के पी चंद्रा, श्रीमती ज्योति किरण सिन्हा, कवि सर्वेश अस्थाना, मनीष हिंदवी, आई जी लोजिस्टिक्स श्री आलोक श्रीवास्तव, सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ, सुशील कुमार सिंह, आदि बड़ी संख्या में गणमान्य लोग इस अनूठी प्रस्तुति के साक्षी बने।

इच्छामृत्यु के मुद्दे पर गहरी चोट करती है मितुल पटेल की 'मर्सी'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

- कलाकार – राज वासुदेव, निहारिका रायजादा, अपर्णा घोषाल
- निर्देशक – मितुल पटेल

रेटिंग-3/5

लखनऊ। पिछले महीने देश के इतिहास में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान की थी। अदालत ने 12 साल से अधिक समय से कोमा में चल रहे 32 वर्षीय हरीश राणा का लाइफ सपोर्ट (जीवनरक्षक मशीनें) हटाने की मंजूरी प्रदान की थी।

गाजियाबाद के हरीश को नली के जरिए दवाएं, भोजन और पानी दिया जाता था। यह निर्णय उन परिवारों की पीड़ा का भी परिचायक था, जो अपने प्रियजनों को ऐसी अवस्था में देखते हुए कठिन निर्णयों से गुजरते हैं। आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही फिल्म मर्सी भी किसी व्यक्ति की असहनीय पीड़ा को खत्म करने के लिए उसके जीवन मुक्ति पर आधारित है। कहानी अमेरिका से मुंबई आए इंजीनियर शेखर (राज वासुदेव) के इर्दगिर्द है। शेखर और उसके छोटे भाई विहान (कुणाल भान) का पालन पोषण उनकी मां सुजाता (अर्पणा घोषाल) ने अकेले ही किया होता है। विहान जब मां के गर्भ में था तभी पिता का निधन हो जाता है। पूरा परिवार खाने पर एकत्र होता है। इस दौरान विहान अपना म्यूजिकल बैंड शुरू करने की चाहत व्यक्त करता है। उसके लिए शेखर से आर्थिक मदद मांगता है, लेकिन वह इनकार कर देता है। दरअसल, विहान उससे पहले कई बार असफल हो चुका होता है। इसी दौरान शेखर की पत्नी जिया (निहारिका रायजादा) गर्भवती होने की खुशखबरी देती है। इसके बाद घटनाक्रम मोड़ लेते हैं। छह महीने से सुजाता कोमा में है। डॉक्टर भी उम्मीद छोड़ चुके हैं। शेखर असमंजस में है, जबकि जिया और विहान को लगता है कि वेंटिलेटर पर मां को रखना उसके कष्ट को बढ़ाना ही है। अंततः फादर (आदिल हुसैन) के मार्गदर्शन के बाद शेखर अहम फैसला लेता है। फिल्म के लेखक और निर्देशक मितुल पटेल ने अत्यंत गंभीर और संवेदनशील विषय को बिना नाटकीयता और भाषणबाजी के दशार्ने की कोशिश की है। उन्होंने उसे बोझिल नहीं बनने दिया है। असमंजस में फंसे शेखर को जब फादर एक बुजुर्ग दंपती की कहानी सुनाते हैं कि किस प्रकार यही प्रेम बाद में नफरत में भी बदल जाता है। वह दिल को छूता है। यह प्रसंग जिंदगी की कड़वी सच्चाई को बताने के साथ झकझोर भी जाता है। इसी तरह मां को वेंटिलेटर से हटाने को लेकर भाइयों के बीच टकराव और खर्च को लेकर चिंता जैसे दृश्य वास्तविक लगते हैं। अच्छी बात यह है कि 146 मिनट अवधि की यह फिल्म अपने मूल विषय पर ही केंद्रित रहती है। कलाकारों में शेखर के द्वंद्व, संवेदनशीलता और जिद को राज वासुदेव ने बहुत सहजता से निभाया है। कुणाल भान ने भी अपने पात्र के साथ न्याय किया है। जिया की भूमिका में निहारिका रायजादा के हिस्से में सीमित, लेकिन अहम दृश्य हैं। मां की भूमिका में अपर्णा घोषाल जरूरी भाव लाती हैं। आदिल हुसैन संक्षिप्त भूमिका में हैं, लेकिन गहरा प्रभाव छोड़ जाते हैं। कुल मिलाकर कुछ कमियों के बावजूद 'मर्सी' इंसान को लंबी पीड़ा से मुक्ति दिलाने जैसे कठिन विषय को सादगी से बिना शोरशराबे के उठाती है। यह सोचने पर मजबूर करती है।

संक्षेप

एसपी ने सुनी फरियाद

आजमगढ़। पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय में पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार ने शुक्रवार को सुबह दूर दराज क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनी। उन्होंने प्रस्तुत हुए प्रार्थना पत्र पर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों की तत्काल, निष्पक्ष व न्यायोचित जांच कर विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन भी उपस्थित रहे।

श्री शत चण्डी महायज्ञ 18 से

आजमगढ़। तहबरपुर क्षेत्र के सराय सागर (सरया) गांव में 18 मई से 9 दिवसीय श्री शत चण्डी महायज्ञ एवं सनातन धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यज्ञ के आयोजक श्री श्री योगी रामानंद जी महराज ने बताया कि यज्ञ का शुभारंभ 18 मई को कलश शोभायात्रा से होगा। 19 मई को मंडप पूजन एवं प्रवेश 25 मई को समापन एवं 26 मई को विशाल भंडारे का होगा। यज्ञाचार्य पंडित अवनीश शुक्ला होंगे। शाम को प्रवचन प्रवचन होगा।

59 उपनिरीक्षक हुए इधर से उधर

आजमगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए आठ महिला दरोगा समेत 59 उपनिरीक्षकों का स्थानांतरण किया है। स्थानांतरित किए गए दरोगाओं में एक महिला सब इंस्पेक्टर को चौकी प्रभारी की कमान मिली, वहीं कई चौकी प्रभारी भी इधर से उधर किए गए हैं। एसएसपी ने नगर के पहाड़पुर चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार को मुबारकपुर थाना से सम्बद्ध चौकी प्रभारी लोहरा, मुबारकपुर थाना पर तैनात दरोगा प्रमोद कुमार यादव को चौकी प्रभारी पहाड़पुर बनाया है। नगर कोतवाली में तैनात सब इंस्पेक्टर हरिकेश कुमार राय को थाना बिलरियागंज, देवगांव कोतवाली पर तैनात सब इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार मिश्रा को नगर के सिविल लाइंस का चौकी प्रभारी बनाया है। सब इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह को कचहरी चौकी से कोतवाली थाना पर भेजा। गंभीरपुर थाना से संबद्ध चौकी प्रभारी गोसाई बाजार चन्द्रप्रकाश कश्यप को दिवानी कचहरी का चौकी प्रभारी बनाया है।

हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

आजमगढ़। जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत हत्या के एक चर्चित मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर 1.50 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह मामला अतरौलिया थाना क्षेत्र से जुड़ा है। अभियोजन के अनुसार, 4 अगस्त 2021 को पुरखीपुर निवासी पूजा पत्नी अमित कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसकी ननद खुशबू की शादी अहरौला थाना क्षेत्र के धनेज पांडे निवासी देवानंद उर्फ गोलू पुत्र जगदीश प्रसाद से तय हुई थी। आरोप है कि देवानंद ने खुशबू को मिलने के लिए बुलाया और चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। मामले में थाना अतरौलिया पर मुकदमा अपराध संख्या 120\2021 धारा 302 आईपीसी के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से सात गवाहों को पेश किया गया। प्रभावी पैरवी और साक्ष्यों के आधार पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर-1, आजमगढ़ ने शुक्रवार को आरोपी देवानंद उर्फ गोलू को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा 1,50,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। पुलिस विभाग ने इसे ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत बड़ी सफलता बताया है।

कार से कुचलकर अधेड़ की मौत

जौनपुर। सुजानगंज थाना क्षेत्र के रायपुर कला गांव में कार से कुचलकर अधेड़ की मौत हो गई। उक्त गांव निवासी 48 वर्षीय शेषमणि प्रजापति पुत्र भोनू राम प्रजापति अपने घर के पास सड़क के किनारे खड़े थे इस समय तेज गति से आ रही बिलोनो कार आई और उन्हें जोरदार टक्कर मार दिया। कार से धक्का लगने से यह हवा में उड़कर कुछ दूर जा गिरे थे। उसी समय घर के लोग दौड़कर उन्हें लेकर कई चिकित्सकों के यहां गए लेकिन चिकित्सकों ने कुछ देर बाद उनके मौत होने की पुष्टि कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है

संभावित सूखे से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क

सभी विभाग समय से पूर्ण करें तैयारियां: सीडीओ

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संभावित सूखे की स्थिति से प्रभावीढंग से निपटने एवं सूखा राहत कार्य योजना तैयार किए जाने के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सूखा राहत योजना से जुड़े सभी विभाग अपनी तैयारियां समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण कर लें, जिससे जनपद में किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल राहत उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित किया कि तालाबों, पोखरों एवं अन्य जल स्रोतों में पर्याप्त मात्रा में पानी भरने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी समय रहते तैयार कर ली जाएं।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी एवं दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए। चिकित्सा केंद्रों पर आवश्यक दवाओं, ओआरएस, पेयजल जांच किट एवं अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकें। बैठक में सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि नहरों के संचालन के दौरान जल आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रखी जाए तथा आवश्यकता अनुसार तालाबों एवं जलाशयों में पानी पहुंचाने की कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे किसानों को सिंचाई संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा गर्मी के मौसम में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। बैठक में सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिया टूटने से आवागमन अवरुद्ध, मरम्मत की मांग

शाहगंज,सोनभद्र। घोरावल ब्लाक क्षेत्रान्तर्गत ढुटेर गांव स्थित स्टेट हाइवे से मसोई गाँव को जोड़ने वाले सम्पर्क मार्ग की हालत अत्यन्त दयनीय हो गयी है। इसी मार्ग पर शाहगंज राजवाहा के पास बनी पुलिया भी टूटकर बह गयी है। जिससे लोगों का आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। ग्रामीण करीब डेढ़ किमी दूर दूसरे रास्ते से आने-जाने के लिए मजबूर हैं।

बताया जाता है कि राज्य वित्त आयोग योजनान्तर्गत वर्ष 2018-19 में राबर्टसगंज-घोरावल मुख्य मार्ग ढुटेर-मसोई सम्पर्क मार्ग के लेपन का कार्य जिला पंचायत द्वारा कराया गया था। इसी मार्ग पर नहर के पास बरसाती पानी की निकासी को पुलिया का भी निर्माण कराया गया था। जो गत वर्ष वर्षा ऋतु में पानी के तेज बहान के कारण पूरी तरह टूट कर बह गयी। सड़क भी उखड़ने के साथ ही इस पर घास उग आयी है। इससे उक्त रास्ते ढुटेर, मसोई, लसही प्रभा, ईनम आदि गाँवो के रहवासियों का आवागमन बिल्कुल ठप हो गया है। मजबूरन लोग लगभग डेढ़ किमी दूरी का दूसरा रास्ता नाप कर अपने गन्तव्य तक पहुंचते हैं। बरसात के दिनों में तो स्थिति और खराब हो जाती है। इसको लेकर सम्बंधित गाँवों के लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। इनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदार विभाग इस पर ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा। पूर्व ग्राम प्रधान रामजीत मौर्य, गुलाब सिंह सहित दिनेश कुमार, बसावन, शिवप्रसाद, गुलाब, तेजबहादुर सुवाष पासवान, हीरामन, सोहन आदि ग्रामीणों ने इस ओर शासन-प्रशासन एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त टूटी पुलिया के स्थान पर नई पुलिया का निर्माण तथा क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत यथाशीघ्र कराये जाने की मांग की है।

दुद्धी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की ठहराव की मांग

जिला संवाददाता(vol)

दुद्धी,सोनभद्र। शुक्रवार को दुद्धी बार एसोसिएशन एवं सिविल बार एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ पलामू सांसद वीडी राम से मिलकर दुद्धी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की ठहराव की मांग रखी।

सांसद को सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया हैं कि दुद्धी सोनभद्र झारखण्ड बार्डर पर स्थित है, तथा अगल-बगल के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व झारखण्ड राज्यों के सीमा से लगती है। यहाँ विधानसभा मुख्यालय,कचहरी, नगर पंचायत, ब्लाक एवं राजकीय महाविद्यालय तथा राजकीय आई०टी०आई० कालेज सहित अन्य कई संस्थानें संचालित होती है, जहाँ प्रतिदिन सैकड़ो लोगों का झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, गुजरात विभिन्न कार्यों के लिए आना जाना पडता है। दुद्धी नगर रेलवे स्टेशन से एक दर्जन से अधिक एक्सप्रेस गाडियों का आना जाना होता है, लेकिन उनका ठहराव नहीं होने के कारण लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए चोपन या नगर उंटारी रेलवे स्टेशन जाना पडता है, जो करीब यहाँ से 60-70 किलोमीटर दूर पडता है, इसलिए यहाँ के लोगों को झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर आने-जाने के लिए कठिनाईयों का सामाना करना पड़ता हैं। प्रतिनिधि मंडल में दुद्धी बार एसोसिएशन अध्यक्ष कुलभूषण पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष कमलेश मोहन, सचिव दिनेश कुमार सहित अन्य शामिल रहे।

इन ट्रेनों की ठहराव की मांग

गाडी सं0- 13379/13380, धनबाद मुम्बई (स्ज्ज) एक्सप्रेस ट्रेन,गाडी सं0- 12873/12874, रॉची-आनन्द बिहार टर्मिनल जाने वाली एक्सप्रेस, गाडी सं०- 19608/ 19607 कोलकत्ता-मदार वाया अजमेर जाने वाली एक्सप्रेस,गाड़ी सं0-13025/ 13026, हावडा-भोपाल जाने वाली एक्सप्रेस,गाड़ी सं0-12453/ 12454, राजधानी एक्सप्रेस, रॉची-नई दिल्ली,गाड़ी सं0- 19413/19414, कोलकत्ता-अहमदाबाद जाने वाली एक्सप्रेस शामिल हैं।

कई स्थानों पर शुरू नहीं हुए जन औषधि केन्द्र

जौनपुर । प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत अधिकांश अस्पतालों में केंद्र नहीं खुल पाए हैं।

आमजन को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाएं उपलब्ध कराने की इस योजना के तहत 15 माह बाद भी कई स्थानों पर केंद्र शुरू नहीं हो सके हैं, जिससे लोगों को महंगी दवाएं खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है।इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य आम जनता को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण नॉन-ब्रांडेड दवाएं उपलब्ध कराना है। जिले में जन औषधि केंद्र खोलने की जिम्मेदारी लखनऊ की गुंजन इंटरप्राइजेज नामक संस्था को सौंपी गई थी।15 माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद, जिले में केवल मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल और चार अच्छी ओपीडी वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ही जन औषधि केंद्र खुल पाए हैं। शेष अधिकांश स्थानों पर ये केंद्र अभी भी बंद हैं।केंद्रों के न खुलने का एक प्रमुख कारण अधिकृत एजेंसी द्वारा मांगी जा रही भारी सिक्योरिटी राशि और मासिक किराया है। एजेंसी संचालकों से तीन से 18 लाख रुपये तक सिक्योरिटी और प्रति माह 10 से 25 हजार रुपये किराया मांग रही है।

केंद्र संचालन में रुचि रखने वाले लोगों का कहना है कि सस्ती दवाओं पर मिलने वाला कमीशन इतना कम है कि एजेंसी की इन मांगों को पूरा करना मुश्किल है। उनका यह भी आरोप है कि एजेंसी के लोग कमाई के जो तरीके बता रहे हैं, उन्हें अपनाने पर भविष्य में कानूनी अड़चनें आ सकती हैं। यह स्थिति तब है जब सीएमओ के निर्देश पर अधीक्षकों द्वारा केंद्रों के लिए मुफ्त में स्थान उपलब्ध कराया गया है। विभाग ने बताया कि मेडिकल कॉलेज सहित कुल छह अस्पतालों में जन औषधि केंद्र खुले हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि तीन-चार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लाइसेंस बनने की प्रक्रिया में हैं। डॉ. यादव ने कहा कि जल्द ही अधिकृत संस्था को नोटिस जारी कर इस देरी पर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

घोरावल/सोनभद्र।स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के बरौंधी गांव में गुरुवार देर रात एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से एक युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।जानकारी के अनुसार, घोरावल कोतवाली क्षेत्र के डोरिहार गांव निवासी 27 वर्षीय राजेश कोल, पुत्र लल्लन कोल, गुरुवार शाम वीर खुर्द गांव में एक हरि कीर्तन कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। देर रात वह साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। बरौंधी गांव में पीछे से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें कुचल दिया।

घटना स्थल पर पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने राजेश को घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर घोरावल कस्बा चैकी प्रभारी त्रिभुवन राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली। ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया था।मृतक राजेश अपने चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके दो छोटे बेटे हैं। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के शवगृह भेज दिया है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर सीज कर दिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है।

कैडेटों ने किया ऑपरेशन सिंदूर पर कार्यक्रम

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर। 98 अप बीएन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एल आलोक सिंह के निर्देशन पर शुक्रवार को मड़ियाहूं पीजी कॉलेज के 4/98 बीएन एनसीसी मडियाहू के कैडेटो द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

झंडारोहण के उपरांत छात्रों ने राष्ट्रगान तत्पश्चात एनसीसी गान प्रस्तुत कर राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण व्यक्त किया। आज ही के दिन एक वर्ष पहले भारत ने अपना पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रदर्शित किया और पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को पल भर में नष्ट कर भारत ने अपने मजबूत इरादों को दिखा दिया। भारतीय सैनिक शक्ति कितनी मजबूत है इसका एक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखने को मिला। इस ऑपरेशन में राफेल युद्ध क्राफ्ट के साथ-सा द क्रूज मिसाइल और द्रोण का प्रयोग किया गया। जिसे भारतीय सैनिकों ने मात्र 20 मिनट में संचालित कर दुश्मन के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। इस अवसर पर डा. विवेक कुमार मिश्र, डा. सुशील मिश्रा, डा. बृजेश चौबे, डा. आजाद सिंह आदि उपस्थित रहे। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय कुमार ने छात्रों को सिंदूर ऑपरेशन की उपलब्धियां बताई। कार्यक्रम के अंत में मडियाहू पीजी कॉलेज प्राचार्य एवं एनसीसी कैप्टन एस.के. पाठक ने आगंतुकों के प्रति अपना धन्यवाद दिया।

गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुन श्रद्धालु भावविभोर

जौनपुर। सिकरारा क्षेत्र के खानापट्टी गांव में कमलेश सिंह के आवास पर चल रहे सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन गुरुवार की देर शाम कथावाचक पंडित मुरारी श्याम पाण्डेय व्यास द्वारा श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गिरिराज गोवर्धन पूजा का प्रसंग में देवताओं के राजा इंद्र का अहंकार तोड़कर ब्रजवासियों को बचाने और 56 भोग अर्पित करने का प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

कथा के दौरान ही भगवान गिरिराज पर्वत को उठाते सुंदर झांकी सजाई गई। जिसे देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथावाचक व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने पृथ्वी पर धर्म और सत्य की पुनः स्थापना के लिए द्वापर युग में अवतार लिया। उन्होंने बाल्य अवस्था में ही कालिया नाग का मर्दन करके यमुना जी को पवित्र कर पूतना, बकासुर जैसे मायावी शक्तियों का अंत किया। प्रसंग में बताया कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था। उनका गर्व दूर करने के लिए प्रभु ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन जी की पूजा शुरू करा दी। इससे गुस्साए इंद्र ने ब्रज मंडल पर भारी बारिश करा दी। प्रलय से लोगो को बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ। मुख्य यजमान कमलेश सिंह व उनकी पत्नी गिरजा सिंह ने आरती उतारकर पूजन अर्चन किया। कथा में भारी संख्या में महिलाज पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

टीबी मरीजों को किया पोषण पोटली वितरित

जौनपुर। विश्व रेडक्रॉस दिवस पर शुक्रवार को इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जौनपुर के तत्वाधान में क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम में ष्यूनाइटेड इन ह्यूमैनिटी मानव बंधुत्व के क्रम में बड़ी संख्या में मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह ने क्षय रोगियों को नियमित दवा के सेवन तथा पोषण पोटली का पूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रभात कुमार ने विश्व रेड क्रॉस दिवस पर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी तथा जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विशाल यादव ने क्षय रोगियों को समय से दवा व स्वस्थ पौष्टिक आहार के सेवन करने के लिए प्रेरित किया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जौनपुर के सचिव डॉ0 मनोज वत्स ने कहा कि टीबी अब आसानी से ठीक होने वाला मर्ज है सही समय पर दवा लेने यह क्योर हो जाता है तथा मरीजों स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देते हुए टीबी से मुक्त होने के उपाय बताये।

द्वार पूजा पर बाराती और घराती भिड़े, दस घायल

जौनपुर । रामपुर थाना क्षेत्र के सिधवन गांव में गुरुवार को एक शादी समारोह के दौरान द्वारपूजा में बाराती और घराती पक्ष के बीच मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के करीब दस लोग घायल हो गए, जबकि दो वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। दूल्हे की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।रामपुर थाना क्षेत्र के जमालापुर (डिहवा) गांव से बारात सिधवन गांव पहुंची थी। जलपान कार्यक्रम शांतिपूर्ण रहा, लेकिन द्वारपूजा के समय किसी बात को लेकर बाराती और घराती पक्ष में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडों से आपस में भिड़ गए, जिससे शादी समारोह में भगदड़ मच गई। घराती पक्ष के हर्षित मिश्रा (18), ब्रह्मदेव मिश्रा (40), गोली दुबे (60), गणेश मिश्रा (22) और अर्जुन मिश्रा (32) घायल हुए। इनमें से दो से तीन लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों का उपचार भदोही के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।घटना के बाद शादी समारोह में तनाव का माहौल बन गया। लोगों के हस्तक्षेप से मामला शांत कराया गया।

वृद्ध की संदिग्ध अवस्था में मौत

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के दाहगीरी गांव के पास वैवाहिक कार्यक्रम में सायकिल से गए वृद्ध की संदिग्ध अवस्था में मौत हो जाने के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बक्शा थाना क्षेत्र के बेला पार ग्राम निवासी अमरनाथ यादव गुरुवार को सिकरारा थाना क्षेत्र के देहजुरी गांव वैवाहिक कार्यक्रम में गए हुए थे साइकिल द्वारा। शुक्रवार भोर में लगभग अपने गांव के पास सड़क किनारे अचेत अवस्था में पड़े थे। परिजनों को जब जानकारी हुई तो घटना स्थल पर पहुंचकर 108 नंबर एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने देखकर मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का करण स्पष्ट होने के बाद पुलिस आगे की कार्यवाही करेंगी।

बाइक पलटने से युवक की मौत

आजमगढ़। कोतवाली फूलपुर क्षेत्र के टेऊंगा गांव के समीप गुरुवार की रात को बाइक अनियंत्रित होकर पलटने से युवक की मौत हो गई। दुर्घटना के समय उक्त युवक अपने मित्र के साथ बारात से वापस घर लौट रहा था। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के कासिमपुर अंबारी गांव निवासी 32 वर्षीय संदीप यादव पुत्र शीतला प्रसाद यादव अपने मित्र 21 वर्षीय संतोष यादव पुत्र कल्पनाथ यादव के साथ फुलवरिया गांव में बारात में शामिल होने के लिए गया था। वह रात करीब साढ़े नौ बजे अपने मित्र के साथ बाइक से वापस घर लौट रहा था। रास्ते में टेऊंगा गांव के समीप स्थित नहर के समीप बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित खेत में पलट गई। इस हादसे में सिर में चोट लगने से संदीप यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसका मित्र संतोष बाल-बाल बच गया। संतोष यादव ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस से वह संदीप को लेकर फूलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचा। चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत संदीप को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। संदीप की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। संदीप दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था। पत्नी, पिता शीतला प्रसाद समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बहुचर्चित जिम धर्मांतरण कांड में पुलिस ने दाखिल की 6 हजार पेज की चार्जशीट, 10 आरोपी जेल में

मीरजापुर। जिम में लड़कियों को ब्लैकमेल कर धर्मांतरण कराने के सनसनीखेज मामले में देहात कोतवाली पुलिस ने न्यायालय में 6 हजार पेज का आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। दरअसल, यह पूरा मामला मीरजापुर शहर के उन पांच 5 जिमों से जुड़ा हुआ है जहां लड़कियों से दोस्ती कर उन्हें प्रेम जाल में फंसाया जाता था। इसके बाद उनका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जाता था। आरोपियों पर अवैध वसूली और धर्मांतरण कराने का भी आरोप लगा है। इस मामले में पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिला जज पहले ही सभी आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर चुके हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि जिम में आने वाली लड़कियों और महिलाओं को टारगेट कर यह पूरा खेल चलाया जा रहा था।6 हजार पेज की चार्ज शीट में कई अहम सबूत शामिल किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिम में लड़कियों को ब्लैकमेल कर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया गया था। मामले में अबतक 11 आरोपियो को भेजा जा चुका है जेल जिम में जाने वाली लड़कियो से दोस्ती कर प्रेम जाल में फंसा कर अवैध वसूली और धर्मांतरण का होता था खेल, लड़कियों और महिलाओ का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते थे। मामले में जिला जज पहले ही आरोपियों की जमानत खारिज कर चुके है। इस मामले में देहात कोतवाली पुलिस ने न्यायालय में 6 हजार पेज का आरोप पत्र दाखिल किया है।

महाराणा प्रताप जयंती व सम्मान समारोह आज

सोनभद्र। नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 9 मई दिन शनिवार को सायं 4 बजें से जनपद मुख्यालय स्थित नगर पालिका परिषद के सभागार में शंख सेवा न्यास सोनभद्र द्वारा महाराणा प्रताप जयंती मनाई जायेगी । उन्होंने बताया कि उक्त अवसर पर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा नगर पालिका परिषद के सभी मनोनीत सभासदों का सम्मान समारोह कार्यक्रम भी आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष रुबी प्रसाद एवं मुख्यअतिथि वरिष्ठ विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता गंगासागर दूबें मिजार्पुर होंगे।

शिविर लगाकर टीबी मरीजों को किया जागरूक

मीरजापुर। लालगंज विकास खंड क्षेत्र के खजुरी गांव में शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज की टीम ने चौपाल लगाकर लोगों को क्षय रोग के बारे में जागरूक किया। शिविर में हाई रिस्क गांवों में हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन से स्क्रीनिंग कर मरीजों को पहचान कर निःशुल्क इलाज से जोड़ा जा रहा है। वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक शमीम अहमद ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार टीबी की पहचान और समय से उपचार सुनिश्चित करने के लिए 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोजी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विकास खण्ड लालगंज के खजुरी गांव में स्वास्थ्य विभाग लालगंज ने चौपाल लगाकर लोगों को क्षय रोग के बारे में जागरूक करते हुए शिविर लगाकर इस अभियान में हाई रिस्क गांवों में हैंड हेल्ड एक्स रे मशीन से स्क्रीनिंग कर मरीजों को पहचान कर निः शुल्क इलाज से जोड़ा जा रहा है। सभी लोगों को लक्षण और उपचार और सरकारी लाभ के बारे में जानकारी दी गई। आशा रीता देवी और ग्राम प्रधान रहीश अहमद के सहयोग से गांव के लोगों को प्रेरित कर कुल 85 मरीजों का एक्स रे किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है लेकिन नियमित दवा और समय पर उपचार से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। शिविर में शमीम अहमद वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक, सुजीत कुमार मिश्रा एक्स रे टेक्निशन, अजीत कुमार सिंह, आशा रीता देवी, बृजेश बिंद, बाबूलाल आदि लोग मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन कर्मचारी वेतन वृद्धि को लेकर धरने पर

मीरजापुर। यूपी के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के गृह क्षेत्र में जल जीवन मिशन से जुड़े हुए कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि को लेकर धरना-प्रदर्शन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जो राशि प्रदान की जाती है वह इस मंहगाई के दौर में अपर्याप्त है। मीरजापुर जिले के नारायणपुर विकासखंड के अदालहाट क्षेत्र स्थित गठौरा कोडिया कला (डब्ल्यू टीपी) ऑफिस पर शुक्रवार को जल जीवन निगम के कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारी वेतन वृद्धि और बेहतर कार्य परिस्थितियों की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया कि उनसे प्रतिदिन 12 घंटे काम लिया जाता है और उन्हें रविवार को भी छुट्टी नहीं दी जाती। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें प्रति माह 12,000 रुपये का वेतन मिलता है, जिसमें से किसी न किसी कारण से कुछ पैसे काट लिए जाते हैं। प्रदर्शन की जानकारी होने पर संबंधित विभाग में हड़कंप मचा रहा है। नाराज कर्मचारियों को मनाने का क्रम जारी रहा है।

डिवाइडर से भिड़ी बाइक, दो युवक घायल

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवा मिजार्पुर हाईवे पर स्थित दुर्जनीपुर ओवर ब्रिज के नीचे सर्विस रोड पर बृहस्पतिवार की रात दस बजे ब्रेकर पर बाइक उछलने के बाद डिवाइडर से टकराकर बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेस से दोनों घायल युवकों को सीएचसी लालगंज ले जाया गया। लालगंज थाना क्षेत्र के तुलसी गांव निवासी रितेश पटेल (25) लहंगपुर निवासी आयुष मौर्य (23) के साथ बाइक से कहीं निमंत्रण में शामिल होने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान रात दस बजे दुर्जनीपुर के पास ब्रेकर पर उछलकर बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिससे दोनों युवक घायल हो गए। एंबुलेंस के ईएमटी दीपक कुमार यादव ने बताया कि रितेश पटेल गंभीर रूप से घायल थे, आयुष को सामान्य चोट लगी थी। रितेश के चाचा विजय पटेल ने बताया कि गंभीर चोट के चलते चिकित्सक द्वारा उनके भतीजे को मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया।

पुरानी रंजिश को लेकर वृद्ध की हत्या

जौनपुर । केराकत कोतवाली क्षेत्र स्थित नाउपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक वृद्ध की निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने 62 वर्षीय बंगाली निषाद को पकड़कर नाव के जरिए गहरे पानी में ले जाकर नदी में फेंक दियाए जिससे उनकी मौत हो गई।परिजनों के अनुसार बंगाली निषाद बुधवार शाम बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और जबरन अपने साथ ले गए। काफी देर तक घर न पहुंचने पर परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू कीए लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। बाद में घटना की सूचना केराकत पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम नाव से गांव से करीब दो किलोमीटर दूर नदी के गहरे पानी तक पहुंचीए जहां से बंगाली निषाद का शव बरामद किया गया। शव के दोनों हाथ बंधे होने से हत्या की आशंका और गहरा गई।घटना के बाद इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हिरासत में लिए गए लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

संक्षेप

तमंचा सहित गिरफ्तार

टूंडला। थाना टूण्डला पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को अवैध असलहा सहित गिरफ्तार किया है। थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा देखरेख शान्ति व्यवस्था चैकिंग संदिग्ध व्यक्ति वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त हरिओम पुत्र बैनीराम निवासी मनी की मढैया एटा रोड थाना टूण्डला को मय एक नाजायज तमंचा व एक जिंदा कारतूस के साथ नगला सिंघी को जाने वाले पुल के नीचे से गिरफ्तार किया गया। थाना पुलिस ने बरामदगी गिरफ्तारी के आधार पर थाना हाजा पर मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

भाजपा के युवा नेता को मारी गोली, मथुरा के निजी अस्पताल में भर्ती

वृंदावन। भाजपा की वृंदावन इकाई के युवा नेता पम्मी गोस्वामी को गुरुवार रात पानीगांव से लौटते समय आधा दर्जन लोगों ने गोली मार दी। जिनका उपचार मथुरा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। गुरुवार की रात लगभग 10.15 बजे भाजपा नेता प्रमेंद्र गोस्वामी उर्फ पम्मी पुत्र स्व. बृजेंद्र मोहन गोस्वामी पानीगांव से वृंदावन अपने घर लौट रहे थे। उसी वक्त नए पुल पर आधा दर्जन के आसपास लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट की। इसके बाद वे उसे गोली मारकर मृत समझकर भाग निकले। परिजनों ने गंभीर घायल पम्मी को संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज हेतु रेफर कर दिया। इसके बाद परिजनों ने पम्मी को मथुरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है तथा उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सौ शैय्या अस्पताल में पम्मी ने मीडिया को दिए बयान में बताया कि उनका एक जमीनी विवाद चल रहा है। हालांकि उन्होंने हमलावरों की पहचान से इनकार किया। वहीं पम्मी के छोटे भाई दयाल कृष्ण गोस्वामी ने शुक्रवार को अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है

दुर्घटना में दो की मौत

वृंदावन। थाना जमुनापार क्षेत्र में पानीगांव के समीप हुई स्कूटी और बाइक की भीषण टक्कर में दोनों के चालकों की मौके पर ही मौत हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में मृतक स्कूटी चला रही महिला गोपेश्वर मंदिर की सेवायत लगभग 50 वर्षीय मीनाक्षी गोस्वामी हैं। जबकि बाइक सवार थाना मांट क्षेत्र के गांव ऊधर निवासी युवक गिरधारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार थाना जमुनापार क्षेत्र में मांट पानीगांव रोड पर फक्कड़ बाबा आश्रम के समीप दोनों दोपहिया वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार हुई कि दोनों को चला रहे सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से दोनों को जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में मृत हुए लोगों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

विदाई समारोह बना खट्टी-मीठी यादों का गुलदस्ता

मथुरा। संस्कृति विवि में आयोजित विदाई समारोह 2026 के दौरान अपनी पढ़ाई पूरी कर जा रहे विद्यार्थियों की मायूसी और उदासी को उनके जूनियर्स ने अपनी जबर्दस्त प्रस्तुतियों से हवा में उड़ा दिया। वहीं मंच पर आए हास्य कलाकार सुनील पाल ने सभी को इतना हंसाया कि लोग पेट पकड़ने को मजबूर हो गए। विवि के अधिकारियों ने उत्तीर्ण होकर जा रहे विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विदायी समारोह के मुख्य अतिथि संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने विद्यार्थियों से कहा आज कि शाम आपके जीवन की खूबसूरत शाम है। छात्र जीवन के दिनों की यादें आपके जीवन में हमेशा अनेक भावनाओं के साथ बनी रहती हैं। यहां से जाने के बाद जो भी करें वो ऐसा हो जिससे आपके माता-पिता, शिक्षक और आपका ये विवि गौरवान्वित हो। आप जहां भी रहें खुशहाल रहें। अपने दोस्तों और विवि से हमेशा जुड़े रहें, खूब आगे बढ़ें। विवि की सीईओ डा. श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने विद्यार्थियों को नसीहत देते हुए कहा कि इस उम्र के बच्चे शिकायत करने की आदत डाल लेते हैं। उन्हें हर किसी से, हर बात से शिकायत होती है। इस मामले में वे न अपने माता-माता पिता को बख्शते न अपने संस्थान को। शिकायतें करना बंद करिए, आपको अपना नजरिया बदलने की जरूरत है और हमें क्या मिला है उसको सौगात समझना शुरू कर देंगे तो जीवन में कोई भी आपको आगे बढ़ने से नहीं रोक पाएगा। ऐसा काम करिए जिससे आपके देश, समाज, परिवार और विवि का नाम रौशन हो।

संस्कृति विवि के प्रति कुलपति प्रो.रघुराम भट्ट ने कहा कि आपका पाठ्यक्रम पूरा हो गया है। विवि ने वो सब दिया जो आपकी शिक्षा के लिए आवश्यक था।

विदाई समारोह का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुआ। छात्रा सरस्वती ने अपने भावपूर्ण नृत्य से गणेश वंदना को जीवंत कर दिया। इसी के साथ संस्कृति विवि के विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर प्रस्तुतियां देकर जिनमें गीतों पर नृत्य अधिक थे, सबकी खूब तालियां बटोरीं। मंच पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी प्रदेशों की झांकियां इन प्रस्तुतियों में नजर आईं। छात्रा खुशी लोहिया का एकल नृत्य, भूमिका और उनके दल का समूह नृत्य, ब्रजबाला और नंदिता का बालीवुड मिक्स गीतों पर नृत्य, अल्याना, कोनान्जेल, पवन एवं लाहिरी, गुंजन पाठक, ट्विंकल शर्मा के नृत्यों, छात्र निषांत पांडे के वांसुरी वादन और ओमकार, आयुषमान की गायकी ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। इस दौरान संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने भारतीय परिधानों के साथ रैंप वाल्क किया। इस दौरान विदा ले रहे विद्यार्थियों से रोचक प्रश्न पूछे गए और विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। विदाई समारोह के इस भाग का संचालन छात्र दुर्गेश और नंदनी चतुवेर्दी ने बड़ी कुशलता के साथ किया।

सुनील पॉल की मिमकरी ने जमकर हंसाया

मथुरा। विवि के विदाई समारोह के दौरान जहां विद्यार्थी अपनी खट्टी-मीठी यादों के साथ विचारों में लीन थे वहीं मंच पर आए हास्य कलाकार सुनील पाल ने मौसम ही बदल दिया। उनकी चटखारे भरी टिप्पणियों और तीखे व्यग्य भरे संवादों ने खूब तालियां बटोरीं और हंसी ठहाके लगवाए।

हास्य कलाकार सुनील पॉल ने विश्वविद्यालय की तारीफ में जमकर कसीदे काढ़े और यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बहुत सौभाग्यशाली बताया। सुनील पाल ने मंच पर बालीवुड अभिनेत्री के अपहरण का सैटायर रचते हुए उसको छुड़ाने के लिए बालीवुड के कलाकारों नाना पाटेकर, धर्मेंद्र, मिथुन चक्रवर्ती, जानी लीवर की हूबहू आवाज निकालकर लोगों को खूब हंसाया भी और चकित भी किया। सुनील पाल ने अपनी हाजिर जवाबी, शब्दों के साथ खेलकर उन्हें रोचक रूप देने की कला से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। अपने तीखे व्यग्यों से उन्होंने न मोदी को न ममता, राहुल को बख्शा। हिमेश रेशमियां की नकल करते हुए नाक से गाना गाकर और रानूमंडल की आवाज निकालकर इतना हंसाया कि लोग पेट पकड़ने को मजबूर हो गए। सुनील पाल की इस मस्ती भरी प्रस्तुति के बाद विद्यार्थियों का मनपसंद डीजे मंच पर आ गया और सभी छात्र-छात्राएं देर रात तक जमकर नाचे।

महापौर व नगर आयुक्त ने की स्व-गणना जनता से डिजिटल भागीदारी की अपील

फिरोजाबाद। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का जनपद में विधिवत शुभारंभ हो गया है। शुक्रवार को नगर निगम क्षेत्र में महापौर कामिनी राठौर ने मोबाइल के माध्यम से अपनी स्व-गणना कर इस महाभियान की शुरूआत की। उनके साथ ही नगर आयुक्त प्रशांत नागर ने भी लैपटॉप के जरिए अपनी डिजिटल प्रविष्टि दर्ज कराई। अभियान के दौरान नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त अजय कुमार और कार्यकारिणी समिति के उपसभापति केशव देव कुशवाहा सहित कई पार्षदों ने अपने अपने मोबाइल से स्व-गणना की। प्रक्रिया पूरी होने पर सभी को 12 अंकों का एक विशिष्ट रेफरेंस कोड प्राप्त हुआ। अधिकारियों ने जानकारी दी कि नागरिकों द्वारा स्वयं की गई इस गणना के बाद जारी होने वाले इस 12 डिजिट के कोड को जनगणना के समय आने वाले प्रगणक को दिखाना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर जनगणना निदेशालय लखनऊ से आए नोडल अधिकारी अजीत कुमार सिंह और सहायक नोडल अधिकारी शनि कुमार राय विशेष रूप से मौजूद रहे। उनकी देखरेख में चार्ज अधिकारी रविंद्र प्रताप सिंह और नीरज पटेल ने स्व-गणना की बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में नगर निगम के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को इस पारदर्शी प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया गया। महापौर कामिनी राठौर और नगर आयुक्त प्रशांत नागर ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा स्व-गणना के माध्यम से नागरिक न केवल समय बचा सकते हैं बल्कि डेटा की शुद्धता भी सुनिश्चित कर सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। फिरोजाबाद के सम्मानित नागरिक अपनी डिजिटल भागीदारी सुनिश्चित कर भारत को विकास के पथ पर अग्रसर करने में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

नकबजनी कर दुकान से चोरी करने वाले गिरफ्तार

टूंडला। थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा चोरी नकबजनी करने वाले अभियुक्त को मय चोरी के माल सहित गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा सत्यवीर सिंह पुत्र स्व0 महताव सिंह निवासी ग्राम जरौली कलाँ थाना टूण्डला की दुकान के रोशन दान को तोड़कर सामान व रुपए चोरी करने वाले अभियुक्त पवन पुत्र किशनस्वरुप निवासी ग्राम जरौली कलाँ थाना टूण्डला को गिरफ्तार किया, जिससे चोरी किया हुआ सामान 2 देशी घी के डिब्बे एक फैयर लवली क्रीम एक शान्ति आंवला तेल की बोतल, पांच साबुन लक्स चार साबुन डिटोल कम्पनी के व एक एनबी कम्पनी की सेन्ट की शीशी तथा चोरी किए 5700 रुपये बरामद हुए। थाना पुलिस ने अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

रंजिश में घर में घुसकर हमला, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

जिला संवाददाता (vol)

चौमुहाँ। थाना जैत के गांव बाटी में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने एक घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस द्वारा सुनवाई न किए जाने पर उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद अब कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। ग्राम बाटी निवासी सोनू पुत्र ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनका गांव के ही चेतराम और उसके परिवार से पुराना कानूनी विवाद चल रहा है। सोनू इस मामले में मजबूती से पैरवी कर रहा था, जिससे नाराज होकर विपक्षी पक्ष रंजिश रखने लगा। आरोप है कि 17 नवंबर 2025 की रात करीब 8 बजे जब सोनू का भाई कृष्णा और उसकी पत्नी हेमलता घर पर थे, तभी आरोपी जयपाल, चेतराम, राजपाल और धीरज हाथों में लाठी-डंडे लेकर घर में घुस आए।

पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए कृष्णा पर हमला कर दिया। जब कृष्णा जान बचाने के लिए सीढ़ियों की ओर भागा, तो आरोपियों ने उसे पकड़कर नीचे फेंक दिया। इसी बीच सोनू ड्यूटी से घर पहुँचा और भाई को बचाने का प्रयास किया, तो दबंगों ने उसे भी बुरी तरह पीटा। शोर सुनकर जब मोहल्ले के लोग इकट्ठा हुए, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। सोनू का आरोप है कि घटना के बाद घायल कृष्णा को बेहोशी की हालत में थाने ले जाया गया, लेकिन पुलिस ने न तो रिपोर्ट दर्ज की और न ही घायल का मेडिकल कराया। थक-हारकर पीड़ित ने जिला अस्पताल में भाई का इलाज कराया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को डाक द्वारा प्रार्थना पत्र भेजा।

जब पुलिस प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो पीड़ित ने न्यायालय में गुहार लगाई। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी जैत को मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना करने के आदेश दिए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वृंदावन का अक्रूर घाट बनेगा आस्था और पर्यटन का नया केंद्र, 6.35 करोड़ की परियोजना को मंजूरी

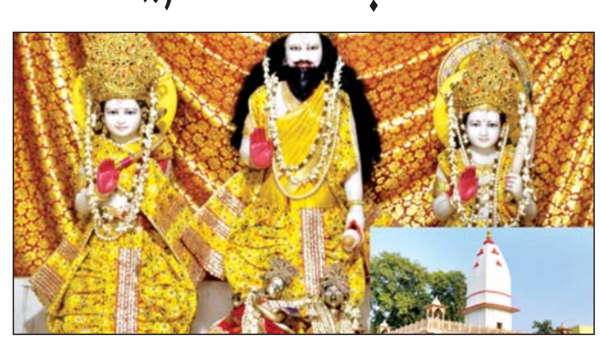

मथुरा। अक्रूर घाट अब धार्मिक आस्था के साथ आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इसके निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के लिए 6.35 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी देते हुए 3.17 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मथुरा-वृन्दावन आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को बेहतर दर्शन अनुभव उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अक्रूर घाट का विशेष पौराणिक महत्व है जहां भगवान श्रीकृष्ण और बलराम से जुड़ी ऐतिहासिक कथाएं प्रचलित हैं। यहां हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर विशाल मेले का आयोजन होता है। सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजना के तहत घाट के विकास के लिए व्यापक निर्माण कार्य किए जाएंगे। इसमें 30 मीटर लंबाई तक शीट पाइलिंग मजबूत एंकर बार की स्थापनाए 5 मीटर चैड़ा स्नान प्लेटफॉर्म लाल पत्थरों से सजी सीढ़ियां और 220 मीटर लंबा जल चैनल शामिल है। इसके अलावा घाट की मजबूती के लिए अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में स्लोप पिचिंग का कार्य भी कराया जाएगा। पौराणिक मान्यता के अनुसार जब अक्रूर जी श्रीकृष्ण और बलराम को मथुरा ले जा रहे थे तब यमुना स्नान के दौरान उन्हें भगवान विष्णु के चतुर्भुज स्वरूप में दिव्य दर्शन हुए थे। इसी कारण यह स्थान आज भी गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। मथुरा आने वाले यात्रियों के लिए अक्रूर घाट तक पहुंचना भी आसान है। यह घाट मथुरा रेलवे स्टेशन से लगभग 16 किलोमीटर और नए बस स्टैंड से करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण मिलेगा। इस अवसर पर वीवीएस संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल वार्ष्णेय ने सरकार के इस सराहनीय कदम की सराहना करते हुए कोटि-कोटि धन्यवाद दिया।

यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस लाइन सभागार कक्ष में गोष्ठी आयोजित

फिरोजाबाद। जनपद पुलिस द्वारा आमजन एवं छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने हेतु लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक लाइन सहायक पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के नेतृत्व में पुलिस लाइन सभागार कक्ष में एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में क्षेत्राधिकारी यातायात एआरटीओ बीएसए तथा जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधकगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विद्यालयों की छुट्टी के समय के समुचित निर्धारण स्कूल वाहनों की फिटनेस चालक एवं परिचालकों के सत्यापन हाईवे स्थित विद्यालयों के सामने बैरियर एवं आवश्यक साइनेज लगाए जाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही सम्बन्धित को यातायात सुरक्षा एवं नियमों के प्रभावी अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

डीएम ने किया निर्माणाधीन सेतु, ग्लास म्यूजियम व ऑडिटोरियम का निरीक्षण

फिरोजाबाद। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने सीडीओ शत्रोहन वैश्य के साथ शहरी यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से सुहाग नगर चौराहे से सुभाष चौक तक निर्माणाधीन महत्वपूर्ण उपरगामी सेतु का स्थलीय निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान परियोजना की प्रगति तकनीकी गुणवत्ता और साइट पर मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कडे.निर्देश दिए, निरीक्षण के दौरान सेतु निगम के अधिकारियों ने परियोजना की वर्तमान स्थिति से डीएमको अवगत कराते हुए बताया इसकी कुल लम्बाई 1291.69 मी0 है, इस परियोजना 72.70 करोड़ की लागत से बन रही है, इसको बनाने का कार्य 30 मार्च 2025 को शुरू किया गया और इसे 31 मार्च 2027 तक पूरा करना है, अभी तक 62 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, निरीक्षण के दौरान डीएम इस बात पर बेहद नाराज हुए जब उन्होने निर्माण स्थल पर कार्यरत मजदूरों को बिना हेलमेट के काम करते हुए देखा डीएम ने सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि विकास कार्य जितना महत्वपूर्ण है, उससे कही अधिक महत्वपूर्ण वहां काम कर रहे मजदूरों का जीवन और सुरक्षा है। सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नही किया जाएगा, सुनिश्चित करें कि प्रत्येक मजदूर अनिवार्य रूप से हेलमेट और सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करें। डीएम ने कार्य की गति और पारदर्शिता को लेकर निर्देश दिए कि परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने हेतु कार्यों में तेजी लाए, ताकि जनता को आवागमन में हो रही असुविधाओं से शीघ्र निजात मिल सके।

निर्माण कार्य की तकनीकी शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए किसी दक्ष थर्ड पार्टी से तकनीकी परीक्षण कराए जाए, निरीक्षण के दौरान सेतु निगम व सम्बन्धित अधिकारियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें। इसके साथ ही डीएम ने सीडीओ के साथ जनपद के निर्माणाधीन ग्लास म्यूजियम और ऑडिटोरियम का स्थलीय निरीक्षण भी किया। और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस भव्य भवन के निर्माण से कही अधिक महत्वपूर्ण इसके दीर्घ कालिक रख-रखाव और स्वच्छता की व्यवस्था सुनिश्चित करना है, निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि परियोजना का 75 प्रतिशत कार्य सम्पादित हो चुका है, शेष कार्य शीर्घ ही पूर्ण कर लिया जाएगा।

डीएम ने निर्देश दिए कि भवन के भविष्य में सुचारू संचालन के लिए अभी से एक प्रभावी ऑपरेटिंग मैकेनिज्म तैयार किया जाए, ताकि इसकी उपयोगिता बनी रहें। उन्होने कहा कि इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढ़ाचे की स्थिरता और यहां की साफ-सफाई का स्तर हमेशा उच्च क्षेणी का बना रहना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नही की जाएगी, जिलाधिकारी ने कहा कि आने वाले समय में यह भवन जिलें की पहचान बनेगा और यहां के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा, इस अवसर पर पर्यटन अधिकारी विशाल श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

वृन्दावन। कोतवाली पुलिस ने नौकरी दिलाने के बहाने एक युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पीतमपुरा, दिल्ली निवासी हर्ष गिरधर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी हर्ष गिरधर करीब तीन माह पूर्व एक युवती को वृन्दावन में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाया था। यहाँ फोगला आश्रम के निकट एक गेस्ट हाउस में आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने दिल्ली के मंडावली थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई थी। चूंकि मामला वृन्दावन कोतवाली क्षेत्र का था, इसलिए करीब एक माह पूर्व केस यहाँ ट्रांसफर किया गया। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी हर्ष गिरधर को पानीघाट तिराहे के समीप से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

गोवर्धन तहसील क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 2 एकड़ भूमि को कराया गया कब्जामुक्त

मथुरा। गोवर्धन तहसील क्षेत्र में लगभग 2 एकड़ सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में नगर पंचायत गोवर्धन ने शुक्रवार राजस्व एवं पुलिस बल की सहायता से यह कार्रवाई की। यह भूमि कान्हा गौशाला के निर्माण के लिए आरक्षित थी। यह कार्रवाई 7 मई 2024 को गाटा संख्या 586 पर की गई, जिसका रकबा 0.817 हेक्टेयर है। एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने बताया कि कान्हा गौशाला की सुरक्षित भूमि से यह अवैध कब्जा हटाया गया है। अतिक्रमण मुक्त कराए गए इस क्षेत्र को अब गौशाला निर्माण कार्य के लिए चिह्नित किया गया है। अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान एसडीएमसुशील कुमार सिंह के साथ अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत गोवर्धन चैतन्य कुमार तिवारी, नायब तहसीलदार जयन्ती मिश्रा, थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह, राजस्व निरीक्षक श्याम बिहारी तरकर और स्थानीय लेखपाल महेन्द्र सिंह मौजूद रहे। इनके अलावा, प्रधान लिपिक मोहन श्याम अग्रवाल, सफाई निरीक्षक नानक चन्द शर्मा तथा नगर पंचायत के अन्य कर्मचारी और पुलिस बल भी मौके पर उपस्थित था। एसडीएम ने पुष्टि की कि अतिक्रमण को पूरी तरह से हटा दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस स्थान पर नगर पंचायत गोवर्धन द्वारा एक वृहद कान्हा गौशाला का निर्माण किया जाएगा।

उप विधान परिषद की याचिका समिति के सभापति ने विभिन्न विभागों संग की समीक्षा

मथुरा। उप्र विधान परिषद की याचिका समिति के सभापति अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न सरकारी विभागों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया गया। अपूर्ण कार्यों पर सख्ती से निर्देश देते सभापति ने कहा जो कार्य अभी तक अधूरे हैं या जिन्हें स्वीकृति नहीं मिली है, उन्हें आगामी जिला पंचायत और लोक निर्माण विभाग के प्रस्तावों में प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाए। जाँच समिति का गठन की जिम्मेदारी सौंपते हुए सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता को निर्देश दिए गए कि पूर्ण हो चुके कार्यों की गुणवत्ता परखने के लिए एक तीन सदस्यीय समिति बनाई जाए। इस समिति में परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी शामिल होंगे, जो स्थलीय निरीक्षण कर एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। बैठक के दौरान सभापति ने सभी विभागों से कार्यों के टेंडर, वर्क-ऑर्डर, कार्य शुरू और पूर्ण होने की तिथि, लागत और स्थलीय निरीक्षण आख्या की विस्तृत जानकारी ली। सभापति अशोक अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे होंने, निर्माण की गुणवत्ता मानक के अनुरूप होनी चाहिए। जनहित के रुके हुए कार्यों को अविलंब चिन्हित कर आगे बढ़ाया जाने को लेकर निर्देशित किया। बैठक में समिति के सदस्य रमा निरंजन, उमेश द्विवेदी, मुकुल यादव और ऋषिपाल सिंह के साथ-साथ जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी भी उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से एसएसपी श्लोक कुमार, एडीएम (प्रशासन) अमरेश कुमार, सीएमओ डॉ. राधावल्लभ, सचिव मौजूद रहे।

जनसुविधाओं के लिए जमीन अधिग्रहण ने पकड़ी रफ्तार

● श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर

मथुरा। वृन्दावन स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर श्रीबांके बिहारी जी मंदिर के आसपास श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विकास और कॉरिडोर निर्माण की दिशा में जिला प्रशासन को एक और बड़ी सफलता मिली है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार जनसुविधाओं के विकास हेतु एक और महत्वपूर्ण रजिस्ट्री संपन्न हुई। हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष ने बताया सरकार और मंदिर प्रबंधन कमेटी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, ताकि ब्रज क्षेत्र का धार्मिक और सांस्कृतिक गौरव विश्व पटल पर और अधिक सुदृढ़ हो सके।

रविंद्र कुमार हाडा, नारायण हाडा और मंजू हाडा ने अपनी भूमि ठाकुर श्री बांके बिहारी जी के नाम तहसीलदार सदर के माध्यम से पंजीकृत कराई। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, अब तक कुल 14 बैनामों के जरिए 1386.82 वर्ग मीटर भूमि की रजिस्ट्री हो चुकी है। इसे बांके बिहारी कॉरिडोर परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) पंकज वर्मा ने बताया कि प्रशासन मंदिर क्षेत्र के आसपास स्थित मकानों और दुकानों के मालिकों से लगातार संपर्क में है। इसका उद्देश्य आपसी सहमति से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा कि शुरूआत में परियोजना का स्थानीय स्तर पर विरोध हुआ था, लेकिन अब लोग कॉरिडोर की आवश्यकता और महत्व को समझने लगे हैं। वर्मा ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण मंदिर क्षेत्र में बेहतर यातायात, सुरक्षा, सुविधाएं और सुगम दर्शन व्यवस्था के लिए कॉरिडोर परियोजना अत्यंत आवश्यक है। इसी वजह से अब स्थानीय लोग भी स्वेच्छा से अपनी भूमि की रजिस्ट्री कराने के लिए आगे आ रहे हैं। सदर तहसीलदार अमित त्रिपाठी की देखरेख में यह रजिस्ट्री संपन्न हुई। प्रशासन ने इसे कॉरिडोर परियोजना की प्रगति की दिशा में एक और सकारात्मक कदम बताया है।

इस पूरी परियोजना की निगरानी एक उच्च स्तरीय समिति कर रही है, जिसके अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार हैं। समिति में जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश सहित गोस्वामी समाज के प्रतिनिधि (शैलेन्द्र गोस्वामी, वर्धन गोस्वामी, दिनेश कुमार गोस्वामी एवं विजय कृष्ण गोस्वामी) शामिल हैं।

कोसीकलां के हॉस्पिटल पर एफआईआर का आदेश

मथुरा। कोसीकलां नगर के निजी अस्पताल में मौत का डर दिखाकर अबॉर्शन कराने और तीस हजार रुपए का खर्चा बताने के मामले में न्यायालय ने कोसीकलां पुलिस को कार्यवाही के आदेश दिये हैं। पैसे ऐंठने की वजह से किये गये इस खेल की शिकायत पीड़ित द्वारा उच्चाधिकारियों तक की गयी लेकिन सुनवाई न होने पर पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली जिसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। बताते हैं कि कोसीकलां निवासी निधि पत्नी गणेश गत 7 अप्रैल को पेट में दर्द हेने पर इलाज के लिए लाइफ लाइन हॉस्पीटल कोसीकलां गयी थी जहां डॉ. सीमा अग्रवाल ने अल्ट्रासाउंड कराया। डॉक्टर ने रिपोर्ट देखकर दावा किया कि निधि को श्मोलक प्रेगनेंसीश है और पेट में ढाई माह का बच्चा है। बच्चे के पैर नहीं हैं और अगर तुरंत अबॉर्शन नहीं कराया गया, तो उसकी जान को खतरा हो सकता है। इस ऑपरेशन के लिए डॉक्टर द्वारा करीब 30,000 का खर्चा बताया गया। घबराई हुई महिला ने जब यह बात अपने पति को बताई तो उन्होंने मथुरा के दूसरे अस्पताल में जांच कराने का निर्णय लिया। 8 अप्रैल को जब शैलसुधा अल्ट्रासाउंड केंद्र पर दोबारा अल्ट्रासाउंड कराया और राधेश्याम मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में डॉ. आरती गुप्ता को दिखाया तो डॉक्टर ने जांच रिपोर्ट देखने के बाद स्पष्ट किया कि निधि प्रेगनेंट ही नहीं है। रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य है। पीड़ित ने एसएसपी, जिलाधिकारी और सीएमओ से इस मामले की शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इतना ही नहीं, शिकायत करने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकियाँ भी दी गई। आखिरकार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मथुरा नितिन कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे संज्ञेय अपराध माना। कोर्ट ने धारा-173 (4) बीएनएस के तहत प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुये प्रभारी निरीक्षक थाना कोसीकलां को इस मामले में उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच करने के निर्देश दिये हैं।

विपक्ष की एकजुटता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत के साथ जीत दर्ज करने के बाद भाजपा ने इस बार सीएम के चयन में लोगों को चौंकाया नहीं। शुभेंदु अधिकारी जिन्होंने ममता बनर्जी को दो बार चुनाव हराया और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी थे, उनको अपनी पहली सरकार का नेतृत्व सौंपकर नये प्रयोग से बचने का प्रयास किया है। यह उचित भी है क्योंकि अगर कोई चौंकाने वाला प्रयोग किया जाता, तो पहले से ही तमाम आरोप लगा रहीं विपक्षी टीएमसी को एक और मुद्दा मिल जाता। अब बंगाल में भाजपा के वायदों को पूरा करना, राज्य में नयी राजनीतिक संस्कृति विकसित करना और सियासी हिंसा के लिए बदनाम बंगाल को फिर से स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श और भयमुक्त सियासी भागीदारी के लिए तैयार करना भारतीय जनता पार्टी और उसकी राज्य सरकार का दायित्व है। लेकिन इससे इतर करारी पराजय के बावजूद ममता बनर्जी ने नया प्रलाप शुरू किया है कि वह 'लोकभवन' जाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। वह चुनाव में हारी नहीं हैं, तो इस्तीफा क्यों दें? वह चुनाव नहीं हारी हैं, बल्कि उनकी 100 सीटें जबरन लूट ली गई हैं। चुनाव आयोग 'मुख्य खलनायक' है और देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की निगरानी में यह 'चुनावी लूट' की गई है। ममता का बेहद गंभीर आरोप है कि मतगणना केंद्र में उनके पेट और उनकी पीठ पर लातें मारी गईं। उन्हें धकिया कर मतगणना केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। ये आरोप हिंसात्मक भी हैं। जब ममता बनर्जी मतगणना केंद्र में गई थीं, तो वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री थीं और भवानीपुर सीट पर उम्मीदवार भी थीं। सवाल और आश्चर्य है कि एक सार्वजनिक स्थल पर कोई भी एक मुख्यमंत्री, महिला मुख्यमंत्री, पर हिंसात्मक हमला कैसे कर सकता है? सुरक्षाकर्मी

कहां थे? ऐसे हमले की प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? क्या कोई साक्षी है उस हमले का? बहरहाल ममता बनर्जी ने 'चुनावी लूट' का नया नारा दिया है। इस मुद्दे पर अब वह सड़कों पर संघर्ष करेंगी और फिर सत्ता में लौटेंगी। बेशक ममता योद्धा किस्म की नेता रही हैं। हार के बाद ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें अथवा न दें, इससे कोई सांविधानिक फर्क नहीं पड़ता है। क्योंकि विधानसभा कार्यकाल पूरा होते ही राज्यपाल ने उन्हें हटा दिया है। अब तो नवनिर्वाचित विधायकों ने अपने नेता का चयन कर लिया है और शुभेंदु के शपथ का रास्ता साफ हो गया है। ममता बनर्जी ने अपने पद से त्यागपत्र न देकर यह जरूर स्पष्ट कर दिया है कि लोकतांत्रिक परंपराओं में उनका कोई भरोसा नहीं है। ममता ने 'चुनावी लूट' का जो प्रलाप शुरू कर राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने से इंकार का जो बयान दिया, वह लोकतंत्र और संविधान के साथ खिलवाड़ माना जायेगा। हमें याद नहीं कि देश में किसी भी मुख्यमंत्री ने, चुनाव हारने के बाद, इस्तीफा देने से इंकार किया हो! लोकतंत्र ने ममता बनर्जी के खिलाफ निर्णायक जनादेश दिया है, उसे विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन और केरलम के मुख्यमंत्री विजयन ने चुनावी पराजय के बाद इस्तीफे दिए। चुनाव परिणाम प्रतिकूल आते ही पद से इस्तीफा देना देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा है। इसे कमजोर करना दरअसल लोकतंत्र को कमजोर करना है। बहरहाल अब ममता बनर्जी के लूट वाले नारे को राहुल गांधी, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, केजरीवाल, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव सरीखे विपक्षी नेताओं ने समर्थन देने का ऐलान किया है। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भविष्य में इंडिया अलायंस ईवीएम, इलेक्शन कमीशन, चुनावी धांधली जैसे नैरेटिव खड़ा कर सरकार को घेरने का प्रयास करेगा। वैसे विपक्ष अपनी असलियत जानता है लेकिन वह गलत नैरेटिव खड़ा करने का प्रयास करेगा। इसलिए सरकार को विपक्ष के इस नकारात्मक रवैये से सतर्क रहते हुए प्रभावी काट तैयार करना होगा।

विचार

ज्ञान द्वारा जिनके पाप धुल गए, वे ईश्वर का ध्यान धरने वाले, तन्मय हुए, उसमें स्थिर रहने वाले और उसी को सर्व मानने वाले लोग मोक्ष पाते हैं।

–श्रीमद्भागवत गीता.

यदि हमारे जीवन को हरा–भरा रखने हेतु, हमारे साथ प्रभु का पक्षपात है। यादें पंख हैं, जो उड़ने को पुरुषार्थ देती हैं।

–माखन लाल चतुर्वेदी.

वेदों के अध्ययन का सार है सत्य भाषण। जीवन का सार है इन्द्रिय संयम और इन्द्रिय संयम का सार है मोक्ष।

–महाभारत.

जब दुष्ट लोग गुट बना लें, तब सज्जनों को भी संगठित हो जाना चाहिए। अन्यथा एक–एक करके सबकी ही बलि चढ़ जायेगी।

–डिक्सन.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रुओं पर विजय पायी जा सकती है।

–कौटिल्य.

कहीं यह किसी साजिश का रिहर्सल तो नहीं?

मनोज वार्ष्णेय

> एक बात यह भी है कि जब हम इन हॉक्स थ्रेट का ही पता नहीं लगा पा रहे तो कोई घटना हो जाने पर क्या करेंगे? क्या पता चल पायेगा कि हॉक्स थ्रेट न होकर यह सही बात थी? और विधानसभा, हाईकोर्ट, बड़े स्कूल, मंदिर जहां पर देश के वीवीआईपी हमेशा आते-रहते हैं, वहां पर ऐसा होने पर क्या सुरक्षा प्लान है अभी तक इसका मॉक ड्रिल हुआ है, यह नहीं लगता। हां, जांच के नाम पर डॉग स्क्वॉयड के साथ सुरक्षाबल खोजबीन करके लौट आते हैं।

देश हॉक्स बम थ्रेट से परेशान है। राजस्थान की विधानसभा, बॉम्बे स्टाक एक्सचेंज, हरियाणा सचिवालय, दिल्ली विधानसभा, मेट्रो रेल, देश के दूसरे हाईकोर्ट को बमों से उड़ा देंगे। हजारों धमकियां ऐसी जिसमें स्कूलों को बम से उड़ाने की हॉक्स बम थ्रेट और हवाई उड़ानों को बाधित करने के लिए हॉक्स बम थ्रेट ऐसे दी जा रही हैं, जैसे मीडिया में सामान्य सूचनाएं- आज पानी नहीं आएगा या विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी प्रकाशित होती हैं। लेकिन दो साल से अधिक होने के बाद भी इन धमकियों की गति कम नहीं हुई है। ऐसा लगने लगा है कि ये किसी बड़ी घटना का मॉक ड्रिल हैं, जो अगर हो गई तो हालात गंभीर हो सकते हैं।

बम ब्लास्ट की गंभीरता ऐसे समझिए कि राजस्थान में वर्ष 2008 में 13 मई को जब सिलसिलेवार बम ब्लास्ट हुए थे, तो पूरा भारत कांप गया था। आस्थाधाम मंदिरों के बाहर इन्हें बिना किसी धमकी के अंजाम दिया गया। तब 70 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और कम से कम 170 लोग घायल हुए थे, परेशान करने वाली बात यह थी कि इसके अभियुक्तों का दर्द आज भी लोग झेल रहे हैं तथा खुद अभियुक्त अभी भी अदालत के चक्कर में फंसे हुए हैं। जरा याद कीजिए दो दशक पहले का समय, जब हम हवाई जहाज में बैठने को एक पर्व मानते थे। उन दिनों को याद कीजिए जब हम बस या रेल में यात्रा करते थे और ये यात्राएं हमारे लिए एक त्योहार जैसे होती थीं। इन सभी यात्राओं में एक समानता होती थी कि जब आप बस या रेल में अपनी सीट पर बैठते तो हमारी नजर सबसे पहले जाती थी उस चेतावनी पर जिसमें लिखा होता था कि सीट के नीचे, लगेज रैक, बस/टेज्न के फर्श पर पड़ी किसी भी लावारिस बैग, टिफिन, पार्सल को न छुएं, शोर मचाएं या अपने परिचालक को सूचित करें। कोई दो दशक पहले ऐसी चीजों में मोबाइल, पेजर तथा घड़ी भी होती थी। पर अब ये सब ओल्ड बातें हो चुकी हैं। अब सीधे ई-मेल से सूचना आती है कि बम से उड़ा दिया जाएगा। राजस्थान में तो विधानसभा को उड़ा देने की अब तक तीन बार धमकियां मिल चुकी हैं। दिल्ली में संसद पर हमला सभी को पता है, हालांकि वह बम से उड़ा देने वाली घटना नहीं थी, पर थी बहुत ही गंभीर। हॉक्स थ्रेट अब सरदार, भाभी-देवर और

प्रेमी-प्रेमिका जैसे चुटकले बन चुकी हैं लेकिन इनको लेकर सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ी हुई हैं। साइबर सेल अत्यंत गोपनीयता से काम कर रहे हैं और मेल आदि का असली श्रोत क्या है, यह एक चुनौती की तरल लिया जा रहा है। अभी तक किसी भी राजनैतिक पार्टी ने या सामाजिक संस्था ने इस हॉक्स थ्रेट राज को खोलने के लिए सरकार से पुरजोर मांग नहीं की है। हर बात पर हल्ला काटने वाले विपक्ष ने भी संसद या दूसरे संसदीय सौंध में इस मांग को लेकर 'वॉक आउट' या हंगामा भी नहीं किया है।

हॉक्स बम थ्रेट से परेशान है देश

पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों को तलाशकर भारत ने अंदर से ही मार गिराया, सर्जिकल स्ट्राइक से डरे आतंकवादी लंबे समय तक उठ नहीं पाए और फिर ऑपरेशन सिंदूर ने सारा काम पूरा कर दिया। मगर हॉक्स थ्रेट कहां से आ रही हैं? कौन दे रहा है, इसके पीछे कौन है जिनकी ताकत से ये नित लोगों को डरा रहे हैं? इसके बाद क्या कहने को बचता है कि जिनके कंधों पर प्रदेश को चलाने का बोझ है वह भी हॉक्स थ्रेट के श्रोतों को पता नहीं लगा पा रहे हैं।

एक अनुमान के आधार पर देशभर में पिछले कुछ महीनों में अभी तक कम से कम तीन हजार से अधिक हॉक्स थ्रेट मिल चुकी हैं। सर्वाधिक आर्थिक नुकसान एयर इंडस्ट्री का हुआ है। धमकी मिलते ही या तो उड़ानें रद्द करनी पड़ी या रास्ते बदले गए या फिर इमरजेंसी लैंडिंग करके यात्रियों को सुरक्षित किया गया। तीनों एयरलाइंस को कोई 300 से अधिक हॉक्स थ्रेट पिछले कुछ महीनों में मिल चुकी हैं। विमानन उद्योग के विशेषज्ञों की मानें तो उड़ान इमरजेंसी में रद्द करने से एक हजार करोड़ से ऊपर का नुकसान हो चुका है और फ्लाइट आदि को सुरक्षित करने के ऑपरेशन, जिसमें जांच आदि शामिल हैं, में भी इससे दो गुना अधिक रकम खर्च हो चुकी है। हॉक्स थ्रेट जहां पर मिलती है, वहां पर स्पेशल जांच विंग के साथ ही डॉग स्क्वॉयड, फायर ब्रिगेड आदि का जो समय खराब होता है, वह देश के दूसरे अपराधों को रोकने या फिर उनकी जांच में खर्च हो सकता है। मगर जब एक साथ सैंकड़ों लोगों की जान की बात आती है, तो उसे प्राथमिकता से देखा जाता है। यूं भारत ही नहीं दुनिया के कई अन्य देशों में भी हॉक्स थ्रेट की सूचनाएं प्रसारित होती हैं। अमेरिका, सिंगापुर जैसे देशों में भी इनका खौफ है। यहां के एयरपोर्ट या दूसरे स्थान सुरक्षा के मामले में भारत से कई गुना आगे हैं। खैर, प्रश्न यह है कि हॉक्स थ्रेट पर हो क्या रहा है? दरअसल पुलिस या उसके जैसे दूसरे सुरक्षाबल जब कोई हॉक्स थ्रेट मिलती है, तो जांच करते हैं और पता चलता है कि यह किसी ऐसी फर्जी मेल से आया है जिसका उपयोग डराने के लिए ही किया गया है। इसे डार्क वेब का भी प्रोडक्ट कह सकते हैं। जहां तक देश की बड़ी सुरक्षा एजेंसियों की बात है? तो वह इसे अभी भी किसी बड़ी साजिश का हिस्सा ही मान रही हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि यह किसी की मजाकिया साजिश है। दिल्ली हाईकोर्ट के जज के मामले में पता चला था कि किसी बेरोजगार ने ऐसा किया। बाद में उसे मानसिक रोगी बताया गया। एक व्यक्ति और 1100 हॉक्स थ्रेट का जनक, यह बात सुनने में भले ही मजाक वाली लगे पर कहीं न कहीं कोई मामला तो है। यदि यह मान लिया जाए कि यह काम कोई बेरोजगार या मानसिक रोगी कर रहा है तो हॉक्स थ्रेट से पहले उसने क्या-क्या किया और उसका समाज में क्या व्यवहार रहा है, इस पर क्या जानकारी आयी? यह माना जा सकता है कि डराने या दुश्मनी निकालने के लिए ऐसा किया जा रहा है पर क्या जो ऐसा कर रहे हैं, वह यह नहीं जानते कि इसकी सजा दस साल तक की कैद, पूरे जीवन के लिए हवाई जहाज या उस स्थान पर जाना प्रतिबंधित कर दिया जाता है? इसके अतिरिक्त सुरक्षाबलों के पूछताछ का तरीका ऐसी सजा होती है, जिससे आत्मा तक कांप जाती है-खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों से। इसके बाद भी हॉक्स थ्रेट थम नहीं रही हैं। अपराधियों ने हॉक्स थ्रेट को अपना हथियार बना लिया है क्या? यह प्रश्न महत्वपूर्ण है? कारण सीधा सा है कि वह हॉक्स थ्रेट देकर कहीं यह, तो नहीं देख रहे कि जरा ढील मिले और वह अपना काम अंजाम दें? क्या इसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश या उनके जैसे किसी सहयोगी देश का हाथ है, जो भारत में हॉक्स थ्रेट के माध्यम से एक आतंक का माहौल कायम रख अपनी किसी बड़ी आतंकवादी घटना को अंजाम देने को तैयार हो रहे हैं? कोई ऐसा देश जो भारत को साइबर के क्षेत्र में मदद कर रहा हो और भारत ने कितनी तरक्की कर ली है यह जांच रहा है? कौन है वह? आखिर भारत जब अन्य मामलों में अपने मित्र देशों से मदद ले सकता है तो फिर इनके लिए वह किस राह पर है?

एक बात यह भी है कि जब हम इन हॉक्स थ्रेट का ही पता नहीं लगा पर रहे तो कोई घटना हो जाने पर क्या करेंगे? क्या पता चल पायेगा कि हॉक्स थ्रेट न होकर यह सही बात थी? और विधानसभा, हाईकोर्ट, बड़े स्कूल, मंदिर जहां पर देश के वीवीआईपी हमेशा आते-रहते हैं, वहां पर ऐसा होने पर क्या सुरक्षा प्लान है अभी तक इसका मॉक ड्रिल हुआ है, यह नहीं लगता। हां, जांच के नाम पर डॉग स्क्वॉयड के साथ सुरक्षाबल खोजबीन करके लौट आते हैं और फिर वहीं रिपोर्ट- यह हॉक्स थ्रेट, महज डराने के लिए दी गई प्रतीत होती है या जांच चल रही है। वैसे अगर हम इतना पता लगा सकते हैं कि पाकिस्तान में आतंकवादी कहां छुपे हैं और उन्हें मार सकते हैं तो हॉक्स थ्रेट का ओरिजनल श्रोत पता लगाने में कहां झोल है?

सोशल मीडिया

पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 11 मई को मुझे एक एक बार फिर वहां जाने का सौभाग्य मिलने वाला है, यह पीढ़ियों के निरंतर संघर्ष को याद दिलाता है। पीएम मोदी.

जीवन में समन्वय

अंतर्दृष्टि

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उसके गुरु, शिक्षक या किसी महापुरुष से मिली शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है। उसी से जीवन के रास्ते तय होते हैं। साधारण इंसान हमेशा ऐसे कृत्यों में संलग्न रहते हैं जिसमें भोग, लिप्सा जैसी चेष्टाएं प्रधान होती हैं लेकिन महापुरुष हमेशा ऐसी प्रवृत्तियों से दूर लोक कल्याण एवं अध्यात्म चिंतन में रत रहते हैं। मनुष्य अनेकानेक क्षुद्र योनियों के कुसंस्कारों से लदे होते हैं। शिश्नोदर परायण पशु प्रवृत्तियों में ही उनका मन रमता और प्रयत्न चलता है। इस स्तर से उबर कर मानवी गरिमा के क्षेत्र में प्रवेश करने की प्रक्रिया आध्यात्म तत्वज्ञान और साधन विधान के सहारे ही संभव होती है। उसका आलोक अंतराल में प्रवेश करता है तो पुण्य परमार्थ की दो प्रवृत्तियां उभरती हैं। पुण्य अर्थात आत्मसंयम, परमार्थ अर्थात् सत्प्रवृत्ति संवर्द्धन में उत्साह। इन्हीं के समन्वय को देवत्व कहते हैं। महामानवों का यह कार्य क्षेत्र है। उनकी विचारणा एवं तत्परता इन्हीं दो प्रयोजनों पर केन्द्रित होती हैं। फलतः वे स्वयं कृतकृत्य होते हैं और अपने सम्पर्क क्षेत्र में शालीनता का वातवरण उत्पन्न करने में चंदन वृक्ष का उदाहरण बनते हैं। यह आध्यात्म क्षेत्र ही देव मानवों की, नर-रत्नों की खदान है। इस विद्या का जब जितना प्रचलन, विस्तारण होता है तब उसी अनुपात में वैयक्तिक प्रखरता और सामूहिक समर्थता की अभिवृद्धि होती है।

सर्वतोमुखी प्रगति का पथ प्रशस्त होता है। चेतना में उत्कृष्टता का स्तर बढ़ने से स्वल्प साधनों को मिल बांटकर खाया और संतोषपूर्ण रहा जा सकता है। जबकि इसमें कमी पड़ने पर आपस में टकराने और नारकीय दुष्प्रवृत्तियों से सवत्र अशांति उत्पन्न करते हैं। भले ही सम्पदा के पर्वत ईर्द-गिर्द ही क्यों न खड़े रहें। इन तथ्यों पर ध्यान देने से आध्यात्म तत्वज्ञान और साधन विधान की व्यवहारिक गरिम प्रकट होती है। यह प्रतिफल ऐसे हैं, जिन्हें अपनाये जाने पर मनुष्य में देवत्व का उदय होना निश्चित है। जहां सज्जनता बढ़ेगी वहां अपनी इसी धरती पर स्वर्ग जैसा वातावरण बिखरा-बिखरा फिरेगा। यही है आध्यात्म की विभूतिवान परिणति, जिसके लिए उसे विचारशीलों द्वारा असाधारण महत्व दिया गया है और उसके महात्मों का वर्णन अलंकारिक आकर्षणों सहित व्यक्त किया है। इसे दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि चेतना को नरक से उबार कर स्वर्ग में पहुंचाने वाली इस विधा को जादूगरी बाजीगरी की पंक्ति में बिठा दिया गया। प्रचलन में अध्यात्म का अर्थ कौतुक, कौतूहल, चमत्कार जैसा माना जाता है और उस आधार पर छुटपुट सी हेराफेरी करने पर विपुल अकर्मण्य लोग परुषार्थ के बल पर वैभव खरीदने में सफल नहीं होते तो इन हथकण्डों के सहारे सम्पत्तिवान और यशस्वी बनने की बात सोचते हैं।

टूट रहे हैं नित नये मैराथन रिकॉर्ड

खेल जगत ● सारिम अन्ना

मैराथन के दीवानों के लिए केन्या के सबस्टियन सावे के कारनामे को देखने का मंजर कभी न भूलने वाला पल रहा- दो घंटे की बाधा को तोड़ना, एक बार नहीं बल्कि एक ही दौड़ में दो बार। ऐसा महसूस हुआ जैसे रियल-टाइम में इतिहास को बनते हुए देखा जा रहा हो। मैं इसे युगों-युगों के लिए दौड़ कहना पसंद करूंगा। सावे ने 42.195 किमी की दूरी को 1:59:30 समय में पूरा किया और उनसे मात्र 11 सेकंड पीछे थे इथियोपिया के योनिफ केजेल्चा और वह भी दो घंटे के भीतर।

लंदन मैराथन में असंभव के आगे से अ हटाकर उसे संभव कर दिया गया। जो बात कुछ वर्ष पहले तक पहुंच के बाहर प्रतीत हो रही थी, उसे अब हासिल कर लिया गया है। मैराथन के दीवानों के लिए केन्या के सबस्टियन सावे के कारनामे को देखने का मंजर कभी न भूलने वाला पल रहा- दो घंटे की बाधा को तोड़ना, एक बार नहीं बल्कि एक ही दौड़ में दो बार। ऐसा महसूस हुआ जैसे रियल-टाइम में इतिहास को बनते हुए देखा जा रहा हो। मैं इसे युगों-युगों के लिए दौड़ कहना पसंद करूंगा। सावे ने 42.195 किमी की दूरी को 1:59:30 समय में पूरा किया और उनसे मात्र 11 सेकंड पीछे थे इथियोपिया के योनिफ केजेल्चा और वह भी दो घंटे के भीतर। इस प्रकार का प्रदर्शन एथलीट्स में विश्वास जगाता है कि उच्चतम बेंचमार्क को भी चुनौती दी जा सकती है। हालांकि मैंने इस रेस को लाइव नहीं देखा था, लेकिन बाद में इसकी पूरी रिकॉर्डिंग देखी और विशेषज्ञों की मदद से इसकी बारीक समीक्षा की। इस तथ्य पर भी चर्चा की कि इस किस्म के प्रदर्शन किस तरह से दौड़ के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं और वह भी ऐसे दौर में जब मानवों को ह्यूमनोइड रोबो से कड़ी चुनौती मिल रही है।

गौरतलब है कि ह्यूमनोइड रोबो ने हाल ही में हाफ मैराथन 50 मिनट 26 सेकंड में पूरी करके मानव रिकॉर्ड को लगभग 7 मिनट से पराजित किया (देखें बॉक्स)। इस पृष्ठभूमि में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि मानव धावक सोचें कि अपनी टाइमिंग को अतिरिक्त बेहतर करने के लिए वह क्या कुछ करें। सीमाएं तो होती ही हैं तोड़ने के लिए और इंसान इस संदर्भ में निरंतर कोशिश में लगा हुआ है, क्योंकि उसे खुद से भी बेहतर करना है और मशीन को भी न सिर्फ अपने पर हावी होने देना है बल्कि उसे पराजित भी करना है। इसलिए यह आश्चर्य नहीं है कि सितम्बर 2003 के बाद से मैराथन के 10 विश्व रिकॉर्ड तोड़े जा चुके हैं। वर्ष 2003 में मैराथन विश्व रिकॉर्ड के लिए औसत स्पीड प्रति किमी के लिए 2 मिनट 58 सेकंड थी, जबकि 26 अप्रैल 2026 को लंदन में विश्व रिकॉर्ड के लिए यह 2 मिनट 50 सेकंड प्रति किमी थी।

जहां तक भारत की बात है तो अप्रैल 2026 के शुरू में सावन बरवाल ने रोटरडैम में 2:11:58 का समय निकालकर 48 वर्ष पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। सावन के लिए इस रिकॉर्ड का बहुत अधिक महत्व है, लेकिन जो कुछ लंदन में हुआ वह उन्हें अतिरिक्त प्रेरित करता है। लंदन में सबसे अधिक नुमायां थी दौड़ की योजना, सावे ने दौड़ का दूसरा चरण पहले चरण की तुलना में अधिक तेजी से पूरा किया। ध्यान रहे कि अब मैराथन 10-10-10 मेथड से दौड़ी जा रही हैं यानी पूरी दूरी को तीन हिस्सों में विभाजित कर दिया जाता है और हर हिस्से में औसत स्पीड अलग रखी जाती है। एक अन्य फैक्टर जो लंदन मैराथन में देखने को मिला वह है 'सुपर शूज' में जबरदस्त विकास। इन नेक्स्ट-जनरेशन के अल्ट्रालाइट शूज में ऊर्जा को वापस लाने वाले फोम के साथ कार्बन प्लेट्स होती हैं, जिससे प्रदर्शन में वृद्धि होती है। कहने का अर्थ यह है कि टेक्नोलॉजी ने मानव प्रयास में सहयोग किया है बल्कि मानव कोशिशों को थोड़ा आसान किया है। सावन एएसआईसीएस मेटा स्पीड शूज इस्तेमाल करते हैं, जिससे उन्हें अपनी टाइमिंग कम करने में मदद मिली है। सावे एडीजेरो एडीऑस प्रो एवो 3 शूज इस्तेमाल करते हैं और उनकी जीत से यह जूते कल्ट स्टेटस इख्तियार कर चुके हैं और एडिडास के शेयर में 2 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

वैसे इस संदर्भ में ग्राउंडवर्क नाइक ने किया। हालांकि उसका ब्रेकिंग 2 प्रोजेक्ट 2017 मोंजा में दो घंटे की सीमा को तोड़ न सका था, लेकिन उसकी वजह से कार्बन-फाइबर शूज के विकास का आंदोलन आरंभ हुआ। 2019 में केन्या के ई-किप्चोगे ने आईएनईओएस 1:59 चैलेंज में 1:59:40.2 का समय निकाला था, लेकिन मुकाबले के अभाव में उसे मान्यता नहीं दी गई। एडीजेरो एडीऑस प्रो एवो 3 में इनोवेटिव फोम, कार्बन-प्लेटेड सोल और अल्ट्रा लाइट मटेरियल का इस्तेमाल किया जाता है। यह 97 ग्राम का है, अपने पूर्ववर्ती जूतों से 30 प्रतिशत हल्का है और रनिंग इकॉनमी को 1.6 प्रतिशत बेहतर कर देता है। सावे के कारनामे को नाइक ने रहस्यपूर्ण पोस्ट से स्वीकार किया- 'घड़ी को पुनः सेट कर दिया गया है। अब कोई फिनिश लाइन नहीं है।' ..और अंत में 'वेल डन' लिखा। लेकिन दौड़ में मुख्य फैक्टर पेसमेकर्स थे। वह किसी भी कुलीन दौड़ का मुख्य केंद्र होते हैं; क्योंकि वह रिदम को बनाये रखने, ऊर्जा को बचाने और बुद्धिमानी से दौड़ की संरचना करने में मदद करते हैं। लंदन में उन्होंने निरंतरता से विभाजन स्थापित किये और हर फेज में आगे दौड़ने वालों को गाइड किया। सावन अक्सर कोलोराडो स्प्रिंग्स में ट्रेन करते हैं, जहां अच्छे पेसमेकर्स की वजह से उनके मैराथन अनुभव में सकारात्मक इजाफा हुआ है और उनको अपनी टाइमिंग में सुधार लाने में मदद मिली है।

मानव बनाम रोबो मैराथन

अप्रैल 2026 में बीजिंग की हाफ मैराथन के दौरान ह्यूमनोइड रोबो ने मानव धावकों को पराजित कर दिया था। चीनी स्मार्टफोन ब्रांड हॉनर द्वारा विकसित 'लाइटनिंग' नामक 169 सेमी ऊंचे रेड रोबो ने अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए 13.1 मील (21 किमी) की दौड़ को 50 मिनट 26 सेकंड में जीता, जबकि वर्तमान में हाफ मैराथन का विश्व रिकॉर्ड (पुरुष वर्ग) 57 मिनट 20 सेकंड का है, जिसे 2021 में जैकब किप्लिमो ने स्थापित किया था। इसका अर्थ यह हुआ कि आधिकारिक मानव हाफ मैराथन विश्व रिकॉर्ड को रोबो ने लगभग 7 मिनट से पराजित किया, जिससे स्पष्ट हो जाता है कि स्वायत्त रोबोटिक्स और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में बहुत तेजी से विकास हो रहा है। गौरतलब है कि इस दौड़ में लगभग आधे रोबो अपने आप दौड़े, जबकि शेष को रिमोट से नियंत्रित किया गया था। इनका प्रदर्शन पिछले साल की प्रारम्भिक दौड़ से बेहतर रहा, जब अधिकतर रोबो दौड़ को पूरा भी नहीं कर पाये थे। यह उपलब्धि इस बात को भी दशार्ती है कि रोबोटिक्स में चीन तेजी से इतनी प्रगति कर रहा है कि वह इंटेलीजेंट मशीन विकसित करने में विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आता जा रहा है। हॉनर व अगिबोट आदि जो रोबो विकसित कर रहे हैं, वह अब ट्रायल फेज से रियल-वर्ल्ड स्थितियों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने लगे हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार की जमीनों पर दौड़ना भी शामिल है। बहरहाल, इनकी स्पीड के बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि यह रोबो अब भी उन जटिल कार्यों में संघर्ष करेंगे जिनमें मोटर स्किल्स की आवश्यकता होगी और मानवों के विपरीत वह बदले हुए अनिश्चित वातावरण के अनुरूप खुद को तुरंत ढाल नहीं सकेंगे।

आप की बात

शिक्षा का स्तर सुधारें

मदरसा एक शिक्षा संस्थान हैं और लाखों का बच्चों एवं देश का इससे भविष्य जुड़ा है। इसलिए सरकार को इनको ठीक करने, इनको सुधारने के लिए हर तरह से प्रयास करना चाहिए। लेकिन कुछ लोग होते ही ऐसे हैं जो इसी ताक में रहते हैं कि विवाद का कोई मौका मिले जिसमें पैर अड़ाकर वे अपनी मौजूदगी का प्रदर्शन कर सकें। राजनीति में तो खैर अधिकांश इसी वर्ग से आते हैं। इसीलिए नेता किसी मुद्दे पर चाहे जितना बोलें, चाहे जितने बहस, विश्लेषण करें, लेकिन कभी सच नहीं बोलेंगे। वे जितना अधिक बोलेंगे, उतना ही उलझाते रहेंगे और लोग उसमें उलझते, फंसते व भ्रमित होते रहेंगे। सियासत का इसी में स्वार्थ है और सियासी लोग ऐसे ही अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं। शिक्षा के साथ कोई भी सियासत नहीं होनी चाहिए। मदरसा में लाखों छात्र बढ़ते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि इनमें शिक्षा और प्रशिक्षण का स्तर सुधारें ताकि यहां पढ़ने वाले छात्रों को बेहतर स्किल और प्रशिक्षण प्राप्त हो सके।

मनीष कुमार सिंह, लखनऊ.

औद्योगिक प्रशिक्षण

देश में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार कौशल विकास मिशन चला रही है लेकिन एक लंबे समय से इसकी गतिविधियां ठप हैं। कोरोना काल में दो वर्ष तक सब कुछ ठप रहा। ऐसे में रोजगार सृजन बहुत जरूरी है इसलिए सरकार को कौशल विकास मिशन को तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए और सबको प्रशिक्षण का अवसर देना चाहिए। शिक्षा और प्रशिक्षण की सुविधाएं जैसे-जैसे बढ़ रही हैं उसी गति से देश में कुशल एवं शिक्षित श्रम तैयार हो रहा है और देश के श्रमबल में हर साल बड़े पैमाने पर नये युवा जुड़ रहे हैं लेकिन इनके रोजगार के लिए कोई उपयुक्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बेरोजगारी बढ़ रही है। युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाना और सबके लिए काम की व्यवस्था करना भारत और राज्यों के सरकारों की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास मिशन और मुद्रा योजना चला रही है लेकिन देखने में यह आया है कि बैंक बड़े-बड़े लोन तो आसानी से दे देते हैं और डूबा भी बैठते हैं लेकिन बेरोजगार युवाओं को कारोबार शुरू करने के लिए एक-दो लाख का लोन देने में बड़ी अनाकानी करते हैं। इसलिए सरकार को स्वयं कर्ज उपलब्ध कराना चाहिए।

आलोक कुमार भट्ट, लखनऊ.

संक्षेप

अवध विवि में फार्मेसी संस्थान की सीटें बढ़ीं

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी को फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा विश्वविद्यालय को बी.फार्मा में इस वर्ष से 60 सीटों के स्थान पर की 100 सीटों पर प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है।साथ ही डीफार्मा की 60 सीटों का नवीकरण प्रदान किया है।इस वर्ष से संस्थान को 02 विषयों में एम.फार्म के संचालन की अनुमति प्राप्त हुई है। वर्तमान सत्र से फार्मास्यूटिक्स (15 सीटें) एवं फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री (15 सीटें) में एमफार्म में विश्वविद्यालय छात्रों को प्रवेश प्रदान करेगा।

कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार और गुणवत्तापूर्ण फामेर्सी शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इससे विद्यार्थियों को आधुनिक शोध एवं उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा। इस उपलब्धि पर निदेशक प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि ह्लयह स्वीकृति हमारे संस्थान के शैक्षणिक विस्तार और उच्च अध्ययन प्रदान करने हेतु फामेर्सी शिक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

एनएच-27 पर 190 करोड़ से बनेंगे पांच अंडरपास

जिला संवाददाता

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या निरंतर विकास और आधुनिक सुविधाओं की ओर अग्रसर है। इसी क्रम में अयोध्या की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित, सुगम एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह पहल न केवल आमजन को बेहतर यातायात सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि सड़क सुरक्षा को मजबूत करते हुए स्मार्ट सिटी की अवधारणा को भी साकार करेगी।राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 के रामसनेही घाट-अयोध्या खंड पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा लगभग 190 करोड़ रुपये की लागत से पांच नए अंडरपासों का निर्माण किया जाएगा। इन अंडरपासों के बनने से स्थानीय निवासियों, किसानों और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। एनएचएआई के अनुसार, रामसनेही घाट से अयोध्या खंड पर अकुर्ना, रानीमऊ, कुढ़ा सादात, भेलसर एवं सट्टी चैराहा सहित कुल पांच स्थानों पर अंडरपास बनाए जाएंगे। ये सभी स्थान पहले सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा ब्लैकस्पॉट के रूप में चिन्हित किए जा चुके हैं, जहां पिछले वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं की कई घटनाएं दर्ज की गई हैं।

- दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक, ब्लैकस्पॉट खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम
- अकुर्ना से सट्टी चैराहा तक निर्माण कार्य तेज
- अयोध्या-गोरखपुर हाईवे पर सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए साइनेज और चेतावनी बोर्ड लगाये जायेंगे

अंडरपासों के निर्माण से राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज गति से दौड़ने वाले वाहनों और स्थानीय आवागमन के बीच अलगाव सुनिश्चित होगा, जिससे जन-धन की हानि को रोका जा सकेगा। स्थानीय किसानों और निवासियों ने इस परियोजना का स्वागत किया है। अंडरपास बनने से बच्चों को स्कूल भेजने और खेत जाने में आसानी होगी। इसी तरह रानीमऊ गांव की महिलाएं भी इस विकास कार्य से बेहद खुश हैं।एनएचएआई के परियोजना निदेशक अवनीत सिद्धार्थ ने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा यातायात के सुचारु प्रवाह को बढ़ावा देना है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद स्थानीय किसान अपने खेतों तक जाने के लिए सुरक्षित मार्ग का उपयोग कर सकेंगे। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बिना किसी जोखिम के सड़क पार कर सकेंगे। उन्होंने कहा, परियोजना के पूरा होने से न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात का दबाव भी कम होगा। वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित हो सकेगी। एनएचएआई ने निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए प्रारंभिक प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। शीघ्र ही कार्य में तेजी लाई जाएगी।

सड़क की दूसरी पैमाइश में मोइया कपूरपुर गांव में मची हलचल

सोहावल-अयोध्या। तहसील के राजस्व प्रशासन ने मोइया कपूरपुर गांव में नापजोख की है।निषाद पार्टी के नेता के हाट मिक्स प्लांट कार्यालय को सड़क की जमीन में बताकर गिरवाने की तैयारी में है।जिसके लिए शुक्रवार को दूसरी बार राजस्व विभाग की टीम ने पूरी सड़क की पैमाइश की है।जिसके बाद पूरे गांव में खलबली मच गयी है।हाट मिक्स प्लांट का कार्यालय सड़क की जमीन में बताया गया है।

- तहसील प्रशासन की कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू, गिरेंगे तो कितने घर

इसके साथ ही आधा दर्जन से ज्यादा ग्रामीणों के घर भी पैमाइश के दौरान सड़क के जमीन के अतिक्रमण में निकलकर सामने आये।जिसे लेकर पूरे गांव में हड़कंप मचा हुआ है।निषाद पार्टी से चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके कुंडौली गांव निवासी नेता करुणाकर पाण्डेय ने मोइया कपूरपुर गाँव निवासी संजीव सिंह की जमीन एग्रीमेंट पर लेकर करोड़ों का हाट मिक्स प्लांट जनवरी 2026 में स्थापित किया।इसके शुरू होते ही ग्रहण लगने शुरू हो गये।सियासी दाँवपेंच में प्रदूषण विभाग ने पहले अपनी एनओसी वापस ली। अब राजस्व विभाग इसके कार्यालय को अवैध कब्जे की जमीन बताकर मुक्त करने की तैयारी कर रहा है।

जिलाधिकारी को दिए गये शिकायती पत्र पर तहसील प्रशासन ने दो बार सड़क के किनारे बने आवासों की भी नाप जोख की है। गाटा संख्या 859 के बगल बनी बीस मीटर चैड़ी सड़क का मामला प्रशासन के लिये सिरदर्द बन चुका है। अतिक्रमण की जद में आये प्लांट का कार्यालय ध्वस्ती करण के निशाने पर है।

1 हिस्ट्रीशीटर सहित 9 शातिर चोर गिरफ्तार, तंमचा, कारतूस, चाकू, स्मैक, नगद, वाहन बरामद

बाराबंकी। थाना सतरिख पुलिस टीम ने 1 हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त सहित 9 शातिर अभियुक्तों को तंमचा कारतूस, चाकू, स्मैक, नगद, वाहन बरामद करते हुये गिरफ्तार किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने अभियुक्त रसूले उर्फ बड़कऊ पुत्र बोटिया उर्फ गोटिया निवासी ग्राम पिपरौली थाना बड्डूपुर, किशन बेडिया पुत्र प्रेम बेडिया निवासी ग्राम केसरीपुर मजरे त्रिलोकपुर थाना मसौली, राजन कुमार पुत्र मनिया उर्फ मनिराम निवासी त्रिलोकपुर थाना मसौली, शिवा रावत पुत्र महादेव निवासी किस्तीपुर मजरे तीरगांव थाना सतरिख, गगन पुत्र विक्रम निवासी ग्राम तीरगांव थाना सतरिख, कुंदन बेडिया पुत्र श्यामदुलारे निवासी ग्राम इटौंजा थाना बड्डूपुर, सुदीप कुमार बेडिया उर्फ कल्लू पुत्र नरेश निवासी तीरगांव थाना सतरिख, छोटू महावत पुत्र लल्लू निवासी ग्राम लखैया थाना सतरिख, अशोक नट पुत्र शकील निवासी परवरभारी थाना बड्डूपुर को एक अदद देशी तमंचा मय 2 अदद जिंदा कारतूस, दो अदद चाकू, 9.64 ग्राम स्मैक, दो अदद मोटी रस्सी, 12 लकड़ी की फंटी, 6000 रु0 नगद, घटना में प्रयुक्त एक अदद वाहन पिकअप बरामद करते हुये गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

बाराबंकी। असमय वर्षा एवं ओलावृष्टि से हुई किसानो की फसल क्षति का आकलन करवाकर मुआवजा व राहत दिलाये जाने को लेकर काग्रेंस सांसद तनुज पुनिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है।पत्र मे कहा गया है कि जनपद में हाल ही में हुई असमय वर्षा के कारण किसानों की फसले मेंथा, पान, आम, तरबूज, खरबूजा एवं मौसमी सब्जियों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गयी है।साथ ही प्राकृतिक आपदा के कारण न केवल कृषि उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पडा है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का संकट भी उत्पन्न हो गया है। अनेक किसानों की पूरी फसल नष्ट होने से उनके सामने परिवार के भरण पोंषण तथा आगामी खेती की तैय्यारी में गम्भीर कठिनाइयां उत्पन्न हो रही है। काग्रेस सांसद ने प्रभावित क्षेत्रों का त्वरित सर्वेक्षण कराकर क्षति का आकलन कराये जाने व पीडित किसानों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा एवं राहत प्रदान किये जाने की मांग की है।

जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता

अयोध्या। स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए शुक्रवार की सुबह जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी जिला अस्पताल पहुंचे। करीब एक घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्डों में जाकर मरीजों और तीमारदारों से बातचीत की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने दवाओं की उपलब्धता, स्टाफ की मौजूदगी और अस्पताल की साफ-सफाई की स्थिति देखी। कुछ मरीजों और तीमारदारों ने इलाज से जुड़ी समस्याएं भी बताईं, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि अस्पताल में डॉक्टरों की कमी सामने आई है। इसे दूर करने के लिए शासन को जल्द पत्र भेजा जाएगा, ताकि पर्याप्त संख्या में डॉक्टर उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मरीजों को इलाज में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए और अस्पताल की व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ समेत स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि विवि के ठंडे बस्ते में अवैध कटान का मामला

मिल्कीपुर-अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज परिसर में हुए अवैध कटान का मामला अब विश्वविद्यालय के ठंडे बस्ते में जाता नजर आ रहा है। क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा संपत्ति अधिकारी को मामले में कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिए जाने के बावजूद भी संपत्ति अधिकारी अवैध कटान प्रकरण को पूरी तरह से दबाने में जुटे हैं। इससे साफ प्रतीत होता है कि कहीं अवैध कटान के पीछे संपत्ति अधिकारी द्वारा ही लुका छुपी का खेल तो नहीं खेला जा रहा है। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारीको जरूर हटा दिया है। बताते चलें कि कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित एक विशालकाय हरे-भरे आम के पेड़ को अवैध रूप से काटकर लकड़ी को बिना विश्वविद्यालय प्रशासन की अनुमति के विश्वविद्यालय परिसर से बाहर किया जा रहा था।

- पखवारे पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में काट दिया गया था हरा भरा आम का पेड़
- अवैध कटान प्रकरण को संपत्ति अधिकारी पूरी तरह से दबाने में जुटे

चर्चा है कि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ शम्भू प्रसाद ने लकड़ी ले जा रहे वाहन को रोक लिया था और पूछ ताछ शुरू की तो मामला कुछ और निकला था। फिर क्या था, इस गोरखधंधे में शामिल विश्वविद्यालय कर्मियों ने उक्त लकड़ी को हटा कर विश्वविद्यालय परिसर स्थित मछली बीज उत्पादन तालाब संख्या एक से पांच के बगल डंप कर दिया था। तब से विश्वविद्यालय में मामला रफा दफा करने के लिए खिचड़ी अंदर खाने में पकाई जा रही है।घटनाक्रम के बारे में विश्वविद्यालय के संपर्क अधिकारी डॉ सीताराम मिश्रा ने पहले तो बताया था कि ऐसा कोई मामला मेरे संज्ञान में ही नहीं है।जबकि लकड़ी पकड़े जाने को लेकर चचाओं में आए डॉ शंभू प्रसाद ने बताया था कि मेरे द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जबकि आज तक उक्त प्रकरण में कोई भी जांच कमेटी ही नहीं गठित हो सकी है। विश्वविद्यालय के संपत्ति अधिकारी डॉ सीताराम मिश्रा ने बताया था कि हॉस्टल मैस में गैस की किल्लत के चलते लकड़ी काटी गई है। विश्वविद्यालय परिसर में विशालकाय एवं हरे भरे आम के पेड़ कोकाटे गए पखवाड़े बीत गए लेकिन विश्वविद्यालय के संपत्ति अधिकारी द्वारा अब तक मामले मेंकोई प्रभावी कार्यवाही अथवा अवैध कटान के संबंध में कोई विस्तृत रिपोर्ट ही विश्वविद्यालय प्रशासन को हस्तगत कराई जा सकी है। वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी एस प्रमाणिक ने बताया था कि अवैध कटान का मामला जानकारी में आया है, कार्यवाही कराई जाएगी। लेकिन सब ढाक के तीन पात है और विश्वविद्यालय के संपत्ति अधिकारी के प्रभाव के चलते अब तक की कार्यवाही सिफर रही।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक 12 मई को

बहराइच। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र बहराइच ने बताया कि 12 मई 2026 को अपरान्ह 05:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु समिति एवं एम.ओ.यू. से सम्बन्धित बैठक आहूत की गई है। उपायुक्त उद्योग ने जिले के उद्यमियों, व्यापारियों एवं निर्यातकों से अपेक्षा की है कि बैठक में समय से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से समिति को अवगत करायें।

जनपद में धारा 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू

बहराइच। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स का अनुपालन कराते हुए बकरीद, मोहर्रम आदि आगामी त्योहारों एवं कार्यक्रमों, उ.प्र. लेखपाल मुख्य परीक्षा, बी-एड परीक्षा, टी.ई.टी. परीक्षा, आरक्षी नागरिक पुलिस, प्रवक्ता एवं अन्य आयोजित परीक्षाओं सकुशल सम्पन्न कराये जाने के मद्देनजर जनपद बहराइच के समस्त सीमा क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जनसुरक्षा कायम रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्टेªट अमित कुमार द्वारा भा.ना.सु.संहिता 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है।अपर जिला मजिस्टेªट श्री कुमार द्वारा जारी आदेश के समस्त 28 प्रस्तर 08 मई 2026 से 03 जुलाई 2026 जनपद बहराइच के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी रहेगा। इन आदेशों का अथवा इनके किसी भी अंश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

हैदरगढ़ के दर्जनों स्कूलों में पहुंचे पीटीओ, मानकों की सघन जांच

जिला संवाददाता

बाराबंकी। सड़कों पर मानकों का उल्लंघन कर फरार्टा भरने वाले स्कूली वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग ताबड़तोड़ कार्यवाही करने में जुट गया है। आज शुक्रवार को हैदरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत संचालित दर्जनों स्कूलों में यात्री मालकर अधिकारी रवि चंद्र त्यागी ने पहुंच स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, ड्राइवर लाइसेंस सहित सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों की सघन जांच की। तथा यूपी इंटीग्रेटेड स्कूली व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल पर वाहन की समस्त जानकारी अपलोड किये जाने को लेकर निर्देशित किया।

- बिना परमिट, फिटनेस के मिली 1 स्कूली वाहन सीज, 4 वाहनो के चालान

इस दौरान प्रबन्धको, प्रधानाचार्यो को नियमों का उल्लंघन करते मिलने पर वाहनों के खिलाफ कडी कार्यवाही किये जाने की चेतावनी भी दी।

इस दौरान यात्री मालकर अधिकारी ने चेकिंग के दौरान बिना फिटनेस, परमिट के मिली 1 वाहन को थाना असंद्रा में सीज एवं 4 वाहनों के चालान किये।

डीएम ने बांटी पोषण पोटली, सीएमओ ने किया रक्तदान

बहराइच। मानवता, सेवा और बंधुत्व के संदेश के साथ गुरुवार को जिले में विश्व रेडक्रॉस दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम ह्ययूनाइटेड इन ह्यूमैनिटीह्व यानी ह्लमानवता के लिए एकजुटह्व रही, जिसका उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों की सहायता करना तथा जाति, धर्म, भाषा और सीमाओं से ऊपर उठकर समाज में मानवता, सेवा और बंधुत्व की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं, रक्तदान और जरूरतमंदों की मदद से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने किया। डीएम ने क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित करते हुए कहा कि इस बीमारी से लड़ाई केवल दवाओं से नहीं, बल्कि समाज के सहयोग और बेहतर पोषण से भी जीती जा सकती है।

इस दौरान कुल 25 टीबी ग्रसित बच्चों को गोद लिया गया, जिनमें से दो बच्चों के उपचार और पोषण का संकल्प स्वयं जिलाधिकारी ने लिया।उधर, सोसायटी के सचिव एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने मेडिकल कॉलेज में आयोजित रक्तदान शिविर में स्वयं रक्तदान कर मिसाल पेश की। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है।

इस मौके पर रेड क्रॉस सोसायटी की प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्य पुत्तीलाल बाजपेयी ने संस्था के गौरवशाली इतिहास और सेवाभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रेडक्रॉस आज भी मानव सेवा और आपदा सहायता का मजबूत माध्यम बना हुआ है।कार्यक्रम के दौरान पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों को अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने स्नेहपूर्वक फल वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर बच्चों और उनके अभिभावकों को पोषण, स्वच्छता तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई।

इसके अलावा जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर संगोष्ठी और स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर टीबी एवं गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग की गई। साथ ही लोगों को नियमित जांच, संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया गया।

इस मौके पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी बहराइच के आजीवन सदस्य सीएमएस डॉ. एम.एम. त्रिपाठी, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एम.एल. वर्मा, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, अस्पताल प्रबंधक मो. रिजवान, शरद श्रीवास्तव और स्टाफ नर्स सीमा सहित सीफार संस्था के प्रतिनिधि व कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर साले और जीजा की मौत

बहराइच। जिले के फखरपुर थाना क्षेत्र में देर रात सड़क हादसे में साले व जीजा की मौत से कोहराम मच गया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ।बौंडी थाना क्षेत्र समदा बाजार के रहने वाले अमन नाम के युवक की गुरुवार को हुजूरपुर थाना क्षेत्र में स्थित गुलहरिया ग्राम में रहने वाली गीता नाम की युवती के साथ शादी होनी थी ।सभी लोग हंसी खुशी बारात लेकर पहुंचे थे ।देर रात अमन का छोटा भाई दीपक अपने बहनोई राकेश के साथ बाइक से वैवाहिक कार्यक्रम के शामिल होने के लिए निकला , जब वो लोग कुंडसार वजीरगंज मार्ग पर स्थित अखनापुर ग्राम के पास पहुंचे तभी करीब 11 बजे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी ।

हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया आस पास के ग्रामीणों ने घटना की जानकारी फखरपुर पुलिस को दी , जिसके बाद थाना प्रभारी संजीव चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे ।लेकिन तब तक दोनो की मौत हो चुकी थी ।इसकी सूचना मिलते ही बारात में कोहराम मच गया लोग आनन फानन में घटना स्थल पर पहुंचे ।एक ही परिवार के दो लोगों की मौत के बाद दुल्हा भी बिना शादी के मौके पर पहुंच गया ।मृतक राकेश की चार साल पहले अमन की बहन के साथ शादी हुई थी उसकी एक तीन साल की बेटी है ।वही मृतक दीपक अविवाहित था ।थाना प्रभारी फखरपुर ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है ।दुर्घटना करने वाले वाहन की तलाश में पुलिस टीम को लगाया गया है ।

मुसलमानों को 18 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा सपा की सिर्फ एक सियासी चाल थी: वसीम राईन

जिला संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक बनाकर इस्तेमाल करने वालों की सच्चाई अब धीरे-धीरे सामने आ रही है।

मुसलमानों को 18 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा करने वाली सपा ने सत्ता में आते ही इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली। उक्त उद्गार सट्टी बाजार स्थित ऑल इण्डिया पसमांदा मुस्लिम महाज कार्यालय पर आयोजित बैठक मे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने कही।

- सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में भारत में पसमांदा मुसलमानों की हालत दलितों से भी बदतर

उन्होने सपा के इस धोखे को उजागर करते हुए कहा कि केवल सपा ही नहीं बल्कि उन धर्मगुरुओं पर भी सवाल उठाए जो इस झूठ में शामिल रहे हैं। 2012 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा ने मुसलमानों को 18 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था।

इस वादे को पुख्ता दिखाने के लिए मौलाना फिरंगी महली, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सदर मौलाना मदनी, बुखारी आदि जैसे कई धर्मगुरु भी इस राजनीति का हिस्सा बने। इन लोगों ने सपा को समर्थन दिया और मुसलमानों से अपील की कि वे इस पार्टी को जिताएं।

लेकिन जब सपा सत्ता में आई, तो इस वादे को एक बार भी दोहराने की जहमत नहीं उठाई।

इससे साफ हो गया कि यह सिर्फ मुसलमानों को धोखा देने की एक सियासी चाल थी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राईन ने कहा कि अब मुसलमानों को अपनी सियासी ताकत को पहचानना होगा और उन लोगों को चुनना होगा जो सिर्फ वादा नहीं, बल्कि उसे पूरा भी करें। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में यह साबित हो चुका है कि भारत में पसमांदा मुसलमानों की हालत दलितों से भी बदतर है।

शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सरकारी नौकरियों में मुसलमानों की भागीदारी बहुत ही कम है। अगर यही हाल रहा और मुसलमान झूठे वादों और सियासी खेल का शिकार होते रहे, तो आने वाले समय में उनकी हालत दलितों से भी ज्यादा खराब हो जाएगी।

इस अवसर निसार राईन, अशफाक राईन, शफीक राईन, अब्दुल्ला राईन, इमरान अंसारी, मोमिन राईन, जावेद राईन, अब्दुल मजीद, मोहम्मद आरिफ, गुफरान, गुलजार कुरैशी आदि मौजूद रहे।

चकबंदी कार्यों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

अयोध्या। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक कर जनपद में संचालित चकबंदी कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में उन्होंने चकबंदी वाले गांवों की संख्या, प्रकरणों की स्थिति तथा लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन गांवों में चकबंदी कार्य लंबित हैं, वहां तेजी से कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित सभी प्रकरणों की प्रतिदिन सुनवाई कर उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि तीन से पांच वर्ष के बीच लंबित प्रकरणों की वैकल्पिक दिवसों पर नियमित सुनवाई करते हुए उनका भी समयबद्ध निस्तारण कराया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

दर्जनो थोक दुकानो और गोदामो का निरीक्षण, 3 औषधि का नमूना संग्रहीत

बाराबंकी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त के निर्देश पर कोडिनयुक्त कफ सिरप एवं नारकोटिक्स औषधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला औषधि निरीक्षक राजिया बानो ने थोक मेड़िकल स्टोरो व गोदामो का औचक निरीक्षण किया। औषधि निरीक्षक ने आज शुक्रवार को जंहागीराबाद स्थित वर्मा मेडिकल स्टोर, टेरा दौलतपुर, सदरूददीनपुर स्थित वीरेन्द्र मेडिकल स्टोर, अयोध्या वर्मा मेडिकल स्टोर, वर्मा मार्केट शाहबपुर स्थित प्रज्ञा फार्मा का निरीक्षण करते हुये प्रतिष्ठान का औषधि लाइसेन्स, लाइसेन्स प्रकार, प्रतिष्ठान का किरायानामा, भवन स्वामी का वैध अभिलेख, प्रतिष्ठान में जाने का मार्ग भण्डारण हेतु पर्याप्त व्यवस्था, फार्मासिस्ट, कॉम्पीटेन्ट पर्सन की उपस्थिति की जांच की। जाँच उपरांत प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों को निरीक्षण आख्या में अंकित कर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। तथा वीरेन्द्र मेडिकल स्टोर पर फर्म के फार्मासिस्ट एवं प्रोपराइटर की अनुपस्थिति होने पर फार्मासिस्ट एवं प्रोपराइटर का सत्यापन कराने तक औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 22(1)(क) के तहत शिड्यूल औषधियों के क्रय विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर विक्रयार्थ प्रदर्शित औषधियों में से 3 औषधि का नमूना संग्रहित कर जांच एवं विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजा।

- कोडिनयुक्त सिरप, नारकोटिक्स औषधि के विरुद्ध औषधि निरीक्षक राजिया बानो ने चलाया सघन अभियान

भाजपा नेता व दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष का निधन , जिले में शोक की लहर

बहराइच। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व मां दुर्गा हिन्दू पूजन महासमिति के अध्यक्ष सुदामा मिश्रा (67 वर्ष) का हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया। शुक्रवार को त्रिमुहानी घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।सुदामा मिश्रा अपने सरल स्वभाव, सौम्य व्यक्तित्व और संगठन क्षमता के लिए पूरे जनपद में विशेष पहचान रखते थे। वे वर्षों से भाजपा संगठन और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। उनके निवास पर अंतिम दर्शन के लिए सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। भाजपा पदाधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

एसपी ने परेड का किया निरीक्षण

बहराइच। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी/ कर्मचारीगण को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया ।परेड के दौरान अनुशासन व एकरूपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई । परेड के उपरान्त शस्त्रों का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन परिसर स्थित परिवहन शाखा समेत विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा पुलिस लाइन की बेहतर साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया ।तत्पश्चात महोदय द्वारा पुलिस लाइन के आदेश-कक्ष में सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के सम्बन्ध में सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन , तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षेप

सैमसंग का मिनी एलईडी टीवी लॉन्च

नयी दिल्ली। सैमसंग इस साल भारत में अपने 30 शानदार साल पूरे कर रहा है। इस मौके पर कंपनी ने अपनी नई मिनी एलईडी टीवी रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। ये टीवी ज्यादा चमकदार और बेहतरीन तस्वीर तथा एआई-पावर्ड फीचर्स के साथ होम एंटरटेनमेंट को नए सिरे से परिभाषित करते हैं। सैमसंग मिनी एलईडी को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक आधुनिक तकनीक पहुंचाने के लिए डिजाइन किये हैं।42,990 रुपये की शुरूआती कीमत से उपलब्ध सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी 43 इंच से लेकर 100 इंच तक के स्क्रीन साइज में आते हैं, जो हर तरह के ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। इनका मेटलस्ट्रीम डिजाइन विमान की बनावट से प्रेरित है, जो एक आकर्षक, अल्ट्रा-स्लिम बेजल वाली सिंगल-मेटल बॉडी के साथ किनारे से किनारे तक का शानदार व्यूइंग अनुभव देता है। उन्नत तकनीक, एआई फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन के इस संयोजन के साथ सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी नेक्स्ट-जेन एंटरटेनमेंट को सबकी पहुंच में लाते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी एम और एफ सीरीज पर मिलेंगे स्पेशल ऑफर

नयी दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने आज गैलेक्सी एम17 सीरीज, गैलेक्सी एम36 5जी, गैलेक्सी एम56 5जी, गैलेक्सी एफ70ई 5जी और गैलेक्सी एफ36 5जी स्मार्टफोन्स पर 8 मई से स्पेशल कीमतों का ऐलान किया। ग्राहक इन डिवाइसेस को बेहतरीन कीमत पर खरीद सकते हैं और बेहतर पहुंच, रचनात्मकता एवं और प्रोडक्टिविटी का अनुभव ले सकते हैं। हर डिवाइस में हाई-रेजोल्यूशन कैमरा सिस्टम, मजबूत डिजाइन, एआई-पावर्ड टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट जैसी एडवांस्ड तकनीकें दी गई हैं।गैलेक्सी एम17 सीरीज, जो अपने प्राइस सेगमेंट में अमेजन पर नंबर 1 बिकने वाला स्मार्टफोन है*, इसमें गैलेक्सी एम17 5जी और एम17ई 5जी स्मार्टफोन शामिल हैं। गैलेक्सी एम17 5जी में साफ और स्थिर फोटोग्राफी के लिए 50एमपी ओआईएस ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, शानदार विजुअल्स के लिए ब्राइट और शानदार सुपर एमोलेड डिस्प्ले और अतिरिक्त मजबूती के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन दिया गया है।

बांग्लादेश में ई-सिगरेट और हीटेड टोबैको प्रोडक्ट्स पर लगा प्रतिबंध हटा

नयी दिल्ली। 11 अप्रैल 2026 को बांग्लादेश के संसद में संशोधित तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम पारित किया गया, जिसने अगली जनरेशन के निकोटीन प्रोडक्ट्स, जैसे हीटेड टोबैको प्रोडक्ट्स (एच.टी.पी) और ई-सिगरेट पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। यह कोई मामूली प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि नीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है, जिसने बांग्लादेश को ज्यादा समृद्ध और विकसित देशों से आगे लाकर खड़ा कर दिया है, जो अभी भी प्रतिबंध की नीति से चिपके हुए हैं, जिसकी विफलता साफ हो चुकी है।यह निर्णय किन्हीं काल्पनिक आँकड़ों के आधार पर नहीं लिया गया है। अमेरिका स्थित कंज्यूमर चॉइस सेंटर के अनुसार बांग्लादेश में 6.2 मिलियन से अधिक धूम्रपान करने वालों को अगर स्मोकलेस प्रोडक्ट्स उपलब्ध हों, जो जिम्मेदारीपूर्वक रैगुलेटेड एवं धूम्रपान छोड़ने में मदद करने के लिए पेश किए जाएं, तो वो सभी धूम्रपान का त्याग कर सकते हैं।

हिमालया बेबीकेयर का मदर्स डे कैम्पेन लॉन्च

नयी दिल्ली। हिमालया बेबीकेयर ने इस मदर्स डे पर मातृत्व की निरंतर विकसित होती यात्रा का जश्न मनाते हुए एक कैम्पेन लान्च किया है। यह कैंपेन एक शिशु के 'पहले अनुभवों' की

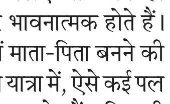

एक श्रृंखला और उनसे उत्पन्न होने वाली सुखद भावनाओं के माध्यम से मातृत्व की इस खूबसूरत यात्रा को उजागर करता है। इस कैंपेन का मूल विचार यह है कि जहां ये पड़ाव शिशु के विकास का जश्न मनाते हैं, लेकिन ये पल मां के लिए भी उतने ही महत्वपूर्ण और भावनात्मक होते हैं। आज के दौर में माता-पिता बनने की इस आगे बढ़ती यात्रा में, ऐसे कई पल चुपचाप गुजर जाते हैं, जिनकी अहमियत अक्सर अनदेखी रह जाती है। इसके माध्यम से हिमालया बेबीकेयर ने मां के अनुभवों को केंद्र में रखते हुए उस सहज और गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाया है, जो शिशु के हर पहले कदम के साथ और मजबूत होता जाता है।

सेंसेक्स में 516 अंकों की गिरावट

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ने से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। सेंसेक्स करीब 516 अंक टूटकर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 150 अंक की गिरावट आई।

विश्लेषकों के मुताबिक, ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ने से बाजार में जोखिम से बचने का रुझान देखा गया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख ने भी गिरावट को बढ़ाया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 516.33 अंक यानी 0.66 प्रतिशत गिरकर 77,328.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 698.09 अंक तक लुढ़क गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 150.50 अंक यानी 0.62

प्रतिशत गिरकर 24,176.15 अंक पर आ गया। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स में 414.69 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त रही जबकि एनएसई निफ्टी में 178.6 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की तेजी रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयर में मार्च तिमाही नतीजों के बाद 6.62 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी नुकसान में रहे। हालांकि, टाइटन के शेयर अनुकूल तिमाही नतीजों के बाद 4.76 प्रतिशत चढ़ गया। इसके साथ एशियन पेंट्स, अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में भी तेजी रही। कमजोर वैश्विक संकेतों और नई भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच घरेलू बाजार दबाव में रहे। कच्चे तेल में फिर से तेजी आने से निवेशक धारणा बिगड़ गई। इसके अलावा रुपये में कमजोरी कायम रहने और संस्थागत निवेशकों के रुख से भी प्रभाव पड़ा। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.34 प्रतिशत के नुकसान में रहा जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट रही। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब 100 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका -ईरान के बीच ताजा सैन्य कार्रवाई से संघर्षविराम की उम्मीदें कमजोर पड़ीं, जिससे निवेशकों ने मुनाफावसूली की और जोखिम से बचने की कोशिश की। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रहने और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में नरमी से व्यापक धारणा और रुपये को कुछ समर्थन मिला। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 340.89 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

विदेशी मुद्रा भंडार 7.79 अरब डॉलर घटकर 690.69 अरब डॉलर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक मई को समाप्त सप्ताह के दौरान 7.79 अरब डॉलर घटकर 690.69 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पछले 24 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.82 अरब डॉलर घटकर 698.49 अरब डॉलर रहा था। इस साल 27 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान, पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले, यह कोष बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 728.49 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इसके बाद कई हफ्तों तक इसमें गिरावट देखने को मिली। इसका कारण दबाव में आये रुपये को समर्थन देने के लिए रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक,

एक मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.79 अरब डॉलर घटकर 551.82 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में बदलाव का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि आलोच्य सप्ताह के दौरान उसके स्वर्ण भंडार का मूल्य 5.02 अरब डॉलर घटकर 115.22 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.79 अरब डॉलर हो गए। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.86 अरब डॉलर रहा।

आरबीआई ने बैंकों को अपना तिमाही लाभ पूंजी गणना में जोड़ने की मंजूरी दी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बैंकों के पूंजी पर्याप्तता मानदंडों में ढील देते हुए चालू वित्त वर्ष के लाभ को तिमाही आधार पर पूंजी गणना में शामिल करने की अनुमति दे दी।

आरबीआई के एक परिपत्र के मुताबिक, अब बैंकों को तिमाही मुनाफा कॉमन इक्विटी टियर-। (सीईटी-1) पूंजी में शामिल करने के लिए पहले लागू एनपीए से संबंधित अतिरिक्त शर्त का पालन नहीं करना होगा। सीईटी-। बैंक की मुख्य और उच्च गुणवत्ता वाली पूंजी होती है, जो नुकसान की स्थिति में उसे पहला सुरक्षा कवच देती है। इसके सहारे बैंक किसी घाटे या संकट को झेल सकता है। संशोधित प्रावधानों के तहत बैंक पूंजी-जोखिम भारित परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) की गणना में चालू वर्ष के मुनाफे को तिमाही आधार पर जोड़ सकेंगे लेकिन इसके लिए उन्हें निर्धारित शर्तों और एक तय फार्मूले का पालन करना होगा। इसके साथ ही बैंकों के लिए प्रत्येक तिमाही में वित्तीय परिणामों का ऑडिट या सीमित समीक्षा कराना अनिवार्य होगा। इसी तरह के निर्देश लघु वित्त बैंकों और भुगतान बैंकों के लिए भी जारी किए गए हैं।

आरबीआई ने इस संबंध में मसौदा संशोधन अप्रैल में जारी कर हितधारकों से सुझाव मांगे थे।

रुपया 25 पैसे टूटकर 94.47 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को 25 पैसे टूटकर 94.47 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका तथा ईरान के बीच ताजा टकराव के साथ घरेलू मुद्रा में गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पिछले दो कारोबारी सत्रों में मजबूती के बाद निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ईरान ने अमेरिका पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया है।

ईरान का कहना है कि अमेरिका ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य और नागरिक इलाकों में नए हमले किए, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्धविराम अब भी प्रभावी है। अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बीच ब्रेंट तेल की कीमतें गिरकर 98

अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, लेकिन निवेशकों द्वारा पश्चिम एशिया शांति समझौते की संभावनाओं का आकलन करने के बाद कीमतों में मामूली वृद्धि हुई और यह बढ़कर लगभग 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.58 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.68 तक फिसल गया। अंत में रुपया 94.47 प्रति डॉलर पर रहा। यह पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती नुकसान से उबरते हुए 27 पैसे की मजबूती के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी का भी रुपये पर दबाव पड़ा। पश्चिम एशिया में फिर बढ़े वैश्विक तनाव के बीच रुपये में हल्की कमजोरी का रुख रहने की उम्मीद है। कच्चे तेल की कीमतों में सुधार और कमजोर वैश्विक बाजार भी रुपये पर दबाव डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से रुपये में और गिरावट आ सकती है।

कच्चे तेल के वायदा भाव में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में शुक्रवार को कच्चा तेल की

कीमत 49 रुपये की गिरावट के साथ 8,720 रुपये प्रति बैरल रह गयी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का जून माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 49 रुपये या 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,720 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 4,755 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से कच्चातेल वायदा कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 99.47 डॉलर प्रति बैरल हो गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 1.02 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता 101.08 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

निर्माण उपकरण की बिक्री घटी, निर्यात बढ़ाः उद्योग

नयी दिल्ली। निर्माण उपकरण उद्योग की वित्त वर्ष 2025-26 में कुल बिक्री करीब दो प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 136,995 इकाई रही। भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीईएमए) ने शुक्रवार को यह बात कही।

उद्योग संगठन के अनुसार, इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में बिक्री।,40,191 इकाई थी। आईसीईएमए ने कहा कि घरेलू बाजार में अस्थायी चुनौतियों, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के धीमे क्रियान्वयन और परियोजनाओं में देरी के कारण बिक्री प्रभावित हुई। हालांकि, निर्यात में 32 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि ने उद्योग की मजबूती बनाए रखी। पिछले वित्त वर्ष में दर्ज गिरावट को उद्योग की संरचनात्मक कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण जमीन पर बुनियादी

ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन में धीमापन रहा। सरकार का पूंजीगत व्यय आवंटन अब भी ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर बना हुआ है, लेकिन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी, भूमि अधिग्रहण से जुड़ी चुनौतियों और भुगतान चक्र धीमा रहने से वर्ष के दौरान उपकरणों की मांग प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि निर्यात में मजबूत वृद्धि से उद्योग ने अपनी मजबूती दिखाई है। इससे भारतीय निर्माण उपकरणों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ने का भी संकेत मिलता है। देश में बुनियादी ढांचा विकास पर लगातार ध्यान दिए जाने से हमें उद्योग की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं पर भरोसा है। उद्योग संगठन के अनुसार, 2025-26 में घरेलू बिक्री करीब सात प्रतिशत घटकर।,13,229 इकाई रह गई, जो 2024-25 में।,21,301 इकाई थी। यह विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन और सतर्क खरीद रुख को दर्शाता है। भारत अभी भी दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा निर्माण उपकरण बाजार बना हुआ है। अनुमान है कि यह क्षेत्र सालाना 8.3 प्रतिशत की संचयी वृद्धि दर के साथ 2030 तक 14.76 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। आईसीईएमए के अनुसार मिट्टी खोदने और हटाने वाले उपकरणों का बाजार में दबदबा बना रहा। इसकी बिक्री 97,236 इकाई रही, जो कुल बाजार का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि, इसमें सालाना आधार पर दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके मुताबिक सामग्री उठाने और ढोने वाले उपकरणों की बिक्री 10 प्रतिशत घटकर 15,290 इकाई रही। वहीं, कंक्रीट उपकरणों की बिक्री 0.09 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 14,486 इकाई रही।

ट्रंप को अदालतों में झटकों से कम पड़ सकती है भारत के साथ बीटीए वार्ता

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अदालतों में लगातार झटके मिलने से अमेरिकी शुल्क व्यवस्था को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर आगे बढ़ने से पहले भारत को अमेरिका द्वारा अधिक स्थिर एवं कानूनी रूप से विश्वसनीय व्यापार ढांचा विकसित करने का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह फैसला इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करता है कि ट्रंप के वैश्विक शुल्क विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का उल्लंघन करते थे। अमेरिकी अदालतों द्वारा इन्हें निरस्त किया जाना बहुपक्षीय व्यापार मानकों के लिए सकारात्मक संकेत है। अमेरिका की

एक संघीय अदालत ने देश के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस को एक और झटका देते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को अवैध और कानून द्वारा अनधिकृत करार देते हुए खारिज कर दिया है। ट्रंप द्वारा पहले लगाए गए व्यापक शुल्कों को खारिज करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी को भारत सहित सभी देशों पर 150 दिन के लिए नए शुल्क लगाए गए थे।

उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) शुल्क लगाने की अनुमति नहीं देता। अमेरिकी शुल्क नीति को लेकर जारी अनिश्चितता। अदालतों द्वारा ट्रंप के प्रमुख शुल्क बार-बार निरस्त करने से भारत के लिए किसी दीर्घकालिक व्यापार प्रतिबद्धता को उचित ठहराना मुश्किल होता जा रहा है। भारत को द्विपक्षीय व्यापार समझौता अंतिम रूप देने से पहले अमेरिका के अधिक स्थिर एवं कानूनी रूप से भरोसेमंद व्यापार तंत्र विकसित करने का इंतजार करना चाहिए।

पेज एक का शेष

आईएसआई से

भी आरोपियों को सौंपा गया था। इस ढाबे पर रोजाना हजारों लोग आते हैं। सूत्र ने कहा हिसार में एक सैन्य शिविर की भी कथित तौर पर रेकी की गई थी और क्षेत्र के वीडियो सीमा पार आकाओं के साथ साझा किए गए थे। उत्तर प्रदेश के कुछ पुलिस थाने भी हिट लिस्ट में शामिल थे।

सीएम योगी

गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में दिखा। यहां ओपन जिम की शुरूआत के मौके पर मुख्यमंत्री फिटनेस के अंदाज में नजर आए। उन्होंने जिम के उपकरणों का जायजा लिया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। ग्रामीणों के लिए अपने 'योगी जी' को इतने करीब से देखना किसी उत्सव से कम नहीं था। योगी आदित्यनाथ का यह दो दिवसीय दौरा महज एक राजनीतिक दौरा नहीं, बल्कि अपनी जड़ों की ओर वापसी की एक आध्यात्मिक यात्रा बताई जा रही है. इस कार्यकाल में यह उनका अपने गांव का लगातार तीसरा दौरा है। मंदिर, मूर्तियां और अपनों का साथ- पंचूर से विदा लेते समय सीएम योगी की आंखों में एक अलग ही संतोष और सुकून दिखाई दे रहा था।

बंगाल के

जनादेश दिया है। हम बंगाल में भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में किये गये सभी वादों को पूरा करेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य की नई भाजपा सरकार के बीच समन्वय की जरूरत पर जोर दिया। अधिकारी ने कहा, केंद्र और राज्य बंगाल की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम करें। शाह ने पश्चिम बंगाल में नव निर्वाचित विधायकों की एकमत से सहमति का हवाला देते हुए अधिकारी को भाजपा विधायक दल का नेता घोषित किया। शाह ने कहा, 'विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। आठ प्रस्ताव मिले थे और उन सभी में सिर्फ एक नाम था। दूसरे नाम के लिए काफी समय दिया गया था, लेकिन कोई दूसरा नाम प्रस्तावित नहीं किया गया। इसलिए, मैं शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री घोषित करता हूं। बंगाल में भाजपा की जीत के मुख्य सूत्रधारों में गिने जाने वाले अधिकारी शनिवार को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक भव्य समारोह में राज्य के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, शाह और कई वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हो सकते हैं। भाजपा ने चुनाव में ज़बरदस्त जीत हासिल की और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल का राज खत्म हो गया।

बंगाल में

प्रस्ताव मिले थे और उन सभी में सिर्फ एक नाम था। दूसरे नाम के लिए काफी समय दिया गया था, लेकिन कोई दूसरा नाम प्रस्तावित नहीं किया गया। इसलिए, मैं शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री घोषित करता हूं।अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने से पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। पार्टी ने विधानसभा चुनाव में ज़बरदस्त जीत हासिल की और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल का राज खत्म हो गया। शाह ने भाजपा का साथ देने के लिए बंगाल के लोगों का शुक्रिया अदा किया, वहीं आरोप लगाया कि राज्य में दशकों से डर और राजनीतिक हिंसा का माहौल था। उन्होंने कहा मैं बंगाल के लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हू। कम्युनिस्ट जमाने से यहां जो माहौल बना था, वह ममता जी के राज में और बढ़ गया। ऐसे हालात में, अपना वोट देना लगभग नामुमकिन हो गया था। उन्होंने कहा हिंसा और क्रूरता के सैकड़ों मामलों के बावजूद, बंगाल के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी और हमारे नेता नरेन्द्र मोदी पर भरोसा किया और हमें भारी जीत दिलाई।

तमिलनाडु : विजय

की ताकि उनसे सरकार बनाने का निमंत्रण प्राप्त किया जा सके। सूत्रों के अनुसार विजय पहले ही सरकार बनाने का दावा पेश कर चुके हैं लेकिन संख्याबल को लेकर राज्यपाल संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने बताया कि विजय की राज्यपाल से मुलाकात संक्षिप्त रही। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने का वादा करने के कुछ घंटों बाद, विजय गुइंडी में राज्यपाल के कार्यालय पहुंचे। टीवीके समर्थकों को उम्मीद है कि अर्लेकर उन्हें सरकार बनाने का निमंत्रण देंगे। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीट मिली है जो बहुमत के लिए जरूरी 118 सदस्यों की संख्या से कम है। नतीजे आने के कुछ घंटों के बाद ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने विजय को समर्थन देने की घोषणा कर दी थी। पार्टी के सदन में पांच सदस्य निर्वाचित हुए हैं। विजय ने सरकार बनाने की कोशिशों के तहत द्रमुक की सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विदुथलाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके) से संपर्क किया था। तीनों दलों के सदन में दो-दो विधायक हैं। भाकपा और माकपा ने विजय को समर्थन देने की घोषणा कर दी है जबकि वीसीके ने कहा कि वह शनिवार को फैसला लेगी। विजय बाद में भाकपा और माकपा के राज्य मुख्यालय गए और वाम नेताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। विजय ने पहली बार दोनों वामपंथी दलों के कार्यालयों का दौरा किया है।इससे पहले, भाकपा के प्रदेश सचिव एम. वीरपांडियन ने कहा, जनता ने लोकतंत्र का प्रस्ताव रखा है और हमने इसका समर्थन किया है, और इसी के अनुरूप पार्टी टीवीके को अपना समर्थन देती है।माकपा के प्रदेश सचिव पी. शनमुगम ने कहा, राज्य के अधिकारों की रक्षा और इसी तरह के मुद्दों के संबंध में, वामपंथी दल द्रमुक के साथ गठबंधन जारी रखेंगे। आईयूएमएल ने अप्रत्यक्ष रूप से कहा कि उसके दो विधायक सरकार गठन की दिशा में राज्यपाल की पहल का समर्थन करेंगे। आईयूएमएल के शीर्ष नेता प्रोफेसर के.एम. कादर मोहिदीन के इस बयान को इस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि आईयूएमएल टीवीके द्वारा सरकार गठन में सहयोग करेगी। वाम दलों के समर्थन, वीसीके और आईयूएमएल की ओर से सहयोग के संकेत के बाद टीवीके समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने भरोसा जताया है कि विजय जरूरी संख्याबल प्राप्त कर सरकार बनाएंगे। जश्न मना रहे समर्थकों में से एक महिला ने पीटीआई वीडियो से कहा, हम सो नहीं पाए। हम बुखार में यहां तीन दिन तक यह जानने के लिए बैठे रहे कि यह अंत है या एक नई शुरुआत। उन्होंने कहा, जब हमने समर्थन शब्द सुना, तो हमने जयकार नहीं की - हम बस मंदिर गए और रोए। भगवान ने आखिरकार हमारे साथ हुए अन्याय को देख लिया है।

अमेरिकी कोर्ट

अमान्य और कानून द्वारा अनधिकृत हैं।

बुलंदशहर

अनुसार, मोटरसाइकिल का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। पुलिस का कहना है कि मौके से हरियाणा नंबर की एक ट्रक की नंबर प्लेट मिली है, जिसके आधार पर ट्रक की तलाश की जा रही है। जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

हिमालयी क्षेत्र

शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों के विस्तार पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और मानव कल्याण की प्रेरणा देने वाला पवित्र स्थल भी है। सरकार इसी भावना के अनुरूप यहां आधारभूत सुविधाओं और जनसेवाओं का विस्तार कर रही है। इस अवसर पर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि यह अस्पताल हिमालयी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा और इससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी व्यापक लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम में बीसीसीएल के एमडी संजय खन्ना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, सुरेश सोनी, दिनेश चंद्र, बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, उपाध्यक्ष विजय कप्रवान, श्री केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर तथा अजय कोठियाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सपा सरकार

में 0.6, अरुणाचल प्रदेश में 0.3 और मेघालय में 0.2 दर्ज की गई, जबकि उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा शून्य रहा। रिपोर्ट यह भी बताती है कि वर्ष 2023 में भी यूपी में इस श्रेणी में क्राइम रेट शून्य था। यह बदलाव योगी सरकार की अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति, सक्रिय पुलिसिंग और संगठित अपराधों पर लगातार कार्रवाई से संभव हुआ है। पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट, माफिया की संपत्तियों की जब्ती और अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने जैसे सख्त कदमों का असर धरातल पर दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में दंगे की एक भी घटना नहीं हुई। कुछ अराजक तत्वों द्वारा दंगा भड़काने की कोशिश जरूर की गई, लेकिन योगी सरकार में सख्त कानून व्यवस्था ने दंगाइयों के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

मामूली हिंसक घटनाओं के उग्र रूप लेने से पहले ही अराजक तत्वों के खिलाफ दंगा विरोधी सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें सलाखों के पीछे धकेल दिया गया। एनसीआरबी की 2024 रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में बलवा की अपराध दर 1.1 दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह दर 2.2 रही। यहां यूपी में बलवा की अपराध दर 1.1 दर्ज होने का आधार वही मामले हैं, जिनमें दंगा भड़काने की कोशिशों को योगी सरकार ने समय रहते विफल कर दिया और अराजक तत्वों के खिलाफ दंगा भड़काने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सार्वजनिक मंचों से कहते हैं, ह्यनो कर्फ्यू-नो दंगा, यूपी में सब चंगा।ह्य एनसीआरबी रिपोर्ट में मणिपुर में बलवा की अपराध दर 8.4, महाराष्ट्र में 6.4, कर्नाटक में 5.4, हरियाणा में 5.3 और हिमाचल प्रदेश में 4.7 दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश में एक समय ऐसा था जब दंगे, अपहरण और फिरौती जैसी घटनाएं आम चर्चा का विषय बन चुकी थीं।

यूपी में स्वास्थ्य

अस्पतालों के पंजीकरण व नवीनीकरण में अनियमितता बरतने का दोषी पाया गया है। निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम एवं अल्ट्रासाउण्ड जांच सेन्टरों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण प्रकिया में जानबूझ कर अनियमितता किये जाने, शासनादेशों के उल्लंघन करने और फाइलों को स्वीकृत किये जाने में लापरवाही बरती गई। शिकायत के बाद एडीएम सहित तीन सदस्यीय कमेटी ने मामले की जांच की। जांच में आरोपों की पुष्टि हुई। हदोई स्थित संडीला के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार सिंह पर जनपद में नियमविरुद्ध अनधिकृत रूप से प्राइवेट अस्पतालों के संचालकों पर कोई कार्रवाई न करने के आरोप लगे हैं। जांच में आरोप सही पाए गए हैं।

स्टांप तथा

द्वितीय, बरेली शामिल हैं। इन कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई शुरू करते हुए विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा की ओर से निलंबन आदेश जारी कर दिए गए हैं। विभागीय जांच में पाया गया कि उक्त कार्मिकों की ओर से पंजीयन प्रक्रिया को प्रश्नांकित करने और विभागीय छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया। इन कार्मिकों ने आवंटित कार्य के विपरीत जाकर विलेखों के प्रलेखन, परीक्षण और पंजीयन में गंभीर अनियमितताएं बरतीं।

केकेआर ने दिल्ली को 8 विकेट से हराया

कोलकाता के लिए नारायण ने चार ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया

नयी दिल्ली। अनुकूल रॉय और कार्तिक त्यागी की घातक गेंदबाजी के बाद फिन एलन की धुआंधार बल्लेबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली ने पथुम निसांका की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 142 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 14.2 ओवर में दो विकेट खोकर 147 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई दिल्ली के बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पाथुम निसांका (29 गेंद में 50 रन) तथा सातवें नंबर पर उतरे आशुतोष शर्मा (28 गेंद में 39) को छोड़कर कोई टिककर नहीं खेल सका। बीच के ओवरों में एक बार छह ओवर से अधिक कोई बाउंड्री नहीं लगी और आखिरी ओवर में भी तीन ही रन बने। केकेआर के लिए नारायण ने चार ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया। वरूण चक्रवर्ती ने चार ओवर में 28 रन दिये जबकि अनुकूल रॉय ने 31 रन देकर दो विकेट चटकाये। तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने चार ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिये।

दिल्ली को निसांका और राहुल ने अच्छी शुरूआत दी और ढीली गेंदों को नसीहत देते रहे। निसांका ने दूसरे ही ओवर में वैभव अरोड़ा को छक्का लगाकर अपने तेवर जाहिर कर दिये और अगले ओवर में अनुकूल रॉय की गेंद को भी सीमा के पार पहुंचाया। नारायण चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिये आये लेकिन राहुल और निसांका ने चौकों के साथ उनका स्वागत किया। वेस्टइंडीज के इस अनुभवी स्पिनर के पहले ओवर में 11 रन बने। तेज गेंदबाज त्यागी को राहुल ने पांचवें ओवर में दो चौके लगाये लेकिन आखिरी गेंद पर विकेट गंवा बैठे। गेंद पूरी तरह से बल्ले पर नहीं आई और हवा में खेले गए शॉट पर कैमरन ग्रीन ने कैच लपक लिया। आईपीएल के इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे राहुल ने 14 गेंद में चार चौकों की मदद से 23 रन बनाये। पावरप्ले में दिल्ली का स्कोर एक विकेट पर 55 रन था लेकिन इसके बाद अगले छह ओवर में सिर्फ 36 रन बने और चार विकेट गिर गए। बीच के ओवरों में केकेआर के गेंदबाजों खासकर स्पिनरों ने दिल्ली के बल्लेबाजों को बांधे रखा। निसांका ने आठवें ओवर में ग्रीन को फाइन लेग के ऊपर से 73 मीटर का शानदार छक्का लगाया। दूसरे छोर पर नीतिश राणा टिककर खेल नहीं सके और आठ रन बनाकर नारायण को कैच देकर लौटे। वरूण ने नौवें ओवर में सिर्फ तीन रन दिये। समीर रिजवी (तीन) नारायण को स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में डीप मिडविकेट पर रोवमैन पावेल को कैच दे बैठे।

इस बीच निसांका ने दसवें ओवर में रॉय को एक्स्ट्रा कवर पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक 29 गेंदों पर पूरा किया जिसमें पांच चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह हालांकि अगली गेंद पर आगे बढकर खेलने के प्रयास में चूके और विकेट के पीछे अंगकृष रघुवंशी ने स्टम्पिंग करने में कोई चूक नहीं की।

तीरंदाजी विश्व कप में सिमरनजीत और साहिल ने भारत को पदक की दौड़ में बनाये रखा

नयी दिल्ली। रिकर्व तीरंदाज सिमरनजीत कौर और कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने शुक्रवार को यहां उतार-चढ़ाव भरे अभियान में भारत के लिए अप्रत्याशित रूप से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पहले तीरंदाजी विश्व कप में पदक की उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

एशियाई खेलों की टीम कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत ने विश्व कप के दूसरे चरण में सेमीफाइनल में पहुंचकर व्यक्तिगत रूप से मिले अवसर का भरपूर फायदा उठाया। वह इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में दीपिका कुमारी से तीन अंक पीछे रहने के कारण भारतीय महिला टीम में जगह बनाने से चूक गई थीं। हरियाणा की 27 वर्षीय खिलाड़ी ताइवान की किशोरी फोंग यू झू को सीधे सेटों में 6-0 (27-24, 28-26, 29-26) से हराकर विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है। इससे पहले फोंग ने दूसरे दौर में भारत की शीर्ष क्रम की तीरंदाज अंकिता भकत को चौंका दिया था। सिमरनजीत ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की 19 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ नौ तीरों में से सिर्फ छह अंक गंवाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा।

भारत ने इतिहास रचा, लेबनान को हराकर अंडर-17 महिला एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

चीन। भारत ने शुक्रवार को यहां अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में लेबनान के खिलाफ 4-0 की शानदार जीत के साथ पहली बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करके शानदार उपलब्धि हासिल की। भारत का क्वार्टर फाइनल में पहुंचना तब पक्का हो गया जब फिलीपींस और चीनी ताइपे अपने आखिरी ग्रुप सी मैच को 12 या उससे ज्यादा गोल के अंतर से जीतने में नाकाम रहे। थाईलैंड के साथ भारत तीसरे नंबर की दो सबसे अच्छी टीमों में से एक के तौर पर अंतिम आठ में पहुंचा। भारत ने ग्रुप चरण तीन अंक और -। (माइनस 1) के गोल अंतर से खत्म किया जो ग्रुप सी में फिलीपींस के -13 (माइनस 13) से काफी ज्यादा है। सूझोउ ताइहू फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए मैच में भारत की ओर से प्रीतिका बर्मन ने छठे और 85वें मिनट में दो गोल दागे, जबकि अल्वा देवी सेंजाम ने 36वें मिनट और जया ने 72वें मिनट में गोल कर टीम को ऐतिहासिक उपलब्धि के करीब पहुंचा दिया था। भारत ने 2005 के बाद इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत और पहले गोल भी दर्ज किए। साथ ही यह एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में टीम का नॉकआउट चरण के लिए पहला क्वालिफिकेशन भी है। महिला फुटबॉल में 2004 में एएफसी अंडर-19 चैंपियनशिप के बाद यह भारत का पहला एशियाई कप नॉकआउट चरण है। टीम 2004 में क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

संक्षेप

ग्लोबल शतरंज लीग का चौथा सत्र भारत में होगा

नयी दिल्ली। टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल ग्लोबल शतरंज लीग का चौथा सत्र भारत में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य देश में लोकप्रिय हो रही शतरंज संस्कृति का लाभ उठाना है। जीसीएल ने कहा कि मेजबान शहर की घोषणा जल्द की जाएगी। इस आयोजन का तीसरा सत्र पिछले दिसंबर में मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसमें एल्पाइन एसजी पाइपर्स टीम चैंपियन बनी थी। लीग ने खेल के प्रारूप में बदलाव किया है। रैपिड प्रारूप के मुकाबलों, मिश्रित टीमों और कड़े प्रतिस्पर्धी मैचों के जरिए इसे दर्शकों के लिए अधिक आकर्षक बनाने की कोशिश की जा रही है। खेल के प्रति भारत का जुनून और इसका तेजी से बढ़ता शतरंज पारिस्थितिकी तंत्र इसे लीग के लिए एक स्वाभाविक गंतव्य बनाता है। हम एक और रोमांचक सत्र का इंतजार कर रहे हैं, जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और वैश्विक प्रशंसक वर्ग को एक साथ लाएगा।

क्रिकेट भारत का नंबर एक खेल, बास्केट बॉल के लिए भी अपार संभावनाएं

नयी दिल्ली। एनबीए के महान खिलाड़ी व्लाडे डिवैक इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि भारत में क्रिकेट नंबर एक खेल है लेकिन इसके बावजूद उन्हें उम्मीद है कि बास्केटबॉल भी देश में अपनी जगह बना लेगा। सैक्रामेंटो किंग्स के सात फीट एक इंच लंबे इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को यहां अमेरिकन सेंटर में राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न स्कूलों और अकादमियों के 100 से अधिक बच्चों के साथ बास्केटबॉल खेली। डिवैक ने कहा, मैं वास्तव में हैरान हूं। बच्चे काफी प्रतिभाशाली हैं। दो ओलंपिक रजत पदक (1988 और 1996) और दो विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक (1990 और 2002) के विजेता डिवैक ने युवा खिलाड़ियों के साथ काफी समय बिताया। मैं लड़कियों के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हूं। भारत बड़ा देश है और यहां बहुत सारे बच्चे हैं। भारत अगर सही राह पर चले तो वह इस खेल में मजबूत शक्ति बन सकता है। एनबीए एक वैश्विक ब्रांड है और भविष्य में हमारे पास भारत से कुछ एनबीए खिलाड़ी हो सकते हैं। भारत की एनबीए में पहले भी उपस्थिति रही है, जब कनाडा में जन्मे सिम भुल्लर 2015 में लीग के साथ अनुबंध करने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने थे। संयोग से यह सैक्रामेंटो किंग्स ही था जिसने उन्हें टीम में शामिल किया था और उस समय डिवैक टीम के बास्केटबॉल संचालन के उपाध्यक्ष थे। सतनाम सिंह एनबीए में खेलने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने 2015 में डलास मावेरिक्स से अनुबंध किया था।

पैसे या भव्य परेड नहीं, बस चाहता हूं कि सभी खेलों की सफलता का जश्न मने: सात्विक

नयी दिल्ली। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि थॉमस कप में भारतीय टीम द्वारा कांस्य पदक जीतने के बाद जनता की फीकी प्रतिक्रिया पर की गई उनकी हालिया टिप्पणी का उद्देश्य पैसे या भव्य स्वागत की मांग करना नहीं था, बल्कि लोगों से सभी खेलों में हर छोटी-बड़ी जीत का जश्न मनाने की अपील करना था।

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग शेट्टी की जोड़ी हाल ही में डेनमार्क में आयोजित थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी। सात्विक ने हालांकि स्वदेश लौटने पर सोशल मीडिया पर उनकी उपलब्धि को अपेक्षित पहचान न मिलने को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं। डेनमार्क से वापस आने के बाद सात्विक ने लिखा था, अब घर वापस आ गया हूं। हमेशा की तरह, पिछले दो सप्ताहों में क्या हुआ, यह किसी को पता नहीं है और ऐसा लगता है कि किसी को वास्तव में इसकी परवाह भी नहीं है। इस 25 साल के खिलाड़ी ने शुक्रवार को अपने विचारों को और स्पष्ट करने के लिए एक और सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, पिछले कुछ दिनों में थॉमस कप कांस्य पदक को लेकर मेरी टिप्पणियों पर काफी ध्यान दिया गया। मैं लोगों के समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं, लेकिन मैं अपने इरादे को स्पष्ट करना चाहता हूं क्योंकि कई लोग मूल मुद्दे से भटकते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, मेरे शब्द व्यक्तिगत प्रसिद्धि पाने या किसी और की उपलब्धियों का श्रेय कम करने की भावना से नहीं आए थे। मैं हर उस खिलाड़ी का बेहद सम्मान करता हूं जो किसी भी खेल में भारत का नाम रोशन करता है। मेरा संदेश केवल इतना था कि हमें ऐसी संस्कृति विकसित करनी चाहिए, जहां हर छोटी या बड़ी जीत का उत्साहपूर्वक से जश्न मनाया जाए। थॉमस कप जैसे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन खिलाड़ियों के वर्षों के त्याग और कठिन मेहनत का परिणाम होता है और जब ऐसी उपलब्धियों पर चुप्पी छा जाती है।

खिलाड़ियों के कमरों में अनधिकृत प्रवेश पर रोक बीसीसीआई ने हनी ट्रैप, सुरक्षा जोखिम के प्रति चेताया

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने संभावित हनी ट्रैप, कानूनी दायित्व और सुरक्षा जोखिमों के प्रति आगाह करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ के सदस्यों और टीम अधिकारियों के होटल के कमरों में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि बोर्ड की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) ने दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल के उल्लंघन की घटनाओं को उजागर किया था।

बीसीसीआई ने आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के लिए जारी एक पत्र में कहा है कि खिलाड़ियों और अधिकारियों के कमरों में मेहमानों के प्रवेश के लिए टीम मैनेजरों से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 फ्रेंचाइजी के सीईओ को जो पत्र लिखा है, उसकी एक प्रति पीटीआई के पास है। सैकिया ने पत्र में कहा है, मौजूदा सत्र के दौरान कुछ घटनाओं को देखते हुए यह सलाह जारी की गई है और इसका उद्देश्य आईपीएल से जुड़े सभी हितधारकों से अपेक्षित पेशेवरपन, अनुशासन, सुरक्षा जागरूकता और प्रोटोकॉल का पालन करने के मानकों को मजबूत करना है। बीसीसीआई के संज्ञान में आया है कि आईपीएल के मौजूदा सत्र के दौरान खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ के सदस्यों और टीम अधिकारियों से जुड़े दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल उल्लंघन की कुछ घटनाएं हुई हैं। यदि इन घटनाओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो टूर्नामेंट, संबंधित फ्रेंचाइजी और शासी निकाय के रूप में बीसीसीआई की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इससे व्यक्तियों और फ्रेंचाइजी को गंभीर कानूनी दायित्व और सुरक्षा जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। बीसीसीआई ने कहा कि यह देखा गया है कि कुछ खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों ने संबंधित आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम के मैनेजर की जानकारी या अनुमति के बिना अनधिकृत व्यक्तियों को होटल के अपने कमरों में प्रवेश करने की अनुमति दी है। पत्र में कहा गया है कि कई मामलों में टीम मैनेजर को ऐसे मेहमानों की उपस्थिति के बारे में बिल्कुल भी पता नहीं था। इस चलन को तत्काल प्रभाव से सख्ती से प्रतिबंधित किया जाता है। सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को अब एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) दी गई है जिसका पालन टूर्नामेंट की पूरी अवधि के दौरान करना आवश्यक होगा। इसमें कहा गया है, टीम मैनेजर की पूर्व सूचना और स्पष्ट लिखित स्वीकृति के बिना खिलाड़ी या सहायक स्टाफ सदस्य के होटल के कमरे में किसी अन्य व्यक्ति को प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पत्र के अनुसार बीसीसीआई सभी फ्रेंचाइजी का ध्यान शीर्ष स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में लक्षित यौन शोषण और हनी ट्रैपिंग (सुनियोजित जासूसी या ब्लैकमेलिंग का तरीका, जिसमें किसी व्यक्ति को प्रेम, यौन आकर्षण या भावनात्मक प्रलोभन में फंसाया जाता है) के जोखिमों की तरफ आकर्षित करता है। बोर्ड ने कहा कि ऐसी घटनाओं की संभावना को नकारा नहीं जा सकता जिनसे गंभीर कानूनी आरोप लग सकते हैं, जिनमें यौन दुर्व्यवहार से संबंधित लागू भारतीय कानूनों के तहत आरोप भी शामिल हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी को ऐसे जोखिमों को कम करने के लिए हर समय सतर्क और सक्रिय रहना चाहिए। इसमें खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को अपने नामित सुरक्षा अधिकारी और टीम इंटीग्रिटी अधिकारी को सूचित किए बिना अनियमित समय पर टीम के होटलों से बाहर निकलने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कोहली का विकेट लेने से अच्छा लगा : प्रिंस यादव

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने यहां आईपीएल मैच के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को एक बेहतरीन गेंद से आउट किया, लेकिन वह इसे ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहते और उन्होंने कहा कि टीम का जीत हासिल करना अधिक महत्वपूर्ण है। आरसीबी की टीम बारिश से प्रभावित इस मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 213 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी लेकिन उसकी टीम निर्धारित 19 ओवर में छह विकेट पर 203 रन ही बना पाई। मिचेल मार्श के 111 रन की बदौलत एलएसजी ने तीन विकेट पर 209 रन बनाए थे। प्रिंस ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।

कोहली का विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा लगा, लेकिन सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि हमने मैच जीत लिया। अगर मैंने विकेट लिया होता और हम हार जाते, तो इतना अच्छा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि कोई भी गेंदबाज जब किसी भी तरीके से विकेट लेता है तो अच्छा लगता है। अगर परिस्थिति ऐसी होती है कि हम विकेट लेकर ही मैच जीत सकते हैं तो वही हुआ और मुझे अच्छा लग रहा है। प्रिंस ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 विकेट लिए हैं, जो शीर्ष पर चल रहे गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार (17) और अंशुल कंबोज (17) से केवल एक विकेट कम है। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से नई गेंद से गेंदबाजी करने के बारे में बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे (शमी से) नई गेंद से गेंदबाजी करने के बारे में बहुत कुछ सीखा। उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि जब भी कोई गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा होता है तो वह मिड-ऑन या मिड-ऑफ पर खड़े होते हैं। अगर आपका साथ देने के लिए इतना अनुभवी खिलाड़ी हो तो आत्मविश्वास का स्तर अलग हो जाता है। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने स्वीकार किया कि प्रिंस की गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। पाटीदार ने कहा कि हमने दिल्ली में प्रिंस के साथ कई घरेलू मैच खेले हैं। मैं उन्हें लंबे समय से देखता आ रहा हूं। उनकी गेंदबाजी में विविधता है। उनके पास गति है। उनके पास स्विंग है। वह एक कुशल तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने आज बहुत अच्छी गेंदबाजी की। मुझे लगता है कि अपनी गेंदबाजी से उन्होंने मैच का रुख बदल दिया। आरसीबी अभी 10 मैचों के बाद 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और पाटीदार ने कहा कि उनकी टीम खिताब का बचाव कर सकती है। उन्होंने कहा कि हम इस सत्र में मौजूदा चैंपियन के रूप में खेल रहे हैं और हमारे पास फिर से चैंपियन बनने का मौका है।

राजस्थान रॉयल्स से आगे निकलने की कोशिश करेगा गुजरात टाइटंस

जयपुर। आत्मविश्वास से ओतप्रोत गुजरात टाइटन्स शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखकर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगा।

राजस्थान रॉयल्स और गुजरात की टीम की स्थिति लगभग समान है। इन दोनों ने अब तक 10 मैचों में छह जीत और चार हार दर्ज की हैं। रॉयल्स बेहतर नेट रन रेट (0.510) के कारण गुजरात से आगे है। गुजरात टाइटन्स ने हालांकि लगातार तीन जीत हासिल की हैं और वह शीर्ष चार में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। रॉयल्स को अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा है। रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में कप्तान रियान पराग के 90 रन की मदद से छह विकेट पर 225 रन बनाए थे लेकिन उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाए थे। यह लगातार दूसरा मौका था जब रॉयल्स 220 से अधिक के स्कोर का बचाव नहीं कर पाया। राजस्थान रॉयल्स हालांकि वैभव सूर्यवंशी (404 रन), यशस्वी जायसवाल (312) और यहां तक कि ध्रुव जुरेल (290) जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के कारण काफी मजबूत है, लेकिन उसका मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इन बल्लेबाजों में केवल डोनोवन फरेरा (229) ही 150 या उससे अधिक रन बना पाए हैं। जुरेल रॉयल्स की बल्लेबाजी का महत्वपूर्ण अंग है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बन पा रहे हैं। जुरेल ने अपनी पिछली तीन पारियों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 42 रन, 20 गेंदों में 16 रन और 30 गेंदों में 42 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों को देखकर स्पष्ट हो जाता है कि सुधार की गुंजाइश है क्योंकि टूर्नामेंट में यह साफ हो गया कि कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। आईपीएल का मौजूदा सत्र गेंदबाजों के लिए अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में रॉयल्स को विशेष कर बीच के ओवरों में अपनी गेंदबाजी की समस्याओं को दूर करना होगा। गुजरात टाइटंस की टीम इस बात से खुश होगी कि उसने सही समय पर लय हासिल कर ली है। कप्तान शुभमन गिल (378 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता है और वह इसे बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। साई सुदर्शन (385) भी अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। उन्होंने अपनी पिछली चार पारियों में दो अर्धशतक और एक शतक लगाया है। जोस बटलर (335) के निरंतरता बनाए रखने से गुजरात टाइटन्स का शीर्ष क्रम बेहद मजबूत नजर आता है। उसके पास निचले क्रम में मुश्किल परिस्थितियों से निपटने में माहिर अच्छे फिनिशर भी हैं। गुजरात टाइटंस की गेंदबाजी भी अच्छी है। कैगिसो रबाडा (16 विकेट) तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई बखूबी कर रहे हैं। उसकी टीम रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा (12) और मोहम्मद सिराज (11) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के प्रदर्शन से काफी खुश होगी। यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में 220 से अधिक के स्कोर का दो बार सफलतापूर्वक पीछा किया जा चुका है, इसलिए टॉस जीतने वाली टीम पहले फील्डिंग करना पसंद करेंगी।

टीम इस प्रकार हैंः

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), अमन राव, शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, ब्रिजेश शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, एडम मिल्ने, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, यशराज पुंजा, युद्धवीर सिंह।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर (विकेटकीपर), कॉनर एस्टरहुइज़न, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जेसन होल्डर, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, निशांत सिद्धू, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, अरशद खान, अशोक शर्मा, गुरनूर बराड़, कुलवंत खेजरोलिया, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, आर साई किशोर, ईशांत शर्मा, ल्यूक वुड, जयंत यादव। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

एकता की डोर से बंधा है भारत: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत का हर हिस्सा पवित्र है और वह एक ऐसी एकता की डोर से जुड़ा है जो भौगोलिक की सीमाओं से परे है तथा आज की विभाजित दुनिया में एकता की यह भावना पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। मोदी ने पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोले जाने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लिखे एक लेख में कहा कि गुजरात स्थित इस मंदिर की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वालों तथा समय-समय पर इसका पुनर्निर्माण करने वालों के संघर्ष और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि विभाजनों से भरी दुनिया में एकता की यह भावना पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है और सोमनाथ अपनी पूरी गरिमा के साथ हमेशा अडिग खड़ा रहेगा क्योंकि एकता और साझा सभ्यतागत चेतना की भावना हर भारतीय के हृदय में जीवित है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। उन्होंने कहा कि आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। मोदी ने कहा कि मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु वहां भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि 2026 की शुरुआत में उन्हें सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला जो सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। मोदी ने कहा कि उन्हें पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अब 11 मई को एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना उनके लिए बहुत सौभाग्य की बात है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

प्रधानमंत्री स्टार्मर ने स्थानीय चुनावों में पार्टी को मिली हार की जिम्मेदारी ली

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने शुक्रवार को कहा कि स्थानीय चुनावों में लेबर पार्टी को मिली करारी हार की जिम्मेदारी वह लेते हैं। इस चुनावों में आप्रवासन विरोधी रुख वाली रिफॉर्म यूके पार्टी को बड़ी जीत मिली है।

स्टार्मर ने बृहस्पतिवार को पूरे ब्रिटेन में हुए स्थानीय परिषदों और स्कॉटलैंड एवं वेल्स की संसदों के चुनावों की मतगणना के दौरान पत्रकारों से कहा कि इस परिणाम से देश की अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के उनके संकल्प में कोई कमी नहीं आएगी। वेस्टमिंस्टर, साउथेम्प्टन, एक्सेटर, रेडिंग, वैंड्सवर्थ, हार्टलपूल, टैमवर्थ और टेमसाइड की कई महत्वपूर्ण परिषदों में लेबर पार्टी का बहुमत छिन जाने के बाद स्टार्मर पर पार्टी नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ रहा है। स्टार्मर ने कहा कि नतीजे खराब है, बहुत खराब हैं और इसे छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि देशभर में लेबर पार्टी के प्रतिभाशाली प्रतिनिधियों को हार मिली है। ये वे लोग थे, जिन्होंने अपने समुदायों और हमारी पार्टी के लिए बहुत कुछ किया। इससे दुख होता है और होना भी चाहिए। मैं इसकी (हार की) जिम्मेदारी लेता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं पीछे नहीं हटूंगा और देश को अराजकता में नहीं धकेलूंगा। यह पूछने पर कि क्या वह 2029 में होने वाले अगले आम चुनाव में लेबर पार्टी का नेतृत्व करेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, हां। मुझे पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था और मैं इसे पूरा करने का इरादा रखता हूं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि जब मतदाता इस तरह का संदेश देते हैं, तो सत्ताधारी दल को आत्ममंथन करना और जवाब देना चाहिए। वे जानते है कि यथास्थिति उन्हें निराश कर रही है और वे हताश हैं, उन्हें बदलाव महसूस नहीं हो रहा है। रिफॉर्म यूके ने लेबर और विपक्षी दल टोरी दोनों प्रमुख पार्टियों की हराते हुए पार्षदों की 100 से ज्यादा सीट पर जीत हासिल की हैं।

संक्षेप

सोमनाथ मंदिर में आयोजित अमृत महोत्सव समारोह में भाग लेंगे प्रधानमंत्री

सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मई को गुजरात के वेरावल स्थित प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लेंगे। राज्य के एक मंत्री ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह समारोह भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। गुजरात के कैबिनेट मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा, 11 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐतिहासिक मंदिर में आयोजित अमृत महोत्सव में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि मोदी 10 मई को रात 9:30 से 9:45 बजे के बीच हैदराबाद से जामनगर पहुंचेंगे और लाल बंगला सर्कल पर विधायक रिवाबा जडेजा, सांसद पूनम मादम और अन्य भाजपा नेताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री जामनगर में रात्रि विश्राम करेंगे और 11 मई को सोमनाथ के लिए रवाना होंगे। एक हजार साल पहले हुए विनाश के बावजूद, अटूट आस्था का प्रतीक सोमनाथ मंदिर आज भी खड़ा है। हम सोमनाथ विरासत की 75वीं वर्षगांठ को अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में मनाएंगे, जो उस दिन को चिह्नित करता है।

चीन में भारत के नये राजदूत ने चीनी विदेश मंत्रालय को परिचय-पत्र की प्रति सौंपी

बीजिंग। चीन में भारत के नए राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने सहायक विदेश मंत्री हांग लेई को अपने परिचय-पत्र की प्रति सौंपी है।

दोराईस्वामी ने ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरे होने पर बृहस्पतिवार को दूतावास में आयोजित एक समारोह में भी हिस्सा लिया। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि राजदूत दोराईस्वामी ने चीन के विदेश मंत्रालय में प्रोटोकॉल विभाग के महानिदेशक और सहायक विदेश मंत्री हांग लेई को बीजिंग में अपने परिचय-पत्र की प्रति सौंपी। हम अपने सशस्त्र बलों की पेशेवर दक्षता को सलाम करने के लिए एकत्र हुए जिन्होंने अद्वितीय साहस, सटीकता और संकल्प का प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को याद किया और सभी प्रकार के आतंकवाद से लड़ने का अपना संकल्प दोहराया। वर्ष 1992 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी दोराईस्वामी अपना नया कार्यभार संभालने पिछले रविवार को बीजिंग पहुंचे थे।

महिला सुरक्षा पर सरकार के दावे खोखले : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों ने कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर मोदी सरकार के खोखले दावों को उजागर कर दिया है।

एनसीआरबी-2024 की रिपोर्ट बीते बुधवार को जारी की गई। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के 12 वर्षों ने कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर उसके दावों का खोखलापन उजागर कर दिया है और सच्चाई देश के सामने ला दी है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2013 के बाद से महिलाओं के खिलाफ अपराध 42.6 प्रतिशत बढ़ गए हैं, बच्चों के खिलाफ अपराध 204.6 प्रतिशत बढ़ गए हैं, दलितों के खिलाफ अत्याचार में 41.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आदिवासियों के खिलाफ अपराध 46.7 प्रतिशत बढ़ गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, साइबर अपराध में 1,689 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 2024 में 10,546 किसानों, 52,931 दिहाड़ी मजदूरों और 14,488 छात्रों ने आत्महत्या की। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा, एनसीआरबी-2024 की रिपोर्ट केंद्र की भाजपा सरकार के महिला सुरक्षा से जुड़े दावों की पोल खोल रही है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले 11 साल में 42,85,888 महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले सामने आए हैं। भाजपा सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। ये महिलाएं पिछले कई साल से न्याय मांग रही हैं, जिनकी सुनवाई नहीं हो रही। देश में हर 70 मिनट में एक महिला दरिंदगी का शिकार होती है।

ईरान चीनी युआन में तेल शुल्क चाहता है अमेरिकी पेट्रोडॉलर की शक्ति घट रही है

ऑकलैंड। ईरान और अमेरिका द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में लगाए गए अवरोधों के बीच पिछले कुछ हफ्तों से जारी तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह संकीर्ण समुद्री मार्ग इस संघर्ष के परिणाम में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। अमेरिका ने इस जलमार्ग से जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए एस्कॉर्ट (सुरक्षा) व्यवस्था शुरू की है। लेकिन इस सैन्य गतिविधि के पीछे एक गहरा बदलाव देखा जा रहा है और वह यह कि फारस की खाड़ी में ऊर्जा सुरक्षा व्यवस्था तेज़ी से बदल रही है। वैश्विक प्रवाह को नियंत्रित करने की ईरान और अमेरिका दोनों की कोशिशों के साथ-साथ एक और बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका के एक प्रमुख सहयोगी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओपेक से खुद को अलग कर लिया है, जिसे तेल गठबंधन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ईरान ने युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में शुल्क (टैरिफ) लगाने की योजना की घोषणा की है। यदि यह टैरिफ लागू होता है, तो इससे ईरान को हर साल लगभग 40 से 50 अरब अमेरिकी डॉलर की आय हो सकती है। इससे वह अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के प्रभाव को कम कर सकता है।

चंद्रनाथ के हत्यारों के राज्य से भागने की आशंका बंगाल के सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ायी गयी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या में पड़ोसी राज्यों के पेशेवर शूटर की संलिप्तता का संदेह होने के मद्देनजर पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों के पुलिस थानों ने निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि पुलिस उन स्थानीय अपराधियों की भूमिका की भी जांच कर रही है जिन्होंने हमलावरों को संभवतः साजो-सामान और अन्य सहायता उपलब्ध कराई। उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में मोटरसाइकिल सवार बंदूकधारियों द्वारा अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या किए जाने के 36 घंटे से अधिक समय बाद भी पुलिस अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, विस्तृत जांच जारी है। जिस तरीके से हमला किया गया, उससे व्यापक रेकी किए जाने और राज्य के बाहर से भाड़े के पेशेवर शूटर की संभावित संलिप्तता का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों के सभी थानों को सतर्क कर दिया गया है। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कई स्थानों पर जांच की जा रही है और जेसोर रोड के आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज को बारीकी से खंगाला जा रहा है। जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार, बंदूकधारियों ने हमला करने से पहले रथ के वाहन का कथित तौर पर पीछा किया था। बंदूकधारियों के भागने के रास्ते से संकेत मिलता है कि वे इलाके से परिचित थे या स्थानीय अपराधियों ने उनकी मदद की होगी। स्थानीय सहायता के बिना गलियों से इतनी जल्दी भागना मुश्किल होता। हालांकि, पुलिस अभी तक हत्या का मकसद पता नहीं लगा पाई है।

प्रदर्शनरत विद्यार्थियों पर पुलिस ने किया बल प्रयोग

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-4 की अधिसूचना जारी करने में हो रही देरी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों को तितर-बितर करने के लिए पटना पुलिस ने शुक्रवार को बल प्रयोग किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पटना के पुलिस अधीक्षक (एसपी-मध्य) दीक्षा ने कहा, प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। हालांकि, विद्यार्थियों का आरोप है कि पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज भी किया। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-4 के अभ्यर्थियों ने बड़ी संख्या में पटना महाविद्यालय से विरोध मार्च निकाला था और वे डाकबंगला चौराहा की ओर बढ़ रहे थे, इसी दौरान गांधी मैदान के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बिहार में बीपीएससी टीआरई-4 परीक्षा के माध्यम से 46 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति की उम्मीद है, लेकिन परीक्षा की अधिसूचना अप्रैल 2026 की तय समयसीमा के बाद भी जारी नहीं की गयी है। शुक्रवार को पदभार ग्रहण करने वाले शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बीपीएससी टीआरई-4 समेत सभी लंबित भर्तियां जल्द पूरी की जाएंगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, अब कोई भी भर्ती लंबित नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मैं यह सुनिश्चित करने का प्रयास करूंगा कि शिक्षा क्षेत्र बिहार के समग्र विकास की मजबूत नींव बने। तिवारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित की थी तथा नई सरकार इसे और आगे बढ़ाएगी। प्रदर्शन मार्च का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता दिलीप कुमार ने पूर्व शिक्षा मंत्री सुनील कुमार पर अभ्यर्थियों को झूठा आश्वासन देने का आरोप लगाया। उन्होंने उम्मीद जताई कि तिवारी इस मुद्दे का शीघ्र समाधान करेंगे। इधर, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने शिक्षक अभ्यर्थियों पर बल प्रयोग किए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर शुक्रवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की मांगों को सुनने के बजाय उन पर लाठियां बरसा रही है।

इंटरटेनमेंट...

सलमान ने खुद जतायी थी राजा शिवाजी का हिस्सा बनने की इच्छा

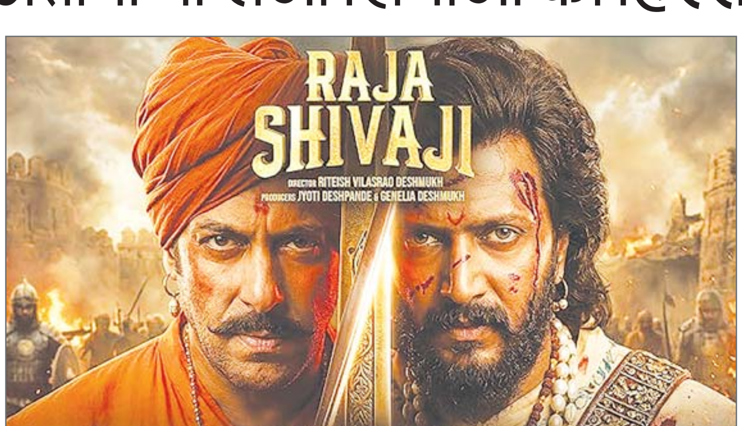

मुंबई। अभिनेता रितेश देशमुख ने कहा कि सलमान खान फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनना चाहते थे, जिसके बाद उन्हें ऐसा खास किरदार गढ़ना पड़ा, जो सलमान के रुतबे के बराबर हो। एक मई को रिलीज हुई यह फिल्म मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। रितेश देशमुख ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ इसके सह-लेखन और निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभाली है। फिल्म में सलमान खान कैमियो भूमिका में नजर आते हैं। उन्होंने जीवा माहाला का किरदार निभाया है जो एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने प्रतापगढ़ की लड़ाई में शिवाजी महाराज की जान बचाई थी। रितेश देशमुख ने कहा एक दिन सलमान ने मुझसे कहा कि उन्हें राजा शिवाजी का हिस्सा बनना है। मैंने इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन उन्होंने कहा तुम मेरे बिना फिल्म नहीं बना सकते, मुझे इसका हिस्सा बनना ही है। मैंने उनसे थोड़ा समय मांगा, क्योंकि अगर वह स्क्रीन पर आएंगे, तो उसका एक अलग महत्व होना चाहिए। आखिरकार वह सलमान खान हैं, लोगों को मजा आना चाहिए। अभिनेता-निर्देशक रितेश ने कहा कि वह चाहते थे कि सलमान फिल्म में ऐसा किरदार निभाएं जो दर्शकों के दिल में उतर जाए।

उन्होंने कहा मैं चाहता था कि वह एक खास किरदार अदा करें। वह किरदार सलमान खान से भी बड़ा लगना चाहिए और साथ ही प्रशंसक भी उसका आनंद उठाएं। फिर हमें यह किरदार मिला। मुझे पता था कि एक खास संवाद चाहिए जो बिल्कुल फिट बैठे। जब वह दृश्य पर्दे पर आया और वैसा असर छोड़ गया जैसा हम चाहते थे, तो वह पल शानदार था। यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने रितेश की फिल्मों में खास भूमिका निभाई हो। इससे पहले वह 2022 में रितेश के निर्देशन वाली पहली फिल्म वेद में एक विशेष गाने में नजर आए थे। वहीं लय भारी में भी उन्होंने कैमियो किया था, जो मराठी सिनेमा में रितेश की पहली फिल्म थी।

राजा शिवाजी फिल्मी सितारों से सजी फिल्म है। फिल्म में संजय दत्त ने अफजल खान, अभिषेक बच्चन ने संभाजी शाहजी भोंसले, विद्या बालन ने बड़ी बेगम, फरदीन खान ने मुगल बादशाह शाहजहां और अमोल गुप्ते ने आदिल शाह की भूमिका निभायी है। रितेश ने कहा कि हिंदी फिल्म जगत के उनके दोस्तों ने सिर्फ प्यार और सम्मान की वजह से फिल्म में काम किया और किसी ने फीस के तौर पर एक रुपया तक नहीं लिया। राजा शिवाजी ने मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 52.66 करोड़ रुपये की कुल कमाई की है। फिल्म में महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री और जितेंद्र जोशी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है और इसका निर्माण ज्योति देशपांडे तथा रितेश की पत्नी और अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले किया है।

12 जून को रिलीज होगी कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता

नयी दिल्ली। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत की फिल्म भारत भाग्य विधाता 12 जून को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। यह फिल्म वर्ष 2008 में मुबंई में हुए आतंकी हमलों के दौरान 400 लोगों की जान बचाने वाले अस्पताल के कर्मचारियों की सच्ची कहानी से प्रेरित है। निर्माताओं ने बुधवार को यह घोषणा की। भारत भाग्य विधाता की पटकथा और निर्देशन मनोज तापडिया ने किया है। यह फिल्म 26/11 हमलों की रात कामा अस्पताल के अंदर घटित घटनाओं पर आधारित है और इसमें यह दिखाया गया है कि कैसे अस्पताल के सभी नर्स, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षाकर्मी और प्रशासनिक कर्मचारियों ने बाहर व्याप्त आतंक के दौरान उसका डटकर सामना किया था।

समय रैना ने सुनील पाल को किया रोस्ट

मुम्बई। कॉमेडियन समय रैना, रणवीर अल्लाहबादिया और सुनील पाल का यह एपिसोड द ग्रेट इंडियन कपिल शो में वर्ल्ड लाफ्टर डे के मौके पर प्रसारित हुआ था, जिसे कपिल शर्मा होस्ट करते हैं। शो में सुनील पाल, समय रैना व रणवीर अल्लाहबादिया साथ नजर आए थे, लेकिन बाद में इसके कुछ क्लिप्स सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए।

इन क्लिप्स में समय रैना द्वारा सुनील पाल पर बार-बार किए गए मजाक को लेकर लोगों की मिला-जुला रिएक्शन देखने को मिला। कुछ लोगों ने इसे हल्की-फुल्की मस्ती बताया, जबकि कई लोगों को लगा कि सुनील को शो में थोड़ा असहज किया गया। वहीं कुछ दर्शकों ने सुनील के कुछ जोक्स को भी पुराना और अजीब बताया। हाल ही में जी स्विच को दिए इंटरव्यू में सुनील पाल ने कहा कि वह इस पूरे सेगमेंट के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थे। उन्होंने बताया कि शो से पहले उन्हें बहुत कम जानकारी दी गई थी और उन्हें अंदाजा नहीं था कि शो में क्या होने वाला है। सुनील ने कहा, ह्यमुझे बताया गया था कि समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया शो में होंगे और मुझे भी वहां परफॉर्म करना है।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com